THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 115 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.12 2083 रविवार, 26 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ☼ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

गृह मंत्री अनीता का 'एक्स' अकाउंट हैक अधिकारी अलर्ट

अमरावती, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य की गृह मंत्री वंगलपुडी अनीता का 'एक्स' अकाउंट हैक हो गया है। इसके चलते गृह मंत्री के कार्यालय के अधिकारियों ने अलर्ट जारी किया है। गृह मंत्री अनीता का पर्सनल 'एक्स' अकाउंट (एक्स- @अनिता टीडीपी) कुछ लोगों ने हैक कर लिया है; अधिकारियों ने देखा कि उस अकाउंट से अनधिकृत (बिना अनुमति के) पोस्ट किए जा रहे थे।

साइबर हमले के बाद अकाउंट से पोस्ट किए गए कंटेंट को आधिकारिक नहीं माना जाएगा। गृह मंत्री के कार्यालय ने यह घोषणा की है। फिलहाल, लोगों और मीडिया से अपील की गई है कि वे अकाउंट से आने वाले पोस्ट को आधिकारिक संदेश न मानें। गृह मंत्री ने अकाउंट हैक होने की शिकायत पुलिस से कर दी है। हैक करने वालों की पहचान करने और अकाउंट को वापस पाने की कोशिशें की जा रही हैं।

डीपफेक वीडियो पर भड़के पीयूष गोयल

दर्ज कराई शिकायत

बोले- एआई का दुर्भावनापूर्ण दुरुपयोग स्वीकार नहीं

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो को लेकर जवाब दिया है। उन्होंने इसे डीपफेक वीडियो बताया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, संसद के बाहर मीडिया से मेरी बातचीत की वीडियो को एआई की मदद से दुर्भावनापूर्ण छेड़छाड़ कर एक डीपफेक वीडियो तैयार करके उसे गलत सूचना फैलाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है।

पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट में जानकारी दी कि उन्होंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। शनिवार सुबह 4.35 बजे चाणक्यपुरी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि इस फर्जी वीडियो को बनाने, प्रसारित करने या जानबूझकर बढ़ावा देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट में लिखा, जनता को गुमराह करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस प्रकार का गैर-जिम्मेदाराना और दुर्भावनापूर्ण दुरुपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी जानकारी के लिए सिर्फ आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोत पर ही भरोसा करें।

पीयूष गोयल ने लिखा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक और तकनीक-समझ रखने वाले नागरिक, विशेषकर हमारे युवा, ऐसे फर्जी और एआई से बनी गलत जानकारी का शिकार नहीं बनेंगे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का डीपफेक वीडियो उस समय वायरल हुआ, जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार सीजेपी का प्रदर्शन जारी है। इसमें दावा किया गया कि उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बारे में धमकी भरी बातें कहीं। हालांकि, पीआईबी फैक्ट चेक ने खुलासा किया कि पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा अकाउंट्स से पीयूष गोयल का वीडियो वायरल किया गया था।

खाने में मिली छिपकली

होटल मालिक ने दिया कस्टमर को ऐसा जवाब; बंद हो गया टिफिन सेंटर

कडप्पा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के प्रोद्दातुर कस्बे में एक टिफिन सेंटर की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक ग्राहक द्वारा खरीदे गए पूरी-कुरमा के पार्सल में छिपकली मिलने से हड़कंप मच गया। ग्राहक ने जब खाना परोसते समय कुरमा में बड़ी छिपकली देखी तो वह हैरान रह गया। इसके बाद उसने तुरंत होटल पहुंचकर मालिक से शिकायत की, लेकिन होटल संचालक के गैरजिम्मेदाराना जवाब दिया, जिससे मामला और गंभीर बना गया। मुस्तफा नामक व्यक्ति ने प्रोद्दातुर स्थित गणेश टिफिन सेंटर से पूरी-कुरमा का पार्सल खरीदा था।

घर पहुंचकर जब वह खाना खाने की तैयारी कर रहा था, तभी उसकी नजर कुरमा में पड़ी एक बड़ी छिपकली पर गई। यह देखकर उसके होश उड़ गए और वह पार्सल लेकर तुरंत होटल पहुंच गया। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत करने पर होटल मालिक ने माफी मांगने के बजाय लापरवाही भरा जवाब दिया। मुस्तफा के अनुसार, होटल संचालक ने कहा कि छिपकली को निकालकर खाना खा सकते हो। यह कुरमा में पकी नहीं है, इसलिए कोई खतरा नहीं है। अगर पक जाती तब नुकसान हो सकता था। इस जवाब से नाराज होकर मुस्तफा ने प्रोद्दातुर वन टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शुरुआती कार्रवाई के तहत पुलिस ने केस दर्ज कर संबंधित टिफिन सेंटर को बंद करा दिया।

अधिकारियों ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखने को मिली है। लोगों का कहना है कि होटल और रेस्तरां में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का नियमित पालन नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। स्थानीय लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग से होटल और भोजनालयों का नियमित निरीक्षण कराने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्लेन के टॉयलेट में छिपा मिला करोड़ों का सोना

18 करोड़ की तस्करी का भंडाफोड़

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के शौचालय का इस्तेमाल कर सोने की बड़ी तस्करी का मामला एक बार फिर सामने आया है। दो दिन पहले विमान के टॉयलेट से 5.63 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया गया था और अब ठीक इसी अंदाज में शुक्रवार को 18 करोड़ रुपये का सोना बरामद किया गया है। डीआरआई ने इथियोपिया से आई एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के टॉयलेट पैनल के पीछे छिपाकर रखा गया 12 किलो से अधिक सोना जब्त किया है। इस मामले में तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान अहमद अब्दुलरहमान, मोहम्मद अब्दुलरहमान और जेमिल नूरी मोहम्मद के रूप में हुई है।

ये तीनों आरोपी अदीस अबाबा से भारत पहुंचे थे। डीआरआई को पहले से ही इस बात का पुख्ता इनपुट मिला था कि कुछ यात्री विमान के अंदर सोना छिपाकर ला रहे हैं, जिसे बाद में एयरपोर्ट के सफाईकर्मियों की मदद से बाहर निकाला जाना था। जैसे ही प्लेन लैंड हुआ, अधिकारियों ने तीनों संदिग्धों को एयरोब्रिज पर ही रोक लिया। शुरुआत में आरोपियों ने अपने पास कोई भी अवैध सामान होने से साफ इनकार कर दिया और उनकी तलाशी में भी कुछ नहीं मिला। हालांकि, जब उनके केबिन बैग की गहराई से जांच की गई तो तीनों के पास से प्लेन की यानी पैनल खोलने वाले विशेष औजार बरामद हुए। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपियों ने माना कि इन औजारों की मदद से उन्होंने प्लेन के टॉयलेट के पैनल खोलकर सोने की छड़ें अंदर छिपा दी थीं। मुख्य आरोपी जेमिल नूरी ने खुलासा किया कि उसे अदीस अबाबा में सोने की छह छड़ें मिली थीं, जिन्हें उसने प्लेन में सवार होने के बाद बाकी दो साथियों में बांट दिया था। इसके बाद सभी ने टॉयलेट में जाकर पैनल खोले और सोने को वहां सुरक्षित छिपा दिया।

आरोपियों की निशानदेही पर डीआरआई की टीम उन्हें वापस प्लेन में ले गई और टॉयलेट के पैनल खोलकर भूरे रंग की टेप में लिपटी हुई 24 कैरेट सोने की छह छड़ें बरामद कीं। जब्त किए गए सोने का कुल वजन 12 किलो चार ग्राम है, जिसकी बाजार में कीमत 18 करोड़ रुपये आंकी गई है। यदि इस सोने को जायज तरीके से लाया जाता तो इस पर लगभग 7.92 करोड़ रुपये की कस्टम ड्यूटी बनती, जिसकी चोरी करने की कोशिश की गई थी। मुंबई की कोर्ट ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

कोनासीमा में तीन युवाओं की डूबने से मौत; शव बरामद

काकीनाडा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। एक दुखद घटना में, कोनासीमा जिले के रामचंद्रपुरम निर्वाचन क्षेत्र में वेंकटायपालेम के पास एक सिंचाई नहर में गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान पसालापुडी गाँव के कनिकेला रंजीत (15) और बोक्का वीरेंद्र (19) तथा पदमारा कंद्रिगा गाँव की वसुधा पावनी (14) के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ये तीनों अपने दादा की पुण्यतिथि में शामिल होने के लिए गाँव आए थे और उसी दिन बाद में बस से हैदराबाद लौटने वाले थे। उनमें से एक युवक का पैर फिसल गया और वह तेजी से बहते पानी में गिर गया। उसे बचाने के लिए बाकी दो युवक भी पानी में कूदे, लेकिन तेज़ बहाव में बह गए। घटना की सूचना मिलने पर राजस्व, पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमों ने खोज अभियान शुरू किया। तीनों शव बरामद कर लिए गए और पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिए गए। जिले के प्रभारी मंत्री के. अच्चन्नायडू ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से मदद का भरोसा दिलाया। सुरक्षा सलाह जारी करते हुए, जिला कलेक्टर महेश कुमार रविराला ने लोगों, खासकर छात्रों से आग्रह किया कि वे जिले भर में जलाशयों, नहरों और नदियों के पास सावधानी बरतें।

राहुल गांधी कुछ भी कर लें

उनका वनवास खत्म होने वाला नहीं: दिलीप घोष

कोलकाता, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और संसद के मौजूदा गतिरोध को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का मकसद संसद में चर्चा करना नहीं, बल्कि केवल हंगामा करना है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए दिलीप घोष ने कहा कि हाल के विरोध प्रदर्शनों के दौरान करीब 100 से पुलिस अधिकारी घायल हुए, लेकिन राहुल गांधी ने उनके प्रति कोई चिंता नहीं दिखाई। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, क्या पुलिसकर्मी नागरिक नहीं हैं? अगर उनके समर्थक या गुंडे पिटते हैं, तभी उन्हें चिंता होती है। राहुल गांधी कुछ भी कर लें, लेकिन उनका वनवास समाप्त होने वाला नहीं है। सोनम वांगचुक के अनशन समाप्त करने पर भी दिलीप घोष ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल की थी, जिसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री उनसे मिलने पहुंचे। जेपी नड्डा ने उन्हें जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया। महात्मा गांधी के समय से सत्याग्रह की परंपरा चली आ रही है और हम भी उसका सम्मान करते हैं।

इसलिए हमारे सम्मानित मंत्री उनसे मिलने गए और बातचीत की। दिलीप घोष ने देश में चल रहे प्रदर्शन को लेकर कहा, हम जानते हैं कि ये लोग किससे प्रेरित हैं और किसके लिए काम कर रहे हैं। कुछ लोग राहुल गांधी जैसे नेता बन जाते हैं, तो कुछ टिकैत जैसे। किसी भी आंदोलन में वही लोग नेता बन जाते हैं और उनके नारे भी लगभग एक जैसे होते हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि कई बार पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों से भी इसी तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। इससे यह सवाल उठता है कि आखिर इन लोगों के संबंध कहां तक जुड़े हुए हैं।

कनाडा में पंजाबी युवती दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा के एडमिंटन शहर में समराला के गांव ललकलां की दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या कर दी। दमनप्रीत की मां की मौत हो चुकी है। उसका पालन-पोषण उसके पिता और बुजुर्ग दादा-दादी ने कठिन परिस्थितियों में किया।

परिवार के अनुसार, दमनप्रीत ने कनाडा में अपनी पढ़ाई पूरी कर ली थी और उसे वर्क परमिट भी मिल गया था। एडमिंटन पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई की शाम दक्षिण-पूर्वी एडमिंटन के सिल्वरबेरी इलाके से मिली एक इमरजेंसी कॉल के बाद दमनप्रीत बेहोशी की हालत में मिली थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन दिन तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद 12 जुलाई को उसकी मौत हो गई। 14 जुलाई को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने 22 जुलाई को आरोपित रितेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

टीईटी पेपर लीक मामले में बड़ी सफलता

मुख्य आरोपी वीरेंद्र कुमार गुप्ता बिहार से गिरफ्तार

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चर्चित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले में जांच एजेंसियों ने मुख्य आरोपियों में शामिल वीरेंद्र कुमार गुप्ता को बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी तलाश के लिए महाराष्ट्र पुलिस की विशेष टीम लगातार कई राज्यों में छापेमारी कर रही थी। आखिरकार भिवंडी पुलिस की विशेष टीम ने बिहार में अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद वीरेंद्र कुमार गुप्ता को हवाई मार्ग से पुणे एयरपोर्ट लाया गया, जहां से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसे भिवंडी ले जाया जा रहा है। पुलिस उसे जल्द ही अदालत में पेश करेगी और उसकी रिमांड लेकर पूछताछ करने की तैयारी में है। जांच एजेंसियों का मानना है कि वीरेंद्र कुमार गुप्ता से पूछताछ के दौरान पेपर लीक नेटवर्क, इसमें शामिल अन्य आरोपियों, आर्थिक लेन-देन और पूरी साजिश से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं। पुलिस के अनुसार, वीरेंद्र कुमार गुप्ता कई महीनों से गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था।

उसकी तलाश में बिहार समेत कई राज्यों में लगातार अभियान चलाए जा रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि उसकी गिरफ्तारी से मामले की जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है और पेपर लीक रैकेट से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचना आसान हो सकता है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस मामले में इससे पहले वीरेंद्र कुमार गुप्ता की पत्नी सहित कई अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि, मुख्य आरोपी लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा और व्यापक होने की संभावना है।

थलपति विजय को सूट नहीं कर रहा तमिलनाडु सीएम का फोर्ट सेंट जॉर्ज वाला दफ्तर

एनकेएम की 10वीं मंजिल में शिफ्टिंग शुरू

चेन्नई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु सचिवालय में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल होने जा रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को ऐतिहासिक फोर्ट सेंट जॉर्ज परिसर में स्थित अपने लंबे समय से चले आ रहे कार्यालय से नामक्कल कविग्नर मालिगई (एनकेएम) में ट्रांसफर करने का फैसला किया है। नए परिसर को तैयार करने के लिए तेजी से नवीनीकरण कार्य चल रहा है। यह स्थानांतरण सचिवालय के कामकाज में वर्ष 2011 के बाद सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक माना जा रहा है। उस समय दिवंगत जे.

जयललिता के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके सरकार ने प्रमुख विभागों को दोबारा फोर्ट सेंट जॉर्ज में स्थानांतरित किया था, जिससे पहले डीएमके सरकार द्वारा नए निर्मित ओमंदुरार गवर्नमेंट एस्टेट से सचिवालय संचालित करने का निर्णय पलट दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले का मुख्य कारण मौजूदा मुख्यमंत्री कार्यालय में जगह की भारी कमी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के पदभार संभालने के बाद उनसे मिलने आने वाले अधिकारियों, आगंतुकों और विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों की बढ़ती संख्या के कारण वर्तमान कार्यालय पर काफी दबाव था। हालांकि इस स्थानांतरण को लेकर अन्य कारणों को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। सरकारी सूत्रों का कहना है कि इसका उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और आगंतुकों के बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री अब तक फोर्ट सेंट जॉर्ज की मुख्य इमारत की पहली मंजिल से कामकाज कर रहे थे, जहां मुख्यमंत्री कार्यालय पिछले छह दशकों से अधिक समय से संचालित हो रहा है। नई योजना के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय को नामक्कल कविग्नर मालिगई की 10वीं मंजिल पर स्थापित किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस स्थानांतरण की तैयारियां शुरू कर दी हैं। नया मुख्यमंत्री कार्यालय 10वीं मंजिल पर स्थित मौजूदा भोजन कक्ष में बनाया जाएगा, जो सम्मेलन कक्ष के ठीक बगल में स्थित है।

केंद्र सरकार के अनुसार, 2024-25 से आंध्र प्रदेश में 4,520 एमएसएमई बंद हुए हैं।

विशाखापत्तनम, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय द्वारा लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 फाइनेंशियल ईयर की शुरुआत से आंध्र प्रदेश में 4,520 माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) बंद हो गए हैं, जिससे लगभग 48,477 कर्मचारियों की नौकरी चली गई है। एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि 30 जून, 2026 तक, आंध्र प्रदेश में 26.33 लाख एमएसएमई ने उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल और उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन कराया था।

मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 4,520 रजिस्टर्ड एमएसएमई बंद हो गए, जिससे इन यूनिट्स में काम करने वाले 48,477 लोगों की आजीविका छिन गई। साल-दर-साल के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024-25 में 1,401 एमएसएमई बंद हुए, जिनमें 1,388 माइक्रो एंटरप्राइजेज और 13 स्मॉल एंटरप्राइजेज शामिल थे। 2025-26 में बंद होने वाली यूनिट्स की संख्या तेजी से बढ़कर 2,407 हो गई, जिनमें 2,397 माइक्रो एंटरप्राइजेज और 10 स्मॉल एंटरप्राइजेज शामिल थे। 2026-27 के पहले तीन महीनों में, यानी 30 जून तक, 712 और एमएसएमई का कामकाज बंद हो गया, जिनमें 706 माइक्रो और छह स्मॉल एंटरप्राइजेज शामिल थे। इस दौरान किसी भी मीडियम एंटरप्राइजेज के बंद होने की जानकारी नहीं मिली। हालांकि, जवाब में सांसद द्वारा मांगी गई एमएसएमई के बंद होने की दरों की राष्ट्रीय तुलना नहीं दी गई, जबकि यह बताया गया कि आंध्र प्रदेश और देश के लिए तुलनात्मक डेटा उपलब्ध था। अनंतपुर और कुरनूल जिलों में ग्रेनाइट पॉलिशिंग यूनिट्स, एक्वाकल्चर प्रोसेसर्स और हथकरघा सहकारी समितियों जैसे खास सेक्टरों से जुड़ी चिंताओं पर, मंत्रालय ने यह संकेत नहीं दिया कि कोई अलग से जोखिम का आकलन किया गया था।

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश में मुश्किलों का सामना कर रहे एमएसएमई के लिए किसी खास राहत पैकेज या अलग से रीस्ट्रक्चरिंग सुविधा की घोषणा करने से भी इनकार कर दिया। इसके बजाय, इसमें 'क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' (सीजीटीएमएसई) के जरिए लागू मौजूदा क्रेडिट गारंटी स्कीम पर जोर दिया गया, जो योग्य माइक्रो और स्मॉल एंटरप्राइजेज को बिना किसी गारंटी (कोलेटरल-फ्री) के लोन लेने में मदद करती है।

प्रज्ञा ठाकुर की 'झाड़ू और कॉकरोच' वाली रहस्यमयी पोस्ट से राजनीतिक विवाद

भोपाल, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सोशल मीडिया पर एक प्रतीकात्मक पोस्ट करके विवाद खड़ा कर दिया है। इस पोस्ट में उन्होंने झाड़ू और कॉकरोच जैसे तीखे रूपकों का इस्तेमाल करते हुए राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधा है। एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में भोपाल की पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि जिन लोगों को कभी झाड़ू से साफ करके हटा दिया गया था, वे अब उसी झाड़ू के साथ मिल गए हैं, जिससे पूरे देश में भारी गंदगी फैल रही है।

ठाकुर ने अपनी पोस्ट में लिखा, जहां कॉकरोच मिलते थे, उन्हें झाड़ू से मारकर बाहर निकाल दिया जाता था। लेकिन अब जब झाड़ू ने कॉकरोचों से दोस्ती कर ली है, तो देश भर में भारी गंदगी फैल रही है। उनकी यह पोस्ट ऑनलाइन तेजी से वायरल हो गई अब देश के मालिकों को झाड़ू पर भरोसा नहीं करना चाहिए। कॉकरोचों को मारकर फेंकने का पक्का इंतजाम करें। देश को साफ़ रखें। हालांकि ठाकुर ने किसी राजनीतिक पार्टी का नाम साफ तौर पर नहीं लिया, लेकिन झाड़ू का ज़िक्र - जो आम आदमी पार्टी का चुनाव चिह्न है - इसे आम आदमी पार्टी पर सीधा हमला माना जा रहा है।

ठाकुर का भड़काऊ बयान देने का पुराना इतिहास रहा है, जिनसे अक्सर लोगों में भारी गुस्सा पैदा होता है। हाल ही में, भोपाल में दुर्गा वाहिनी के एक कार्यक्रम के दौरान वे विवादों में घिर गई थीं। एक वायरल वीडियो में उन्हें हिंदू माता-पिता से यह कहते हुए सुना गया था कि वे उन बेटियों के पैर तोड़ दें जो गैर-हिंदू (विधर्मी) पुरुषों के साथ संबंध बनाती हैं, और अगर वे सांस्कृतिक मूल्यों का अनादर करती हैं तो उन्हें शारीरिक सज़ा दें। समाज में बंटवारा करने वाले भाषण देने की इस आदत के कारण ठाकुर को पहले भी सत्ताधारी पार्टी के भीतर अपनी राजनीतिक स्थिति का नुकसान उठाना पड़ा है, भले ही उन्होंने 2019 में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को हराकर भोपाल सीट जीती थी।

जंतर-मंतर पर एफआरएस कैमरों से नजर

अभी भी 10 हजार लोग मौजूद, 3 हजार पुलिसकर्मी भी तैनात

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। देशभर के युवा और छात्र इस प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं, जिसे देखते हुए मौके पर भारी संख्या में पुलिसकर्मी और सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे को लेकर जमकर राजनीति भी हो रही है। इस बीच प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा में तैनात दिल्ली पुलिस के करीब 130 जवानों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

वहीं, करीब 65 छात्रों के भी जख्मी होने की बात कही जा रही है। प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं को लेकर पुलिस ने अब तक 15 एफआईआर दर्ज की हैं। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं, जिसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक जंतर-मंतर और इसके आसपास रोजाना औसतन करीब 10 हजार लोग मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इलाके में करीब 3 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पहुंचने वाले लोगों पर खास तौर से निगरानी रख रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) वाले कैमरों की मदद ली जा रही है।

बताया जा रहा है कि इन कैमरों के जरिए पुलिस ऐसे लोगों की पहचान कर रही है, जिनका पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और जो प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर पहुंच रहे हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से अब तक 2 हजार से ज्यादा ऐसे लोगों की पहचान की जा चुकी है, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और जो जंतर-मंतर पहुंचे हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: दिल्ली कोर्ट ने अनमोल बिश्नोई को मुंबई पुलिस की हिरासत में भेजने से किया इनकार

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की एक अदालत ने गैंगस्टर अनमोल लविंदरसिंह बिश्नोई को मुंबई पुलिस की हिरासत में सौंपने की अर्जी खारिज कर दी है। मुंबई की विशेष मकोका अदालत में क्राइम ब्रांच ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जांच टीम अभी दिल्ली और पंजाब में है। टीम के मुंबई लौटने के बाद अदालत में दिल्ली कोर्ट के आदेश की प्रति और विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाएगी। यह अंतरिम अनुपालन रिपोर्ट विशेष मकोका अदालत के 10 जुलाई के उस निर्देश के बाद दाखिल की गई, जिसमें जांच एजेंसी को अनमोल बिश्नोई समेत फरार आरोपियों की मुंबई अदालत में पेशी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कानूनी कदम उठाने को कहा गया था। जांच एजेंसी के मुताबिक, बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता माने जा रहे अनमोल बिश्नोई को पिछले वर्ष नवंबर में अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद एनआईए ने गिरफ्तार किया था।

फिलहाल वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। अभियोजन पक्ष ने 20 जुलाई को विशेष मकोका अदालत में अनमोल बिश्नोई के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी करने और दिल्ली की संबंधित अदालत को अनुरोध पत्र भेजने की मांग की थी। उसी दिन मुंबई की अदालत ने प्रोडक्शन वारंट और अनुरोध पत्र जारी कर दिया। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच के एंटी एक्सटॉर्शन सेल के पुलिस निरीक्षक अरुण थोराट के नेतृत्व में एक टीम 21 जुलाई को दिल्ली रवाना हुई। क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट के अनुसार, 22 जुलाई को पुलिस निरीक्षक अरुण थोराट ने नई दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के समक्ष मुंबई अदालत का अनुरोध पत्र पेश कर अनमोल बिश्नोई की हिरासत मुंबई पुलिस को सौंपने की मांग की।

हालांकि, दिल्ली अदालत ने यह अनुरोध स्वीकार करने से इनकार कर दिया। क्राइम ब्रांच ने विशेष मकोका अदालत को मामले के दो अन्य वांछित आरोपियों-मोहम्मद यासीन अख्तर उर्फ सिकंदर अली उर्फ मोहम्मद जमील उर्फ जीशान अख्तर तथा शुभम रामेश्वर लोनकर उर्फ शुभू के खिलाफ की गई कार्रवाई की भी जानकारी दी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 115 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.12 2083 रविवार, 26 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

एक्शन में दिल्ली पुलिस, सीजेपी के प्रदर्शन में दिए गए भाषणों की होगी जांच

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने के बाद जितने भी भाषण कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मंच से दिए गए हैं, दिल्ली पुलिस उन सभी की जांच करेगी। पुलिस की कोशिश यह पता लगाने की है कि क्या भाषण के जरिये प्रदर्शनकारियों को भड़काने की कोशिश की गई थी? दिल्ली पुलिस की ओर से बताया गया है कि प्रदर्शन में शामिल हुई मशहूर हस्तियों और नेताओं द्वारा दिए गए भाषणों की भी जांच होगी। पुलिस ने बताया है कि लगभग ढाई हजार लोग ऐसे हैं जो प्रदर्शन के बाद हुई हिंसा में शामिल पाए गए हैं। >14

काजपा का आंदोलन खत्म

* मान ली गई हैं हमारी सारी मांगें * जंतर-मंतर पर जश्न

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन आखिरकार खत्म हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को अपना आंदोलन तुरंत प्रभाव से वापस लेने का बड़ा एलान किया। यह घोषणा केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत के बाद हुई। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

बातचीत की टेबल पर क्या-क्या हुआ

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शनिवार को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीजेपी के सौरव दास शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का तीसरा दौर सकारात्मक रहा। वार्ता के तुरंत बाद सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धरना समाप्त करने की घोषणा की। पार्टी ने देश भर से आए प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की है। सौरव दास ने सरकार से बातचीत की सारी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर न केवल दिल्ली में बल्कि सभी भाजपा-शासित और भाजपा-सहयोगी राज्यों में वापस ली जानी चाहिए। यह हमारी दूसरी मांग थी। सरकार ने उस मांग को भी मान लिया है। साथ ही, इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने हमें भरोसा दिलाया है कि वह दर्ज सभी एफआईर की कॉपी शेयर करेगी। हमारी आखिरी जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 से 20 एफआईआर दर्ज की गई थीं और हमें किसी भी हाल में तीन से चार दिनों के भीतर वे कॉपी मिल जाएंगी। सरकार ने यह भी भरोसा दिलाया है कि इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। इसे समझते हुए, हमने सरकार के साथ एक ड्राफ्ट शेयर किया है, जो एक लिखित गारंटी है। >14

सरकार और सीजेपी के बीच इन मुद्दों पर बनी सहमति

- प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी केस वापस लिए जाएंगे।
- भविष्य में प्रदर्शनकारियों पर कोई एक्शन नहीं होगा।
- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, हमारी पहली मांग पूरी।
- मंगलवार तक लिखित गारंटी दी जाएगी।

'झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए'

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। इसको लेकर अब कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने प्रतिक्रिया दी है।

अभिजीत दीपके ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। और यह इस्तीफा इस बात का सबूत है कि अगर आप लोग डरते नहीं हैं, अगर आप लोग इस सरकार के सामने नहीं झुकते हैं, तो हम किसी का भी इस्तीफा स्वीकार कर सकते हैं। अभिजीत दीपके ने कहा, डरने की कोई जरूरत नहीं है। यह लोकतंत्र है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

> देश के युवाओं का सम्मान करता हूं

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के तीसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं।

> जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इसका राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर पर फोकस करें। इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र दिया है।
>
> *धर्मेंद्र प्रधान*

शिक्षा मंत्री का चार्ज प्रह्लाद जोशी को

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा के बाद शनिवार शाम करीब 8.15 बजे प्रधान के मंत्रालय का चार्ज प्रह्लाद जोशी को दे दिया गया है। जोशी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ऊर्जा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं।

पीएम से मेरी बातचीत का नतीजा : शरद पवार

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत अन्य दो मांगें मान लिए जाने के बाद जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने प्रदर्शन खत्म करने का एलान कर दिया है। इस बीच एनसीपी (एसपी) के नेता शरद पवार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। शरद पवार ने दावा किया कि उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की वजह बनी। शरद पवार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कहा कि उन्होंने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और सरकार के बीच सौहार्दपूर्ण संवाद स्थापित करने का प्रयास किया था। उन्होंने दावा किया कि इसी चर्चा के नतीजे के तौर पर शिक्षा मंत्री ने आज इस्तीफा दिया।

सोनम वांगचुक का बड़ा बयान : यह लोकतंत्र की जीत है

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देश भर में चल रहे आंदोलन को लेकर प्रसिद्ध पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने इस घटनाक्रम को भारत के लोकतंत्र और युवाओं के धैर्य की बड़ी जीत करार दिया है। सोनम वांगचुक ने देश के युवाओं और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रयासों की सराहना करते हुए लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है... सड़कों से निकला प्रत्यक्ष लोकतंत्र। यह शांति, धैर्य और निरंतरता की जीत है। वांगचुक ने आगे देश की युवा पीढ़ी और आम जनता को डर का त्याग करने के लिए धन्यवाद दिया (जीईएन जेड और सीजेपी को बधाई) उन्होंने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवाओं, सीजेपी और देश की 'जीईएन जेड' पीढ़ी को बधाई देते हुए उनके शांतिपूर्ण संघर्ष को सराहा। 'डर के डर से मुक्ति' : उन्होंने कहा कि यह जीत इसलिए संभव हो सकी क्योंकि देश के कोने-कोने से नागरिकों ने डर और 'डर के माहौल' को पीछे छोड़कर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई।

उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक खुद लद्दाख और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को लेकर अहिंसक और शांतिपूर्ण अनशन/प्रदर्शनों के समर्थक रहे हैं। जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद उनका यह बयान युवाओं के आंदोलन को एक बड़ा नैतिक और वैचारिक समर्थन माना जा रहा है।

छात्रों पर गर्व है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश की शिक्षा व्यवस्था को फिर से संवारने की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा कर छात्रों के आंदोलन की सराहना की। राहुल गांधी ने लिखा, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हमारी शिक्षा प्रणाली को फिर से संवारने की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। शाबाश देश भर के छात्रों, आप सभी पर गर्व है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, संविधान और अपने भविष्य की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर डटकर खड़े होने वाले हर युवा और छात्र को बधाई। राहुल गांधी ने कहा कि अभी दो मांगें बाकी हैं। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री छात्रों और भारत के भविष्य का सम्मान करते हुए माफी मांगें। साथ ही छात्रों पर हुई हिंसा के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

'नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें'

हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता : भागवत

> आज की पीढ़ी के बच्चों की परवरिश के लिए अलग तरीके की जरूरत है। इसमें आदेश देने के बजाय बातचीत पर ज्यादा जोर होना चाहिए।
>
> *मोहन भागवत, आरएसएस प्रमुख*

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पहले माता-पिता की बात ही अंतिम होती थी, लेकिन आज नहीं

मोहन भागवत ने कहा, पहले के समय में माता-पिता की बात बिना किसी सवाल के मान ली जाती थी। जब हम छोटे थे, तो माता-पिता जो कहते थे, वही अंतिम होता था। कोई बहस नहीं होती थी। श्रद्धा थी और प्रतिक्रिया भी नहीं होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है और उन्हें हर बात का तर्क बताना पड़ता है।

नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत है, उन्हें समय देने की जरूरत है और सबसे ज्यादा संवाद की जरूरत है। आज डिक्टेशन नहीं, डिस्कशन की जरूरत है। ऑर्डर नहीं, कॉन्शसनेस (जागरूकता) की जरूरत है। आज परिवारों में आपसी बातचीत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। बच्चों और युवाओं के साथ नियमित संवाद ही उन्हें सही दिशा दे सकता है। केवल आदेश देने से बात नहीं बनेगी, बल्कि परिवार और समाज को युवाओं के साथ समय बिताना होगा और उनकी बात भी सुननी होगी।

'छात्रों की गूंज से टूटी अहंकारी सत्ता मोदी देश के युवाओं से माफी मांगें'

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देश की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है।

खड़गे ने इसे देश के करोड़ों युवाओं, छात्रों और साझा विपक्ष की ऐतिहासिक जीत करार दिया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने ट्वीट में लिखा- भारत के 'छात्रों की गूंज' आख़िरकार अहंकारी सत्ता की दहलीज़ तक पहुंच गई। यह हमारे करोड़ों युवाओं की जीत है जिन्होंने देशभर में शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए सड़क पर आवाज़ उठाई। यह सत्य की जीत है और मोदी जी के हठ की हार है। खड़गे ने इस आंदोलन के दौरान अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया।

पीड़ित परिवारों को समर्पित जीत

उन्होंने कहा कि यह उन सभी परिवारों की जीत है जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है, क्योंकि यह सरकार भ्रष्टाचारी है। विपक्ष की एकजुटता : खड़गे ने रेखांकित किया कि यह संपूर्ण साझा विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हक में संसद से लेकर सड़क तक पुरजोर आवाज उठाई।

प्रधानमंत्री से माफी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधी मांग करते हुए कहा कि केवल शिक्षा मंत्री का इस्तीफा ही काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री मोदी देश की युवा पीढ़ी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही, प्रदर्शनकारी छात्रों और युवाओं पर लाठी-डंडे और पैलेट गन्स चलवाने वाले पुलिस अधिकारियों और दोषियों पर तुरंत कठोरतम कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाए।

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

दिल्ली से लेकर असम तक पाक के शहजाद भट्टी नेटवर्क के तार, 3 गिरफ्तार

गुवाहाटी, 25 जुलाई (एजेंसियां)। असम पुलिस ने पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में पूर्वोत्तर राज्य से तीन कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने यह कार्रवाई की। इस अभियान में धुबरी, चिरांग और बारपेटा जिलों की पुलिस ने भी मदद की। अधिकारी ने बताया, अभियान के दौरान एसटीएफ ने धुबरी, चिरांग और बारपेटा जिलों से एक-एक संदिग्ध को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में पांच मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है। पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर और आतंकवादी शहजाद भट्टी का नेटवर्क भारत में युवाओं को बरगलाने और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता रहा है। यह नेटवर्क भारत के कई राज्यों में फैल चुका है और सुरक्षा एजेंसियां इस पर लगातार शिकंजा कस रही हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई में इसी महीने छह जुलाई को शहजाद भट्टी के दो टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए 6 संदिग्धों को गिरफ्तार किया था।

इन संदिग्धों के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार, पिस्तौल और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। ये आरोपी सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों को निशाना बनाने और पंजाब से अवैध हथियार सप्लाई करने की साजिश रच रहे थे। इसके बाद 14 जुलाई को महाराष्ट्र के पुणे में एटीएस ने अभियान चलाकर 66 लोगों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके गिरोह के संपर्क में थे।

'फेक खबर के 400 से अधिक हैंडल की पहचान, युवती की मौत का दावा झूठा'

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को जंतर-मंतर प्रदर्शन से संबंधित गुमराह करने वाले वीडियो और पोस्ट को लेकर बड़ी जानकारी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों पर अपना पक्ष रखने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर कई भ्रामक खबरें फैलाई गई हैं। गुमराह करने वाले पोस्ट बड़े पैमाने पर साझा हुए हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल की बात कही है। झूठी खबर फैलाने वाले 400 से अधिक हैंडल की पहचान की गई है। इन हैंडलों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

महिला की मौत की खबर झूठी, सोनम वांगचुक का मिला फेक वीडियो

पुलिस को सोनम वांगचुक का भी एक झूठा वीडियो सोशल मीडिया पर मिला है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 20 जुलाई को किसी की भी मौत नहीं हुई थी। सेना की तैनाती की खबर भी पूरी तरह झूठी फैलाई गई थी।

पुलिस ने किया अफवाहों का खंडन

पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़ी कई अफवाहों का खंडन किया है। विशेष रूप से 20 जुलाई को किसी की मौत की खबर को गलत बताया गया। सेना की तैनाती की खबरें भी निराधार साबित हुई हैं। दिल्ली पुलिस ने इन झूठी सूचनाओं को फैलाने वालों पर नजर रखी है।

पाकिस्तानी कनेक्शन :

दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया के दुरूपयोग पर चिंता व्यक्त की है। भ्रामक खबरें और झूठे वीडियो साझा कर लोगों को गुमराह किया जा रहा था। पुलिस ने 400 से अधिक ऐसे हैंडल की पहचान की है। इन हैंडलों के माध्यम से गलत सूचनाएं फैलाई जा रही थीं। पुलिस ने नागरिकों से ऐसी खबरों पर विश्वास न करने की अपील की है। पीसी में आगे बताया कि पाकिस्तान से फेक अकाउंट बनाए गए। हमारी जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान से संचालित कुछ सोशल मीडिया अकाउंट फर्जी सामग्री फैला रहे हैं।

नीट प्रदर्शन : पत्रकारों पर हमले के बाद सीएम शुवेंदु का बड़ा एक्शन

> छह एफआईआर दर्ज, गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई

कोलकाता, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को नीट पेपर लीक प्रदर्शन में पत्रकारों पर हुए हमलें की निंदा की। उन्होंने हाल ही में पारित गुंडा अधिनियम के तहत उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विधानसभा में मुख्यमंत्री ने क्या कहा :

पश्चिम बंगाल विधानसभा में शुक्रवार को कोलकाता में वामपंथी छात्र संगठनों की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित विरोध रैली के दौरान पत्रकारों और फोटो पत्रकारों पर हुए हमले के संबंध में बयान देते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 70 लोगों की पहचान की गई है जो वहां मौजूद थे लेकिन उनका विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था।

कितने मामले दर्ज हुए :

इस मामले में कोलकाता पुलिस ने कुल छह एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के अनुसार, कई अपराधी छात्रों के प्रदर्शन में घुसपैठ कर गए थे और वे ही उस दिन हुई गुंडागर्दी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

जल्द कार्रवाई की दी आश्वासन :

उन्होंने उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके साथ ही कहा कि हाल ही में पारित गुंडा अधिनियम की धाराएं आरोपियों के खिलाफ लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपद्रवियों ने जूते और पानी की बोतलें फेंककर शुरूआत की और फिर उन्होंने पत्रकारों को निशाना बनाया क्योंकि पुलिस ने स्थिति को और बिगाड़ने के कई प्रयासों के बावजूद उनके जाल में नहीं फंसा।

पुलिस को क्या आदेश दिया गया था :

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य न्यायिक समिति के एक स्वघोषित सदस्य द्वारा घोषित संयुक्त कॉकरोज मार्च के बैनर तले, वामपंथी और अति-वामपंथी संगठनों ने शुक्रवार को एक रैली आयोजित की। मुख्यमंत्री ने कहा, एक लोकतांत्रिक देश में, कोई भी व्यक्ति कानून का पालन करते हुए और शांतिपूर्ण तरीके से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि जब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो जाए, तब तक कोई कार्रवाई न की जाए।

कोलकाता पुलिस को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि उपद्रवी चाहते थे कि पुलिस लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागकर बल प्रयोग करे और स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने दे, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें ऐसा अवसर नहीं दिया। अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए छह पत्रकारों का सरकारी अस्पतालों में इलाज किया गया, जबकि कई अन्य को मामूली चोटें आईं।

> एक लोकतांत्रिक देश में, कोई भी व्यक्ति शांतिपूर्ण तरीके से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को स्थापित कर सकता है। पुलिस को साफ निर्देश दिया गया था कि जब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो जाए, तब तक कोई कार्रवाई न की जाए
>
> *शुभेंदु अधिकारी, मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल*

सीनाजोरी कर रहे चीन की भारत ने बोलती कर दी बंद

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बीजिंग ने खुद किया कब्जा

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन के उस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया कि भारत चीन की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। इसके उलट विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग ही भारतीय इलाके पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा किए हुए है और नई दिल्ली के दावे वाले इलाकों में गतिविधियां कर रहा है। ये बयान तब आया जब चीन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बैठक का आधिकारिक ब्योरा जारी किया। इसमें कहा गया कि जयशंकर ने कहा कि ताइवान और तिब्बत पर भारत का रुख पहले जैसा ही है और नई दिल्ली चीन की संप्रभुता का सम्मान करती है।

नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा चीन की संप्रभुता का सम्मान किया है, लेकिन सीमा पर बीजिंग के कदमों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। जायसवाल ने कहा, जब संप्रभुता के मुद्दों की बात आती है, तो असल में भारत ही उन्हें उठाता रहा है। भारत किसी भी तरह से चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं करता है और इस मुद्दे पर उसका रुख हमेशा एक जैसा रहा है। इसकी तुलना में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन 1963 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि नई दिल्ली इन इलाकों में बीजिंग की गतिविधियों का लगातार विरोध करती रही है। भले ही चीन का आधिकारिक रुख उन इलाकों पर भारत के अधिकारों को मानता है, फिर भी बीजिंग वहां अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। जयसवाल ने कहा, चीन 1963 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारतीय इलाके पर गैर-कानूनी कब्जा किए हुए है, जबकि इन इलाकों पर भारत के अधिकार को खुद चीन भी आधिकारिक तौर पर मानता है।

उत्तर प्रदेश में निवेश मित्र 3.0 लॉन्च

> उद्योग मंजूरी अब रीयल-टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग के साथ

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए उद्योगों की मंजूरी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बना रही है। डीरेगुलेशन-2.0 के तहत सिंगल विंडो सिस्टम में प्रस्तावित सुधारों के अंतर्गत निवेश मित्र 3.0 में आवेदन से लेकर उद्योग में व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने तक की पूरी प्रक्रिया का रीयल टाइम मॉनिटरिंग तंत्र लागू कर दिया गया है।

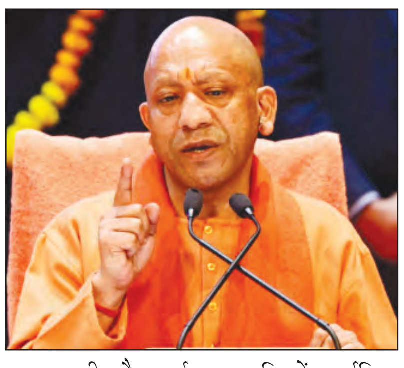

इसके माध्यम से निवेशकों की फाइल की पूरी यात्रा ऑनलाइन दर्ज होगी, जिससे लंबित मामलों, अनावश्यक आपत्तियों और विभागीय देरी की तत्काल पहचान संभव होगी।

डीरेगुलेशन-2.0 के तहत केंद्र सरकार ने राज्यों को सिंगल विंडो सिस्टम में एंड-टू-एंड टर्नअराउंड टाइम (टीएटी) की निगरानी, लंबित आवेदनों का विश्लेषण और अनावश्यक विलंब दूर करने की व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की थी। उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में पहल करते हुए निवेश मित्र 3.0 में यह सुविधा शुरू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत निवेशक की यात्रा इंटेंट फाइलिंग यानी निवेश प्रस्ताव दर्ज करने से शुरू होकर व्यावसायिक उत्पादन तक डिजिटल रूप से दर्ज होगी। प्रत्येक विभाग में आवेदन कितने समय तक लंबित रहा, किस स्तर पर आपत्ति लगी, कितनी बार अतिरिक्त जानकारी मांगी गई और स्वीकृति में कहां देरी हुई, इसका पूरा विवरण स्मार्ट डैशबोर्ड पर उपलब्ध रहेगा। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से केवल आवेदन निस्तारण की गति ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि यह भी स्पष्ट होगा कि किस विभाग या किस प्रकार की अनुमति में सर्वाधिक समय लग रहा है। बार-बार उठने वाली आपत्तियों और अस्वीकृति के कारणों का विश्लेषण कर संबंधित प्रक्रियाओं को और सरल बनाया जाएगा। निर्धारित समय से अधिक लंबित रहने वाले आवेदनों की तत्काल पहचान होने से अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे निवेशकों को विभिन्न विभागों के चक्कर भी कम लगाने पड़ेंगे। प्रदेश सरकार ने इस सुधार के लिए सिंगापुर के गोबिजनेस मॉडल को सर्वोत्तम उदाहरण माना है। वहां व्यवसाय पंजीकरण और लाइसेंस संबंधी सभी सेवाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से संचालित होती हैं।

औसत निस्तारण समय सार्वजनिक किया जाता है और उपयोगकर्ताओं की शिकायतों व प्रश्नों का विश्लेषण कर प्रक्रियाओं में लगातार सुधार किया जाता है। इसी मॉडल से प्रेरित होकर निवेश मित्र 3.0 को केवल ऑनलाइन आवेदन पोर्टल नहीं, बल्कि एक इंटेलिजेंट मॉनिटरिंग सिस्टम के रूप में विकसित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार स्मार्ट डैशबोर्ड के माध्यम से शासन स्तर पर भी नियमित समीक्षा संभव होगी, जिससे उद्योगों को मंजूरी देने की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह बनेगी। वहीं, निवेश प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति मिलने से उद्योग तेजी से उत्पादन शुरू कर सकेंगे।

छपरा में बेकाबू हुआ प्रदर्शन, भीड़ ने पुलिस वाहन फूंका

पथराव के बाद लाठीचार्ज डीएम ने संभाला मोर्चा

सारण, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का असर शनिवार को सारण जिले में भी व्यापक रूप से देखने को मिला। जिला मुख्यालय स्थित छपरा शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी छात्रों ने प्रदर्शन किया। हालांकि, नगर निगम क्षेत्र के नगरपालिका चौक, साहेबगंज, थाना चौक, डाक बंगला रोड, सदर अस्पताल चौक, दारोगा राय चौक, भरत मिलाप चौक और भगवान बाजार रोड पर प्रदर्शन सबसे अधिक उग्र हो गया।

पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज

इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें दोनों ओर से पथराव की घटना सामने आई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस के एक वाहन में आग लगा दी।

सिवान में हिंसक हुआ बिहार बंद, पथराव में एसपी पूरन झा घायल

भीड़ पर पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

सिवान, 25 जुलाई (एजेंसियां)। वामपंथी दलों की छात्र इकाइयों की ओर से बुलाए गए 'बिहार बंद' का राज्य के अलग-अलग हिस्सों में असर दिखाई दे रहा। पटना के वीआईपी इलाके को किले में तब्दील कर दिया गया है। भारी पुलिस फोर्स की तैनाती के बीच पटना के डाकबंगला चौराहे पर

एक बार फिर लाठीचार्ज हुआ। वाटर कैनन के साथ पुलिस मुस्तैद दिखी। समस्तीपुर और सिवान में प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दीं। इस दौरान, जुलूस निकाला गया और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। हालांकि, पटना से लेकर जहानाबाद तक पुलिस ने 'बिहार बंद' के मद्देनजर विशेष इंतजाम किए हैं। फिर भी कई जगहों पर छात्रों का प्रदर्शन दिखा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर समस्तीपुर और गया में आइसा और आरवाईए के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर रास्तों को जाम किया। रास्तों पर टायर जलाते हुए प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। आइसा से जुड़े एक कार्यकर्ता ने कहा, 'सरकार ने छात्रों को लाठी से कुचलने का प्रयास किया है। इसके विरोध में समस्तीपुर और बिहार के अन्य जिलों में चक्का जाम किया गया है। हमारी सभी से अपील है कि वे बिहार बंद को अपना समर्थन दें और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर आवाज बुलंद करें।' बिहार बंद से जुड़ी खबरें नवभारत टाइम्स के इस पेज पर आपको लाइव मिल रही है। ताजा जानकारी के लिए पेज को रिफ्रेश करते रहें।

बेतिया में बिहार बंद के दौरान स्थिति उस समय बेकाबू हो गई, जब लगभग 3,000 की संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों की पुलिस से तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते उग्र भीड़ ने पुलिस पर ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए, जिससे पूरे इलाके में भगदड़ और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हिंसक होती भीड़ को तितर-बितर करने और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए पुलिस को मजबूरी में लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस की कड़ी कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारी तितर-बितर हुए, जिसके बाद इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

आईफोन के लिए सड़क पर हाईवोल्टेज ड्रामा

पत्नी ने बॉडी बिल्डर पति के कपड़े फाड़े, कचहरी के बाहर हंगामा

मेरठ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के आपसी विवाद का हाईवोल्टेज ड्रामा सड़क पर देखने को मिला। कचहरी के बाहर आईफोन को लेकर हुए विवाद में पत्नी ने बॉडी बिल्डर पति के साथ मारपीट कर दी और उसके कपड़े फाड़ दिए। पति ने भी अपनी फटी हुई शर्ट पत्नी के मुंह पर फेंक दी। इस दौरान सड़क पर काफी देर तक हंगामा होता रहा और भीड़ तमाशबीन बनी रही।

आईफोन वापस मांगने को लेकर शुरू हुआ विवाद

बताया जा रहा है कि सोनम और संचित के बीच पहले से पारिवारिक विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। दोनों कचहरी के बाहर पहुंचे थे। इसी दौरान पत्नी ने शादी के बाद पति को दिए गए आईफोन को वापस मांग लिया। आईफोन को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर पत्नी ने पति का गिरेबां पकड़ लिया और उसके कपड़े फाड़ दिए। देखते ही देखते मामला सड़क पर पहुंच गया।

बॉडी बिल्डर पति को बीच सड़क पीटा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला ने बॉडी बिल्डर पति के साथ सड़क पर मारपीट की। उसके कपड़े फट गए। पति ने भी अपनी फटी हुई शर्ट पत्नी के मुंह पर फेंक दी। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और काफी देर तक हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। विवाद के बाद महिला युवक को लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने मामले की जानकारी ली और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के क्रिकेट ग्राउंड रोड की है। पति-पत्नी के बीच पहले से चल रहे विवाद के बीच सड़क पर हुए इस हंगामे का वीडियो भी सामने आने की बात कही जा रही है।

यूपी में युवक की रीलबाज तीन दुल्हनों में एक नाबालिग

कोर्ट की नोटिस पर बोलीं-हम चारों जान दे देंगे

अमरोहा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के अमरोहा में एक ही दूल्हे से शादी करने वाली तीन दुल्हनों की कहानी में नए विवाद ने एंट्री ले ली है। सबसे छोटी दुल्हन की उम्र 15 साल निकली है। बाल कल्याण समिति ने पुलिस से 3 दिन में रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद तीनों ने वीडियो जारी कर सुसाइड करने की धमकी दी। कहा- अगर हम शिकायत करने पर आए तो गांव के आधे से ज्यादा परिवार गिरफ्तार हो जाएंगे। गांव में छोटी-छोटी लड़कियों की शादी हुई है और अब उनके बच्चे भी हैं। अगर हम पर कोई एक्शन हुआ तो पति और हम तीनों बहनें जान दे देंगे।

19 साल बाद कोर्ट में पेश हुए पूर्व शाही इमाम बुखारी

आचार संहिता उल्लंघन मामले में जारी एनबीडब्ल्यू निरस्त

मुजफ्फरनगर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ष 2007 में विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले में दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम रहे सैय्यद अहमद बुखारी शुक्रवार को करीब 19 साल बाद मुजफ्फरनगर की मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट (सीजेएम) अदालत में पेश हुए। कोर्ट ने पूर्व शाही इमाम की तरफ से दाखिल एनबीडब्ल्यू निरस्त करने की अर्जी स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए 24 अगस्त की तारीख तय की है।

2007 में दर्ज हुआ था आचार संहिता उल्लंघन का केस

वर्ष 2007 के यूपी में विधानसभा चुनाव के दौरान खतौली में यूडीएफ प्रत्याशी शाकिर अली के चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे अहमद बुखारी का हेलीकॉप्टर प्रशासन की अनुमति के विपरीत दूसरी जगह उतरा था। इस मामले में अहमद बुखारी के साथ ही शाकिर अली और मोहम्मद इनाम कुरैशी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ था। सुनवाई के दौरान लगातार गैरहाजिर रहने पर सीजेएम कोर्ट ने गैर-जमानती वॉरंट जारी किया था।

बिना अनुमति दूसरी जगह उतारा था हेलिकॉप्टर

इस मामले को लेकर सैय्यद अहमद बुखारी के वकील कैलाश सिंह ने बताया कि यह मामला 2007 के विधानसभा चुनाव का है। उस समय खतौली विधानसभा से शाकिर अली प्रत्याशी थे। वकील ने बताया कि शाकिर अली के चुनाव प्रचार के लिए इमाम साहब आए थे। आरोप था कि प्रशासन की अनुमति के विपरीत दूसरी जगह पर पायलट ने हेलिकॉप्टर उतार दिया था। वकील ने बताया कि इस मामले में इनाम और शाकिर पहले ही कोर्ट आ चुके थे। कोर्ट द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के संबंध में सैय्यद अहमद बुखारी मुजफ्फर नगर पहुंचे थे।

नियमों की अनदेखी कर मुख्तार अंसारी के करीबी को दिया शस्त्र लाइसेंस

कोतवाल-लेखपाल सहित तीन पर केस

गाजीपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी के आईएस 191 गैंग से जुड़े लोगों के आर्म्स लाइसेंस की जांच को लेकर पुलिस ताबड़तोड़ एक्शन कर रही है। लाइसेंस की जांच में लगातार गड़बड़ियां प्रकाश में आ रही है। इस मामले में चल रही जांच के दौरान फर्जी पते पर आर्म्स लायसेंस देने के मामले में मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़े मोहम्मद शाहिद मोहम्मदाबाद के तत्कालीन थाना प्रभारी और क्षेत्रीय लेखपाल के खिलाफ धोखाधड़ी षड्यंत्र रचने के आरोप लगे हैं।

मामले में इन सभी पर आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बताते चले कि इस इसी तरह के आरोप के आधार पर समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी पर भी केस हुआ है। अफजाल अंसारी मुख्तार अंसारी के बड़े भाई हैं। इसके अलावा मुख्तार की पत्नीअफशां अंसारी पर भी शस्त्र लाइसेंस में हेराफेरी के आरोप के बिनाह पर केस दर्ज किया गया है।

516 लाइसेंस के शास्त्रों का भौतिक सत्यापन

कलेक्ट्रेट में शस्त्र अनुभाग के चार बाबू(क्लर्क)के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस मुख्तार अंसारी और उसके घर वालों और अन्य सहयोगियों को जारी 516 लाइसेंस के शास्त्रों का भौतिक सत्यापन कर रही है। इसके लिए एसपी सिटी और एसपी ग्रामीण की अगुवाई में अलग-अलग टीम गठित की गई है। जांच में पता चला की मूल रूप से सैदपुर के रहने वाले मोहम्मद शाहिद 1999 से 2015 तक पुरानी कचहरी मंगल बाजार यूसुफपुर मुहम्मदाबाद में किराए के मकान में रहता था।

सरकारी स्कूल से फर्जीवाड़ा!

जन्मतिथि बदलकर आरोपी को नाबालिग बनाया, प्रधानाध्यापक पर एफआईआर

पूर्वी चंपारण, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मोतिहारी में बच्चों को शिक्षा और संस्कार देने की जिम्मेदारी निभाने वाले एक सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर अब एक बालिग आरोपी को नाबालिग साबित कर कानून की गिरफ्त से बचाने की कोशिश का गंभीर आरोप लगा है। किशोर न्याय परिषद में सुनवाई के दौरान जन्मतिथि में कथित हेरफेर का मामला सामने आने के बाद किशोर न्याय परिषद के बेंच क्लर्क नरेंद्र कुमार सिंह के आवेदन पर मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले ने शिक्षा विभाग और न्यायिक प्रक्रिया दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आरोपी की उम्र का सत्यापन किया जा रहा था

जानकारी के अनुसार, किशोर न्याय परिषद में एक आपराधिक मामले के आरोपी अखिलेश कुमार की उम्र का सत्यापन किया जा रहा था। आरोपी की ओर से राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बैरिया का स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) प्रस्तुत किया गया। इसके समर्थन में आरोपी के पिता ने शपथ पत्र भी दाखिल किया है। वहीं, विद्यालय के वर्तमान प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार न्यायालय में उपस्थित हुए और बयान दिया कि अखिलेश कुमार का नामांकन 14 सितंबर 2011 को कक्षा तीन में हुआ था तथा विद्यालय के नामांकन पंजी में उसकी जन्मतिथि 12 अप्रैल 2003 दर्ज है।

लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई

सुनवाई के दौरान जब न्यायालय ने प्रस्तुत स्थानांतरण प्रमाण पत्र का मिलान विद्यालय के मूल अभिलेखों से कराया, तो प्रथम दृष्टया बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया। आरोप है कि स्थानांतरण प्रमाण पत्र में जन्म वर्ष 2003 को बदलकर 2008 कर दिया गया, ताकि आरोपी को नाबालिग घोषित कर किशोर न्याय अधिनियम का लाभ दिलाया जा सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए किशोर न्याय परिषद के बेंच क्लर्क नरेंद्र कुमार सिंह ने मुफस्सिल थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपी को अनुचित लाभ पहुंचाने जैसी धाराओं में की गई कार्रवाई

जांच का केंद्र इस बात पर है कि जन्मतिथि में कथित हेरफेर किसके निर्देश पर और किन लोगों की मिलीभगत से की गई। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित लोगों के खिलाफ फर्जी दस्तावेज तैयार करने, न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और आरोपी को अनुचित लाभ पहुंचाने जैसी गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जा सकती है।

अलीगंज अग्निकांड : 15 लोगों की जान लेने वाली इमारत पर चला बुलडोजर

एलडीए ने शुरू कराया ध्वस्तीकरण

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में पिछले महीने भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत का कारण बनी चार मंजिला इमारत का शनिवार को ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने भारी पुलिस बल और मशीनरी की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू की।

इस दौरान भवन स्वामी की ओर से कार्रवाई को नियमों के विरुद्ध बताते हुए इसका विरोध किया गया। एलडीए की टीम शनिवार को बुलडोजर और हाइड्रोलिक मशीन और अधिकारियों-कर्मचारियों के दल के साथ मौके पर पहुंची। ध्वस्तीकरण अभियान शुरू करने से पहले पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई और आसपास की सड़कों पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात रोक दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए। एलडीए अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भवन को अवैध निर्माण और अग्नि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामलों में ध्वस्त किए जाने का आदेश दिया गया था। प्राधिकरण का कहना है कि भवन स्वामी को निर्माण हटाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। निर्धारित अवधि में कार्रवाई पूरी नहीं होने पर एलडीए ने स्वयं ध्वस्तीकरण शुरू कराया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि प्राधिकरण को पूरी कार्रवाई करनी पड़ी तो इसका खर्च भी भवन स्वामी से वसूला जाएगा। ध्वस्तीकरण के दौरान भवन स्वामी वीरेंद्र शुक्ला की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र शुक्ला मौके पर पहुंचे और कार्रवाई पर आपत्ति जताई।

अयोध्या राम मंदिर में वीआईपी पास मिलने में दर्शनार्थियों को आ रही दिक्कतें

अयोध्या, 25 जुलाई (एजेंसियां)। चढ़ावा राशि चोरी प्रकरण के बीच राम मंदिर ट्रस्ट महासचिव रहे चंपत राय,पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्र के इस्तीफे और गोपाल राव को मंदिर के बाहर कर दिए जाने के बाद इनकी वीवीआईपी दर्शन पास जारी करने आईडी सस्पेंड कर दी गई है।

लेकिन इनकी जगह पर ट्रस्ट ने अन्य किसी को आईडी पासवर्ड जारी नहीं किया है। तीनों का हर स्लाट में पास जारी करने का कोटा निर्धारित था। मंदिर ट्रस्ट की दो बैठकें इस बीच हो चुकी हैं, लेकिन ट्रस्ट के अन्य सदस्य को आईडी जारी नहीं की गई है। मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि इस समय ट्रस्ट की ओर से सस्पेंड आईडी की जगह किसी अन्य को अधिकृत नहीं किया गया है।

अवैध ब्रेकर से गई युवक की जान

> परिजनों ने पूछा किसने बनवाया और क्यों हटाया?
> आईजीआरएस से भी नहीं मिला जवाब

गाजियाबाद, 25 जुलाई (एजेंसियां)। साहिबाबाद के कॉलोनी में अवैध तौर पर बनाए गए ब्रेकर से 7 जून भोपुरा निवासी राहुल कुमार (34) की मौत हो गई थी। हादसे के एक दिन बाद पुलिस जांच में इसका खुलासा हुआ था। इसके बाद

बढ़ गई है। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर दो स्थित आरएम ब्लॉक सोसायटी के सामने सात जून की देर रात हुए हादसे में घायल टीलामोड़ के भोपुरा निवासी राहुल कुमार (34) की मौत हो गई थी। वहीं, ब्रेकर की बात परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस और नगर निगम से भी की। परिजनों ने कॉलोनी में बिना मानकों के बनाए गए ब्रेकर पर भी सवाल उठाए थे लेकिन आज तक उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई।

बाद में परिजनों ने मामले की शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर की तो वहां जो जवाब मिला वो हैरान करने वाला है। आईजीआरएस पर किए गए सवालों के जवाब की जगह निगम अधिकारियों ने बताया कि यह जानकारी आईजीआरएस के माध्यम से देना उपयुक्त नहीं है। निगम अधिकारियों के इस जवाब से परिजनों में व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी तब सामने आई जब पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। युवक के परिजनों का आरोप है कि ब्रेकर सोसायटी आरडब्ल्यूए ने बनवाया था।

मृतक के साले सुमित कुमार का कहना है कि मामले में वह लोग केवल इतना जानना चाहते थे कि यह ब्रेकर किसके कहने पर किसने बनवाया और क्या यह मानकों के मुताबिक बनाया गया था। उन्होंने बताया कि पहले पुलिस और निगम अधिकारी से मौखिक शिकायत करने के बावजूद जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने 10 जुलाई को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी।

विभागीय ढिलाई से चल रहा नकली दवाओं का कारोबार

128 एफआईआर, सिर्फ एक निलंबन

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में हर दिन कहीं न कहीं नकली दवाओं की खेप मिल रही है। इस पूरे नेटवर्क में कहीं न कहीं विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। कोडीन मामले में भी कई अफसरों की लापरवाही मिली थी, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम तभी सक्रिय होती है, जब निजी कंपनियों की ओर से उनके कारोबार के प्रभावित होने की शिकायत की जाती है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल से नकली दवाएं पूरे प्रदेश में फैल चुकी हैं।

नारकोटिक्स दवाएं भी भरपूर बेची जा रही

कुछ ऐसा ही हुआ था कोडीन कफ सीरप के मामले में भी। दिसंबर 2025 से जनवरी, फरवरी 2026 में चले जांच अभियान में आगरा, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर सहित सभी शहरों में धड़ल्ले से कोडीन सीरप के पहुंचने की पुष्टि हुई। इतना ही नहीं नारकोटिक्स दवाएं भी भरपूर बेची जा रही है। यूपी के रास्ते दूसरे राज्यों और नेपाल व बांग्लादेश तक दवाएं जाने की जानकारी एफएसडीए को मिली। इतना ही नहीं एफएसडीए आयुक्त के आदेश को भी सहायक आयुक्त ने धता बता दिया। इसके बाद भी किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। पूरे अभियान के दौरान करीब 128 एफआईआर दर्ज हुए, 35 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई और मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई। विभागीय कार्रवाई देखें तो सिर्फ अमेठी के इंस्पेक्टर कमलेश मिश्रा को निलंबित किया गया। केस 1 - एफएसडीए आयुक्त ने कानपुर के सहायक आयुक्त दिनेश कुमार तिवारी को फर्मों की जांच कराने का निर्देश दिया। माहभर बाद भी फर्मों की जांच नहीं कराई गई तो मुख्यालय से गठित टीम ने जांच किया। मौके पर कोडीन कफ सीरप व अन्य नारकोटिक्स श्रेणी की दवाएं मिलीं। आयुक्त ने सहायक आयुक्त को मुख्यालय से संबद्ध करते हुए आठ दिसंबर 2025 को नोटिस जारी किया। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

केस 2 - कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध खरीफ बिक्री के मामले में वाराणसी के शैली ट्रेडर्स सहित कई फर्म सिर्फ कागजों पर मिलीं। शैली ट्रेडर्स ने वाराणसी की 126 फर्म को कोडीन सिरप की आपूर्ति की थी। वर्ष 2019 से 2025 तक यहां थोक के 89 लाइसेंस जारी किए गए थे। छह साल के दौरान वाराणसी में तैनात रहे सहायक आयुक्तों और ड्रग इंस्पेक्टरों की भूमिका की भी जांच कराने की बात कही गई, लेकिन नतीजा सिफर रहा।

केस 3 - गोंडा में बिना वैध अनुमति के गोदाम में कोडीन सिरप पाए गए। यहां करीब 1.13 करोड़ की सिरप सीज की गई। इसके बाद भी यहां तैनात अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नकली दवाओं का नेटवर्क भी खत्म किया जाएगा

एफएसडीए उप आयुक्त शशि मोहन गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की सक्रियता का नतीजा है कि कोडीन कफ सीरप नेटवर्क तोड़ दिया गया है। नकली दवाओं का नेटवर्क भी खत्म किया जाएगा। जहां तक कार्रवाई की बात है तो यह शासन स्तर से होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

रविवार, 26 जुलाई, 2026 5

मेरा हैदराबाद

सुविचार: अगर आराम करने का मौका मिल जाए तो करलो, पता नहीं आगे वक्त कैसा आएगा।

मंत्री सीतक्का ने ग्रामीण सड़क निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. दानासारी अनुसूया सीतक्का ने कहा कि तेलंगाना सरकार उन्नत हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल (एचएम) को अपनाकर शहरी सड़क मानकों के बराबर ग्रामीण सड़कों के निर्माण में तेजी ला रही है। शनिवार को सचिवालय में पंचायत राज के विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर, इंजीनियर-इन-चीफ जोगा रेड्डी और मुख्य इंजीनियरों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने राज्य भर में ग्रामीण एचएएम सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए सीतक्का ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की परिकल्पना प्रत्येक गांव को गुणवत्तापूर्ण सड़क संपर्क प्रदान करने की है। एचएएम मॉडल के तहत, पंचायत राज विभाग तेलंगाना भर के 6,703 गांवों को कवर करते हुए 18,472 किलोमीटर सड़कों के निर्माण और उन्नयन का कार्य कर रहा है। पहले चरण में सरकार 2,678 गांवों में 7,450 किलोमीटर सड़कों के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के 90 प्रतिशत कार्य मौजूदा सड़कों के उन्नयन पर केंद्रित हैं। इसके अलावा, दशकों से सड़क संपर्क से वंचित 179 गांवों को पहली बार 934 किलोमीटर नई बिटुमिनस (बीटी) और सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़कें मिलेंगी। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना द्वारा एचएएम मॉडल के कार्यान्वयन ने देशव्यापी ध्यान आकर्षित किया है, जिससे सरकार को व्यापक परिचालन दिशानिर्देश तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से आवश्यक अनुमोदन अगले सप्ताह तक प्राप्त हो जाएंगे और अधिकारियों को 15 अगस्त तक सभी अनुबंध समझौतों को पूरा करने का निर्देश दिया। सीतक्का ने ठेकेदारों को अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद काम शुरू करने का निर्देश दिया और कहा कि उन्हें निविदाएं प्राप्त करने के दौरान जिस उत्साह का प्रदर्शन किया था, उसी उत्साह के साथ परियोजनाओं को पूरा करना चाहिए। उन्होंने ठेकेदारों से आग्रह किया कि वे कार्यों को अपनी जिम्मेदारी समझें और समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पहले एक लेन वाली बनी सड़कों को उच्च गुणवत्ता वाले मानकों के अनुरूप बनाया जाए ताकि भारी वाहन भी चल सकें। देरी से बचने के लिए, सीतक्का ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जिला कलेक्टरों को तत्काल परिपत्र जारी कर भूमि अधिग्रहण और जहां भी आवश्यक हो, वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया में तेजी लाएं।

अपार्टमेंट की छत से कूदने के बाद मेडिकल छात्रा की मौत

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को नागारम में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग की छत से कथित तौर पर कूदने के बाद 26 साल की मेडिकल पोस्टग्रेजुएट छात्रा की मौत हो गई।

दीक्षिता (26) नाम की इस छात्रा ने एमबीबीएस पूरा कर लिया था और वह बेंगलुरू के सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज से पोस्टग्रेजुएट मेडिकल की पढ़ाई कर रही थी। वह पिछले हफ़्ते ही हैदराबाद लौटी थी और नागारम के वेस्ट गांधी नगर में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, दीक्षिता शुक्रवार शाम अपार्टमेंट की छत पर गई और कथित तौर पर बिल्डिंग से कूद गई। उसे गंभीर चोटें आईं और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दीक्षिता यादाद्री भुवनगिरी ज़िले के बोम्मलारामाराम मंडल के मैलाराम गांव की रहने वाली थी और उसका परिवार बाद में हैदराबाद में बस गया था। उसके पिता आनंद की शिकायत के आधार पर, कीसारा पुलिस ने मामला दर्ज किया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। संदिग्ध आत्महत्या के पीछे की असल वजह का अभी पता नहीं चल पाया है।

मां ही परिवार की वास्तविक मुख्य कार्यकारी अधिकारी : राज्यपाल

युवाओं से सामाजिक माध्यमों के दुष्प्रभाव से दूर रहने का आह्वान

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि परिवार का कुशल संचालन करने वाली मां ही परिवार की वास्तविक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) होती है। उन्होंने कहा कि लेखक भोगाड़ी उदयमूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'द सीईओ शी नेवर न्यू शी वाज़' समाज के सामने एक प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत करती है। राज्यपाल शनिवार को लोक भवन स्थित 'संस्कृति' सामुदायिक सभागार में आयोजित पुस्तक 'द सीईओ शी नेवर न्यू शी वाज़' के लोकार्पण समारोह तथा हैदराबाद स्टार्टअप इकोसिस्टम पुरस्कार-2026 वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छी पुस्तकों का अध्ययन व्यक्तित्व विकास और विचारों की परिपक्वता का आधार है। भारतीय संस्कृति में वर्णित 'पुस्तकं हस्तभूषणम' की भावना को प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ा है, ऐसे में युवाओं को समय नष्ट करने वाली बुरी सामाजिक माध्यमों की आदतों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसका विवेकपूर्ण और सकारात्मक उपयोग आवश्यक है। यदि युवाओं में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति विकसित होगी तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। उन्होंने लेखक भोगाड़ी उदयमूर्ति को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक पाठकों को नई सोच प्रदान करेगी तथा उन्हें भविष्य में भी मूल्यपरक साहित्य की रचना के लिए प्रेरित करेगी। राज्यपाल के विशेष प्रधान सचिव एम. दान किशोर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मां को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और उन्हें देवी के समान सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का शीर्षक उन्हें अत्यंत प्रभावित करने वाला है तथा मां की महत्ता को रेखांकित करने के लिए लेखक की सराहना की।

उन्होंने हैदराबाद स्टार्टअप इकोसिस्टम पुरस्कार-2026 के सभी पुरस्कार विजेताओं को भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 16 प्रतिभागियों को हैदराबाद स्टार्टअप इकोसिस्टम पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया। समारोह में तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष तारिक अंसारी, तेलंगाना राज्य यादव सहकारी निगम के अध्यक्ष माराबोयिना रघुनाथ यादव, राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी शेषगिरि राव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केटीआर को निशाना बनाने के लिए कांग्रेस-भाजपा गठजोड़ बीआरएस ने लगाया आरोप

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता मन्ने कृशांक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार नीट पेपर लीक मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए संयुक्त रूप से बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) को निशाना बना रहे हैं। शनिवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कृशांक ने दावा किया कि केटीआर पर प्रदर्शनकारी युवाओं का समर्थन करने के कारण हमले किए जा रहे हैं और उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर झूठे आरोप फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने केटीआर को ग्लोबरीना से जोड़ने वाले दावों को भी खारिज करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान कंपनी के साथ उनके व्यापारिक संबंध थे। उन्होंने बताया कि जब कांग्रेस सरकार ने 2012 में सूचना एवं प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था, तब एन किरण कुमार रेड्डी मुख्यमंत्री थे, और इस कार्यक्रम को ग्लोबरीना ने प्रायोजित किया था। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन से पहले भी कांग्रेस सरकार के ग्लोबरीना के साथ संबंध थे।

संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त संघर्ष जरूरी : शब्बीर अली

नई दिल्ली, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने कहा है कि संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कमजोर वर्गों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दे केवल मुसलमानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सभी समुदायों के नागरिकों को प्रभावित करते हैं। शनिवार को संविधान क्लब में आयोजित राष्ट्रीय परामर्श बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में शब्बीर अली ने कहा कि अन्याय के विरूद्ध संघर्ष समावेशी होना चाहिए और इसमें दलितों, सिखों, ईसाइयों तथा अन्य कमजोर वर्गों को भी साथ लेकर चलना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित दस्तावेजों में सहायता के लिए कांग्रेस द्वारा स्थापित सहायता केंद्र सभी पात्र नागरिकों के लिए खुले हैं, चाहे उनका धर्म या जाति कोई भी हो।

बैठक में पारित 'भारत में मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा संबंधी नई दिल्ली घोषणा' में आठ सूत्रीय प्रस्ताव स्वीकार किया गया। इसमें संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, छात्र प्रदर्शनकारियों के विरूद्ध पुलिस कार्रवाई की न्यायिक जांच, जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने, अल्पसंख्यक संस्थानों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, समान नागरिक संहिता का संवैधानिक आधार पर विरोध, मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न पर कार्रवाई तथा भारतीय मुसलमानों से जुड़े मुद्दों पर कानूनी और संवैधानिक उपायों के लिए 51 सदस्यीय निगरानी समिति के गठन की मांग की गई।

सिंचाई टैंक से मछुआरे का शव निकाला गया

आदिलाबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को कोल्हारी गांव में सिंचाई टैंक में मछली पकड़ते समय गलती से डूबने वाले एक मछुआरे का शव शनिवार को टैंक से निकाला गया। पुलिस ने बताया कि चौरिया अरुण (48) का शव माहिर गोताखोरों ने टैंक से निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए बोथ के अस्पताल भेजा गया। अरुण आठ अन्य लोगों के साथ मछली पकड़ रहा था, तभी वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत शव को खोजने के लिए ऑपरेशन शुरू किया।

संत रविदास महाराज ने समरसता और भक्ति का मार्ग दिखाया : राव

भाजपा ने 650वीं जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को संत रविदास महाराज के जीवन और उनके महान योगदान के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्ग में जन्म लेने के बावजूद संत रविदास महाराज ने अपनी भक्ति, अध्यात्म और ज्ञान से पूरे राष्ट्र का मार्गदर्शन किया। शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने संत रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत रविदास महाराज ने भक्ति आंदोलन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामचंद्र राव ने कहा कि संत रविदास ने जीवनभर जातिगत भेदभाव का विरोध किया तथा समाज को समानता, सामाजिक समरसता और भक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महान कृष्णभक्त संत मीराबाई ने संत रविदास महाराज को अपना गुरु स्वीकार कर उनकी शिष्या बनकर उनकी आध्यात्मिक महानता का

प्रमाण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते धर्मांतरण के प्रयासों के बीच हिंदू समाज के महान संतों और महापुरुषों के योगदान से लोगों को अवगत कराना आवश्यक है। संत रविदास जैसे महापुरुषों ने समाज को जोड़ने और एकता स्थापित करने का कार्य किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सामाजिक समरसता, एकता और सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जनआंदोलन की भावना के साथ कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रमों में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा संत रविदास महाराज के संदेश को प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा सांसद रेखा शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एस. कुमार, भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कांति किरण, पूर्व विधायक कोंडेटी श्रीधर, वरिष्ठ नेता चिंता संबमूर्ति, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व सदस्य के. रामुलु सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वर चाहिए

34 वर्षीय तलाकशुदा मारवाड़ी कन्या, हैदराबाद निवासी, अच्छे परिवार से वर की तलाश (जाती बंधन नहीं) कृपया शीघ्र संपर्क करें: (080-69070605)

वर चाहिए

राजस्थानी अग्रवाल 26 वर्षीय शिक्षित कन्या, हैदराबाद निवासी परिवार को शिक्षित परिवार से वर की तलाश ! अग्रवाल एवं जैन परिवार स्वीकार हैं। संपर्क : (080-69070605) M

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Waseem Fatima (Old Name) Residing at 12-2-422/56 Telangana, here by declare that I have changed my name as Vaseem Unisa Begum (New Name) (Aadhar Card) W/o Khaja Meraj Uddin.

FOR SALE

H.No;5-9-22/79, Adarsh Nagar Hyder-abad.Area 465sq yard with Old House 4BHk, 1700sft Cell No: 9948190210. 9392505259

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नाबालिग लड़की का मामा और दो रिश्तेदारों ने यौन उत्पीड़न किया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कीसारा में गांजे के नशे में धुत मामा और दो युवा रिश्तेदारों ने कथित तौर पर 13 साल की लड़की के साथ यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के अनुसार, लड़की के माता-पिता का निधन हो चुका था, जिसके बाद वह कीसारा में अपनी दादी के साथ रह रही थी। वह तुर्कापल्ली के एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है।

पुलिस ने बताया कि कुछ हफ़्ते पहले जब लड़की घर पर अकेली थी, तब उसके मामा और उससे जुड़े दो युवकों ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। घटना के समय संदिग्ध कथित तौर पर गांजे के नशे में थे। तीनों ने कथित तौर पर पीड़िता को इस बारे में किसी को न बताने की धमकी दी थी। यह घटना तब सामने आई जब पीड़िता ने अपने रिश्तेदारों से बातचीत के दौरान यौन उत्पीड़न के बारे में बताया। इसके बाद कीसारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

बीएनएस कानून और पाक्सो एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है, जबकि फरार चल रहे अन्य दो लोगों का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

के. समृद्धि यादव

माता : के. सोनाली

पिता : के. मंजित

सऊदी अरब पर भरोसा या आत्मघाती कदम?

'हाउस ऑफ सऊद' और इजरायल की डील पर उठे गंभीर सवाल

तेल अवीव, 25 जुलाई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौता करने का ऐलान किया है। इसे सऊदी अरब के एक्सपर्ट एक बड़े खतरे के तौर पर देख रहे हैं। इजरायली एक्सपर्ट्स का कहना है कि सऊदी अरब के साथ इजरायल जो संबंध को सामान्य करने की कोशिश कर रहा है वो महज एक जियो-पॉलिटिकल उत्साह हो सकता है। ये एक रणनीतिक जोखिम साबित हो सकता है। इजरायली एक्सपर्ट्स का कहना है कि ट्रंप ने सऊदी को इजरायल को मान्यता देने के लिए कहा है और इजरायल ने सऊदी से रिश्ते सामान्य करने की बात हो रही है।

लेकिन देश को अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करने वाली चुनौतियों से बचाने की जिम्मेदारी संभालने वाले इजरायली सुरक्षा योजनाकारों के लिए यह प्रस्ताव कूटनीतिक आशावाद के बजाय ठंडे दिमाग से किए गए विश्लेषण और बारीकी की मांग करता है। सऊदी अरब के लिए घरेलू परमाणु क्षमताओं को मंजूरी देना चाहे वह फ्यूल साइकिल पर नियंत्रण, देश में ही यूरेनियम संवर्धन या सरकार की तरफ से संचालित रिएक्टर सुविधाओं के जरिए हो, रक्षा नीति से एक ऐसा बदलाव है जिसे सही नहीं ठहराया जा सकता।

डोनाल्ड ट्रंप सउदी अरब के शासक और नेतन्याहू

इजरायली डिफेंस एक्सपर्ट एमी अयूब ने लिखा है कि इजरायल का लंबे समय से यह मानना रहा है कि अपने आस-पास के इलाकों में परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना एक बेहद जरूरी रणनीतिक जरूरत है जिस पर आर्थिक या कूटनीतिक लाभों के बावजूद कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने लिखा है कि 'बेगिन डॉक्ट्रिन' एक अटल सिद्धांत है जिसके तहत किसी भी ऐसे क्षेत्रीय देश को बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाले हथियार या उन्हें बनाने की दोहरे इस्तेमाल वाली औद्योगिक क्षमता हासिल करने की इजाजत नहीं दी जा सकती जहां ढांचागत राजनीतिक अस्थिरता हो या भविष्य में दुश्मनी की आशंका हो। सऊदी अरब की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इस मानक को छोड़ना क्षेत्र में शक्ति के संतुलन को हमेशा के लिए बिगाड़ देगा। हालांकि कूटनीतिक पैरोकार यह तर्क देते हैं कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा उपाय प्रसार के जोखिमों को कम कर सकते हैं लेकिन इतिहास यह दिखाता है कि तकनीकी सुरक्षा उपाय प्रशासनिक व्यवस्थाएं हैं जो स्थिर राजनीतिक माहौल के लिए बनाई गई हैं। वे ऐसे देश के खिलाफ कोई सुरक्षा प्रदान नहीं करते जो अपनी सुविधाओं का राष्ट्रीयकरण करने, निरीक्षकों को बाहर निकालने या हथियारों के निर्माण की ओर बढ़ने का फैसला करता है। इजरायल के पूर्व रक्षा मंत्रियों जैसे एविग्डोर लिबरमैन और बेनी गैंट्ज का कहना है कि हर परमाणु सैन्य कार्यक्रम की शुरुआत एक नागरिक परमाणु प्रोजेक्ट से ही होती है। उनका तर्क है कि किसी राजशाही या तानाशाही शासन व्यवस्था के भरोसे अपने देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और अस्तित्व को दांव पर नहीं लगाया जा सकता।

कोरबा की कोल पिच कार्बन फैक्ट्री में आग लगी

कोरबा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक कोल पिच कार्बन फैक्ट्री में शनिवार को अचानक तेज धमाके के साथ भीषण आग लग गई है। घटना के समय फैक्ट्री के अंदर मजदूर काम कर रहे थे। विस्फोट के बाद आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया।

आग की ऊंची लपटें और काले धुएं का घना गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे पूरे औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग फैक्ट्री परिसर में खड़ी एक ट्रक तक पहुंच गई, जिससे आग और तेजी से फैल गई। स्थिति को देखते हुए आसपास के इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, नगर निगम, सीएसईबी और अन्य संबंधित विभागों की दमकल टीमें मौके पर पहुंच गईं। कई दमकल वाहन लगातार आग बुझाने में जुटे हैं। आग की तीव्रता को देखते हुए राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

जेलेंस्की ने बढ़ाई पुतिन की टेंशन

यूक्रेनी सेना के पास होंगे 10,000 किमी तक मार करने वाले ड्रोन, पलटेगा युद्ध का पासा?

कीव, 25 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन अपनी लंबी दूरी के ड्रोन्स की क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। यूक्रेन का मकसद इस साल 4,000 किलोमीटर की रेंज वाले ड्रोन और अगले साल 10,000 किलोमीटर की ड्रोन रेंज हासिल करना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने खुद इसका खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने बताया कि उनकी सेना तेजी से अपने ड्रोन भंडार को बेहतर करने पर काम कर रही है। जेलेंस्की का बयान ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन और रूस के एक-दूसरे पर ड्रोन हमले बढ़ रहे हैं। यूक्रेन के लंबी रेंज के ड्रोन युद्ध के मैदान में रूस की परेशानी बढ़ा सकते हैं।

यूक्रेन ने ड्रोन पर ध्यान देने की बात कही है

यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं, खासतौर से ड्रोन विकास को लेकर वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सवाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा, 'फिलहाल हमारे पास 3,000 किलोमीटर या उससे कुछ ज्यादा रेंज वाले ड्रोन हैं। अच्छी बात ये है कि इसी साल हमारे पास 4,000 किलोमीटर रेंज वाले ड्रोन होंगे। अगले साल 5 से 10 हजार किलोमीटर रेंज वाले ड्रोन हमारे हथियार भंडार का हिस्सा बन जाएंगे।'

वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मार्च, 2025 में आधिकारिक तौर पर एक ड्रोन के सफल परीक्षण की घोषणा की थी। उस परीक्षण में यूएवी ने पहली बार 3,000 किलोमीटर की दूरी तय की थी। उस समय जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों की श्रृंखला तैयार कर रहा है, जो देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगी। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन ने अपग्रेडेड लंबी दूरी के ड्रोन विकसित किए हैं। ये ड्रोन 3,000 किलोमीटर तक की दूरी पर मौजूद लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इनका इस्तेमाल रूस के अंदर ऑपरेशन्स के दौरान किया गया, जिसमें ट्युमेन क्षेत्र में किया गया हमला भी शामिल है। इनसे रूसी सेना की लॉजिस्टिक्स को निशाना बनाया गया।

हाथियों का उत्पात, कई घर तोड़े खेतों में लगी फसलों को रौंदा

कोडरमा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कोडरमा में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात हाथियों के झुंड ने नवलशाही थाना क्षेत्र के पोलावार और देवीपुर गांवों के साथ-साथ मरकच्चो थाना क्षेत्र के पपलो गांव में जमकर तांडव मचाया। इस दौरान कई घरों को नुकसान पहुंचाया गया।

खेतों में लगी फसलों को रौंद दिया गया। गांव में हाथियों के प्रवेश की खबर मिलते ही लोगों में अफरा-तफरी मच गई। महिलाएं और बच्चे डर के कारण घरों में ही दुबके रहे। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का झुंड आए दिन गांवों में घुस रहा है। पोलावार गांव में हाथियों के झुंड ने श्रीलाल टुडू के कच्चे मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इतना ही नहीं, हाथियों ने घर में रखा करीब 4 क्विंटल चावल और 4 क्विंटल महुआ भी खा लिया।

इंडोनेशिया में नाव लापता, 11 यूरोपीय पर्यटक थे सवार

बड़े स्तर पर तलाश अभियान जारी

पालू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास एक स्पीडबोट के लापता होने के बाद बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इस स्पीडबोट में 11 यूरोपीय पर्यटक और दो स्थानीय चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अब तक नाव या उसमें सवार लोगों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

अधिकारियों के मुताबिक, स्पीडबोट शुक्रवार सुबह तंजुंग उनाउना रीजेंसी से गोरोंटालो प्रांत के मारिसा बंदरगाह के लिए रवाना हुई थी।

हालांकि, तय समय तक नाव अपने गंतव्य पर नहीं पहुंची। गोरोंटालो प्रांत के खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3:40 बजे एक स्थानीय टूर गाइड ने स्पीडबोट के लापता होने की सूचना दी। इसके तुरंत बाद रात में ही खोज अभियान शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'जब दोपहर तक स्पीडबोट अपने गंतव्य पर नहीं पहुंची तो चिंता बढ़ गई। हमने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया, लेकिन अब तक नाव या उसमें सवार लोगों का कोई पता नहीं चला है'।

इंडोनेशियाई अधिकारियों के अनुसार स्पीडबोट में एक चेक गणराज्य का नागरिक, एक बेल्जियम का नागरिक, पांच नीदरलैंड के नागरिक, तीन जर्मन नागरिक, एक फ्रांसीसी महिला और दो इंडोनेशियाई चालक दल के सदस्य सवार थे। राहत एवं बचाव दल ने टोमिनी खाड़ी और आसपास के करीब 300 वर्ग समुद्री मील क्षेत्र में खोज अभियान चलाया है। तलाश के कई एजेंसियां शामिल हैं। इसमें बचाव दल, थर्मल इमेजिंग ड्रोन और गोताखोरों की टीमों को लगाया गया है। खोज अभियान नाव के संभावित मार्ग को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है।

नीट परीक्षा पर अमेरिका से सीखे भारत

क्यों लीक नहीं होता है पेपर, भारतीय इंफ्लुएंसर ने बताया

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में नीट परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद छात्रों का भारी प्रदर्शन चल रहा है। लेकिन इस बीच अमेरिका में रहने वाली एक भारतीय इंफ्लुएंसर ने बताया है कि आखिर अमेरिका में मेडिकल एग्जाम का पेपर क्यों लीक नहीं होते। जैसे भारत में नीट है उसी तरह अमेरिका में एमसीएटी है। एमसीएटी का फुल फॉर्म है मेडिकल कॉलेज प्रवेश परीक्षा। ये पेपर पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित होता है और साल में कई तारीखों पर होता है। इस दौरान सभी छात्रों को अलग-अलग प्रश्न सेट मिलते हैं। जबकि इसके विपरीत नीट एक ही दिन पेन-पेपर से होने वाला ऑफलाइन मोड पर होता है जिससे भारी मात्रा में प्रश्न पत्र छापे जाते हैं और ट्रांसपोर्ट किए जाते हैं जिससे लीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। भारतीय इंफ्लुएंसर सारिका ने बताया है कि ये एक बहुत बड़ी वजह है कि अमेरिका में कभी सुनने को नहीं मिलता कि प्रश्न पत्र लीक हो गये हैं।

एमसीएटी परीक्षा पूरी तरह से कंप्यूटराइज्ड सेंटर पर होती है। इसमें कोई फिजिकल पेपर और प्रिंटिंग का झंझट नहीं होता है। इसके अलावा यह परीक्षा साल में सिर्फ एक बार नहीं बल्कि अलग-अलग महीनों और कई तारीखों पर आयोजित की जाती है।

भारत में नीट की परीक्षा ऑफलाइन होती है जिसमें लाखों फिजिकल पेपरों को देश भर के हजारों सेंटरों तक पहुंचाना पड़ता है जिससे रास्ते में सुरक्षा चूक का खतरा रहता है।

यह परीक्षा एक ही निश्चित तारीख और एक ही शिफ्ट में पूरे देश में एक साथ कराई जाती है जिससे इसे लीक करने या फायदा उठाने का दबाव और लालच बड़ा होता है। एमसीएटी में सभी छात्रों को एक जैसा प्रश्न पत्र नहीं मिलता है। अलग-अलग सेट और रैंडम तरीके से सवाल आते हैं जिन्हें बाद में स्कोर स्केलिंग से बराबर किया जाता है।

नीट में देश भर के सभी परीक्षार्थियों के लिए एक ही समान प्रश्न पत्र होता है जिसके एक जगह लीक होने से तुरंत पूरे देश में फैल जाता है।

एमसीएटी अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में सिक्योर टेस्ट सेंटर्स जैसे पियर्सन वीयूई पर बायोमेट्रिक, डिजिटल मॉनिटरिंग और कड़े नियमों के तहत परीक्षा होती है और बाहर फोन से पूरी तरह वर्जित होते हैं। नीट के विशाल स्तर और भारी भीड़ के कारण भारत के कई दूर-दराज के परीक्षा केंद्रों पर कई बार स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक और सुरक्षा चूक सामने आ जाती हैं।

हूतियों की मिसाइलों से दहला सऊदी, जिजान और यानबू पर हमले

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर खतरा

सना/रियाद, 25 जुलाई (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, इसके बाद सऊदी के दो शहरों जिजान और यानबू पर खतरा मंडरा रहा है। सिविल डिफेंस ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार रात से ही पोस्ट्स अपडेट की जा रही हैं। शनिवार सुबह तीन पोस्ट्स के जरिए पहले खतरे को लेकर सतर्क किया गया, फिर सब कुछ सामान्य होने की सूचना दी गई। हालिया पोस्ट में यानबू को लेकर सचेत किया गया है। यह बंदरगाह शहर व्यावसायिक दृष्टि से काफी अहम है। यानबू पश्चिमी सऊदी अरब के मदीना प्रांत में लाल सागर तट पर स्थित एक औद्योगिक शहर है। लाल सागर पर जिद्दा के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। बेहद खूबसूरत द्वीप पर्यटन का मुख्य केंद्र है। स्कूबा डाइविंग, कोरल रीफ्स और समुद्री गतिविधियों के लिए काफी पसंद किया जाता है। यही कारण है कि यमन से बढ़ती तल्खी के बीच इस क्षेत्र को लेकर सऊदी काफी फिक्रमंद है।

यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है जब सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोही, दोनों ने एक दूसरे पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हूती विद्रोहियों ने जिजान औद्योगिक शहर के एक अहम केंद्र और दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको से जुड़े तेल प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाया। हमलों के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

चीन के दबदबे को मात देगा भारत का 'प्रैक्टिकल एलायंस'

मोदी सरकार ने कैसे बदला सुरक्षा समीकरण?

सिडनी, 25 जुलाई (एजेंसियां)। चीन की बढ़ती आक्रामकता और अमेरिका की धोखा देने की आदत के कारण भारत इंडो-पैसिफिक के देशों के साथ जुड़ाव को मजबूत कर रहा है। भारत ऐसी साझेदारियों का एक जाल बुन रही है जो अलग-अलग रणनीतिक हितों वाले देशों को औपचारिक गठबंधन में शामिल हुए बिना सहयोग करने की अनुमति देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 से 11 जुलाई तक छह दिवसीय इसी रणनीति की एक कड़ी थी। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा किया और रक्षा, समुद्री सुरक्षा और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी का यह दौरा जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की 1 से 3 जुलाई तक भारत यात्रा के कुछ ही दिनों के बाद हुआ। इस दौरान भारत और

भारत की इंडो पैसिफिक रणनीति

जापान के बीच नौसेना से जुड़े हथियारों और सिस्टम्स के जॉइंट डेवलपमेंट पर समझौते भी हुए। इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण रणनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। जापान भी भारत की तरह चीन की आक्रामकता का सामना कर रहा है। पीएम ताकाइची के सत्ता में आने के बाद चीन-जापान संबंध और ज्यादा तनावपूर्ण हुए हैं। चीन ने जापान पर दबाव डालने के लिए रूस के साथ संयुक्त हवाई और नौसैनिक गश्त भी शुरू की है, जिससे जापान परेशान है।

पीएम मोदी ने मलक्का जलडमरूमध्य की मेजबानी करने वाले देश मलेशिया का दौरा भी किया था। इस दौरान भारत और इंडोनेशिया में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की बिक्री का समझौता हुआ। दोनों देशों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सबांग बंदरगाह को विकसित करने पर भी सहमति व्यक्त की, जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के करीब है। भारत यहां ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के जरिए एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह भी विकसित कर रहा है, जो मलक्का जलडमरूमध्य के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग के निकट भारत को रणनीतिक बढ़त प्रदान करेगा।

इस प्रोजेक्ट के तहत इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट, गैस-सोलर पावर प्लांट और एक नया शहर विकसित किया जाएगा। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का भी दौरा किया। इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने पर भी सहमत हुए और यूरेनियम आपूर्ति समझौते को अंतिम रूप दिया है।

दो चेन छिनतई का खुलासा

पुलिस ने कटिहार से दोनों सोने की चेन बरामद की

गिरिडीह, 25 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चेन छिनतई की दो घटनाओं का सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने कटिहार जिले से दोनों छीनी गई सोने की चेन बरामद की हैं।

अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। ये घटनाएं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह स्थित मंगल मूर्ति विवाह भवन के पास और नगर थाना क्षेत्र के बरगंडा पावर हाउस के पास हुई थीं। दोनों ही मामलों में अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने शाम के समय दो महिलाओं से सोने की चेन छीन ली थी। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने त्वरित उद्भेदन के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर जितवाहन उरांव के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया।

चलती ट्रेन से कटकर एरिया मैनेजर की मौत

दुर्ग-भिलाई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ते समय बैलेंस बिगड़ने से यात्री ट्रैक पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। ट्रेन की चपेट में आने से उनका दायां पैर भी कट गया। हादसे का लाइव सीसीटीवी वीडियो सामने आया है।

मृतक की पहचान ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के एरिया मैनेजर संदीप कुमार सिन्हा (58) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि, संदीप कुमार सिन्हा रोज की तरह रायपुर जाने के लिए दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। उनके पास रेलवे का मासिक पास था। वे अक्सर ट्रेन से ही रायपुर आना-जाना करते थे।

जानकारी के मुताबिक, 23 जुलाई की सुबह करीब 5:45 बजे दुर्ग-रायपुर लोकल ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर खड़ी थी। इसी दौरान पुणे-हटिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर पहुंची। एक्सप्रेस ट्रेन कुछ मिनट रुकने के बाद रवाना होने लगी। इसी बीच संदीप कुमार सिन्हा ने लोकल ट्रेन छोड़कर एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने का फैसला किया।

वे तेजी से दौड़कर चलती ट्रेन में चढ़ने लगे, लेकिन इसी दौरान उनके हाथ में रखा लैपटॉप बैग फिसल गया। बैग कलाई तक खिसकने से उनका संतुलन बिगड़ गया। वहीं, ट्रेन के गेट पर लगी रॉड पर उनकी पकड़ भी कमजोर पड़ गई। देखते ही देखते उनका पैर फिसल गया, वे प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच ट्रैक पर गिर पड़े। ट्रेन की चपेट में आने से उनका दायां पैर कट गया। ज्यादा खून बहने के कारण उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई। घटना के तुरंत बाद स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और रेलवे प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

ग्लेशियरों के पिघलने से बन सकती हैं 56,000 नई झीलें

भारत-पाकिस्तान समेत इन देशों में तबाही का खतरा, वैज्ञानिकों ने चेताया

इस्लामाबाद, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया में 200,000 से 275,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें कुल पानी का 69 फीसदी जमा है। ये ऑस्ट्रेलिया के अलावा हर महाद्वीप पर हैं। ये आर्कटिक, अलास्का, अंटार्कटिका के साथ-साथ हिमालय और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ये ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलकर एशिया समेत दुनिया के बड़े हिस्से के लिए खतरे का सबब बन सकते हैं। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी दी है।

नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन में स्वीडन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के शोधकर्ताओं ने ग्रह पर मौजूद सभी ग्लेशियरों के नीचे की जमीन का नक्शा बनाया और चौंकाने वाले नतीजे पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब इस बर्फ का कुछ हिस्सा गायब हो जाएगा तो पृथ्वी

जलवायु परिवर्तन का दुनियाभर के मौसम पर असर हो रहा है

पर 56,659 नई झीलें बनेंगी, जो अभी पूरी तरह से जमी हुई हैं। स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है। उन्होंने जीपीयू और डीप लर्निंग से चलने वाले 'इंस्ट्रक्टेड ग्लेशियर मॉडल' नाम के थ्री-डायमेंशनल आइस फ्लो मॉडल का इस्तेमाल करके ग्लेशियरों के नीचे की जमीन की बनावट का पता लगाया।

इस विश्लेषण का मकसद यह समझना था कि अगर ग्लेशियर पूरी तरह से गायब हो जाएंगे तो पृथ्वी की सतह कैसी दिखेगी। यह प्रक्रिया जटिल थी क्योंकि ग्लेशियरों का आधार सीधे दिखाई नहीं देता है और इसके नीचे गहरी घाटियां, गड्ढे, प्राकृतिक बेसिन और ऐसे क्षेत्र छिपे हो सकते हैं, जहां पिघला हुआ पानी जमा हो सकता है।

इस स्टडी का मुख्य नतीजा यह था कि भविष्य में 56,659 ऐसी झीलें बन सकती हैं, जिनका कम से कम एरिया 0.05 वर्ग किलोमीटर होगा। ये भविष्य की झीलें 40,647 वर्ग किलोमीटर जगह घेर सकती हैं और इनमें 3,138 घन किलोमीटर तक पानी जमा हो सकता है। यह मात्रा समुद्र के जलस्तर में 7 मिलीमीटर की बढ़ोतरी के बराबर है, जो सीधे महासागरों में बहने के बजाय इन प्राकृतिक जलाशयों में कुछ समय के लिए जमा रहेगा। इसका मतलब है कि बर्फ से मुक्त होने वाली नई जमीन का 6% हिस्सा झीलों से ढका हो सकता है। स्टडी में इस संख्या की तुलना उन इलाकों में झीलों के कवरेज के ग्लोबल औसत से की गई है, जहां ग्लेशियर नहीं हैं। यह औसत लगभग 2 प्रतिशत है।

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के वकील करीम खान पद से हटाए गए

यौन उत्पीड़न का आरोप

यरूशलम, 25 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) के वकील करीम खान को यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच पद से हटा दिया गया है। आईसीसी की सदस्य देशों की सभा ने शुक्रवार को इस पर मतदान कर उन्हें हटाने का फैसला लिया। वहीं, करीम खान की कानूनी टीम ने इस फैसले को राजनीतिक बताया है। उनका कहना है कि स्वतंत्र जांच पैनल को उनके खिलाफ गलत व्यवहार के पक्के सबूत नहीं मिले।

साथ ही, उन्हें अपना पक्ष रखने का पूरा मौका भी नहीं दिया गया।

करीम खान 2024 में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तत्कालीन रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के बाद चर्चा में आए थे। इसके बाद अमेरिका ने करीम खान समेत आईसीसी के कई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए थे।

इस साल जून में एक निगरानी पैनल ने खान पर गलत व्यवहार के आरोप लगाए थे। इसके बाद उन्होंने कुछ समय के लिए अपना पद छोड़ दिया था।

आषाढ़ मास का अंतिम प्रदोष व्रत आज

प्रदोष व्रत का शास्त्रों में विशेष महत्व है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित माना जाता है। मान्यता है कि इस खास दिन पूजा-अर्चना करने से भगवान शिव की कृपा से सुख-समृद्धि और जीवन में सफलता की प्राप्ति होती है। दरअसल एक महीने में दो प्रदोष व्रत होते हैं। इस दिन सुबह से शाम तक व्रत किया जाता है और विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। आइए उज्जैन के पंडित आनंद भारद्वाज से जानते हैं जुलाई माह और आषाढ़ मास के अंतिम प्रदोष व्रत की महिमा।

वैदिक पंचांग के अनुसार, 26 जुलाई को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि दोपहर में 1 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि की समापन 27 जुलाई को शाम 4 बजकर 14 मिनट पर होगी। इस आधार पर जुलाई का अंतिम प्रदोष व्रत 26 जुलाई दिन रविवार को है। रविवार को होने वाले प्रदोष की वजह से यह रवि प्रदोष व्रत होगा।

प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व

भगवान शिव की उपासना करने से व्यक्ति को आरोग्यता, गुण, ऐश्वर्य, धन, समृद्धि इत्यादि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही भगवान शिव उपासना करने से कुंडली में उत्पन्न हो रहे कई प्रकार के ग्रह दोष भी दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इसके साथ ही प्रदोष व्रत के दिन दान-पुण्य करने से भी विशेष लाभ प्राप्त होता है और व्यक्ति को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

रवि प्रदोष व्रत का महत्व

रवि प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की पूजा के साथ सूर्यदेव की भी पूजा करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से करियर में तरक्की मिल सकती है और जीवन में नए मौके मिलते हैं। शिव पुराण और स्कंद पुराण में बताया गया है कि इस दिन उपवास रखने से रोग और दोषों से मुक्ति मिलती है और धन-संपत्ति प्राप्त होती है।

इन नियमों का जरूर करें पालन

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद सूर्यदेव को अर्घ्य देकर व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद पूजा स्थल की अच्छे से सफाई करके भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें।

शिव परिवार का पूजन करें और भगवान शिव पर बेल पत्र, फूल, धूप, दीप आदि अर्पित करें। फिर प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करें।

पूजा के अंत में भगवान शिव की आरती करें और शिव चालीसा का पाठ जरूर करें। इसके बाद ही अपना उपवास खोलें।

जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और पंचामृत अभिषेक में क्या है अंतर?

सावन का महीना भगवान शिव के भक्तों के लिए विशेष होता है। वे अनेक प्रकार से भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। सावन शिव जी की प्रिय माह है, इसलिए इस महीने में व्रत, पूजा, स्नान, दान, जप, कांवड़ यात्रा, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, पंचामृत अभिषेक आदि वो हर उपाय करते हैं, जिससे महादेव की कृपा प्राप्त हो जाए। शिव शंभू के दया करने मात्र से ही प्राणियों का उद्धार हो जाता है, इसलिए हर शिवभक्त कोशिश करता है कि वह सावन में शिव जी का जलाभिषेक करे। विशेष मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए रुद्राभिषेक किया जाता है, जिसमें पंचामृत अभिषेक भी शामिल होता है। आइए जानते हैं कि जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और पंचामृत अभिषेक में क्या है अंतर?

जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और पंचामृत अभिषेक में अंतर

जलाभिषेक: जलाभिषेक का अर्थ है जल से अभिषेक। अभिषेक का तात्पर्य स्नान से है यानि जल से भगवान शिव का अभिषेक करना। भगवान शिव का जलाभिषेक आप प्रतिदिन कर सकते हैं। इसमें आपको एक लोटे में पवित्र जल लेकर उसमें गाय का कच्चा दूध, अक्षत फूल और बेलपत्र डाल देना है। फिर शिव मंत्र का जाप करते हुए धीरे-धीरे उसे शिवलिंग पर अर्पित करना है। आप चाहें तो केवल जल से भी अभिषेक कर सकते हैं।

रुद्राभिषेक: रुद्राभिषेक जलाभिषेक से बिल्कुल अलग होता है। यह आप हर दिन नहीं कर सकते हैं, केवल सावन माह को छोड़कर। सावन माह में हर दिन शिववास होता है, ऐसे में आप सावन के किसी भी दिन रुद्राभिषेक करा सकते हैं। लेकिन अन्य महीनों में आपको यह देखना होगा कि किस दिन शुभ फलदायी शिववास है। रुद्राभिषेक गंगाजल, कच्चे दूध, गन्ने के रस, दही, शहद, शक्कर या गुड़ का रस या पंचामृत से होता है। जलाभिषेक की तरह हर कोई इसे नहीं कर सकता है, इसमें पूजा के विशेष नियमों का ध्यान रखना होता है। रुद्राभिषेक आपको किसी योग्य पुरोहित, पंडित या ज्योतिषाचार्य से कराना चाहिए।

पंचामृत अभिषेक: पंचामृत अभिषेक रुद्राभिषेक का ही एक प्रकार है। इसमें दूध, दही, घी, शहद और शक्कर को मिलाकर पंचामृत बनाते हैं और फिर महादेव का रुद्राभिषेक किया जाता है। इसमें भी रुद्राभिषेक के पूजा नियमों का पालन करते हैं।

जलाभिषेक और रुद्राभिषेक से होने वाले फायदे

जब आप किसी असाध्य रोग, कष्ट, मानसिक पीड़ा, ग्रह दोष, असफलता, गृह क्लेश, कोर्ट केस, अकाल मृत्यु, कालसर्प दोष, वैवाहिक अलगाव आदि से जूझते हैं तो उस समय आपको जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करना चाहिए। इससे जीवन में उन्नति होती है, परिवार में सुख, शांति, समृद्धि आती है, व्यक्ति को आरोग्य का वरदान प्राप्त होता है।

किस दिन करा सकते हैं रुद्राभिषेक?

आप रुद्राभिषेक महाशिवरात्रि के दिन कराएं तो बहुत ही उत्तम फलदायी रहेगा। इसके अलावा सावन माह में किसी भी दिन करा सकते हैं या फिर सावन शिवरात्रि, सावन प्रदोष और सावन सोमवार को रुद्राभिषेक कराएं। इसके अलावा हर माह में शिवरात्रि और प्रदोष व्रत आते हैं, उस दिन भी रुद्राभिषेक कराएं। किसी भी माह के उस सोमवार को रुद्राभिषेक करा सकते हैं, जिसमें शुभ फलदायी शिववास हो।

प्रकृति का मान करो, भगवान का स्वत: सम्मान हो जाएगा

मनुष्य अगर प्रकृति को निर्जीव करके जीवन ढूंढने का प्रयास करेगा तो बड़े विचित्र दृश्य उतर कर आएंगे। यह चौंकाने और चिंतित करने वाली बात है कि बाबा अमरनाथ पांच दिन में ही अंतर्धान हो गए। यह लगातार तीसरा साल है, जब बाबा यह संकेत दे रहे हैं कि प्रकृति का मान करो, नहीं तो मेरे दर्शन ऐसे आधे-अधूरे रह जाएंगे। परमात्मा ने अपने स्वरूप को प्रकृति में रखा है। अब हमें प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी ही पड़ेगी। आज पंचतत्वों को रौंदा जा रहा है। हर धार्मिक स्थल पर भीड़ की प्रकृति है। लोग अपनी रुचि और सुविधा के अनुसार धार्मिक स्थलों का प्राकृतिक आनंद समाप्त करने पर तुले हैं। जिन स्थलों पर भक्तों को

स्वच्छता रखनी चाहिए, वहां वे स्वच्छंद होते जा रहे हैं।

बाबा अमरनाथ का यूं झलक दिखाना हमारे लिए चिंता का विषय है। इसके लिए निजी जाग्रति ही आवश्यक है। भगवान कृष्ण की वाणी को याद रखना होगा, जो उन्होंने गोवर्धन पर्वत उठाते समय कही थी- मैं ही प्रकृति हूं। प्रकृति का मान करो, मेरा सम्मान हो जाएगा।

घने जंगल में छिपा है द्वापर युग का राज!

मंचेरियाल में चट्टानों पर दिखते हैं महाबली भीम के पैरों के निशान

हैदराबादः आधुनिकता की चकाचौंध से दूर, तेलंगाना के मंचेरियल जिले में लखपतिराम के घने जंगलों के बीच एक ऐसा रहस्यमयी स्थान है जो आज भी द्वापर युग के इतिहास को खुद में समेटे हुए है चिन्नायगुट्टा नाम के इस प्राचीन पहाड़ी क्षेत्र में भीम के पदचिह्न यानी पैरों के निशान मिले हैं, जो पुरातत्व प्रेमियों और स्थानीय लोगों के लिए गहरी आस्था का केंद्र बने हुए हैं

यहां की विशाल चट्टानों पर कुछ ऐसी आकृतियां और लकीरें उभरी हुई हैं, जिन्हें देखकर हर कोई हैरान रह जाता है स्थानीय मान्यताओं और जनश्रुतियों के अनुसार अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने इस सुरक्षित और शांत जंगली क्षेत्र को अपना निवास स्थान बनाया था इस स्थान का सबसे बड़ा आकर्षण यहां की एक विशाल चट्टान पर बने गहरे गड्ढे हैं जिन्हें भीम के पैर का निशान माना जाता है ये निशान सामान्य इंसानी पैरों से कई गुना बड़े हैं।

महाबली भीम से जुड़ा है चिन्नायगुट्टा का इतिहास

चिन्नायगुट्टा नाम के इस प्राचीन पहाड़ी के चट्टान पर बने जलकुंड नुमा पदचिह्नों को लेकर मान्यता है कि महाबली भीम इसी स्थान पर पैर रखकर आगे बढ़े थे इन पदचिह्नों के पास ही कुछ ऐसे प्राकृतिक कुंड भी हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वहां पांचों पांडव भाई और माता कुंती स्नान किया करते थे इतना ही नहीं, इस पहाड़ी क्षेत्र की पथरीली धरती पर दूर तक फैली गहरी समानांतर लकीरें भी दिखाई देती है स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि यह वही स्थान है जहां भीम ने अपने विशाल हल से सूखी चट्टानों को जोतकर फसलें उगाई थी इन सभी साक्ष्यों के कारण आसपास के इलाकों में यह धारणा बेहद मजबूत है कि यहां कभी पांडवों की चहल-पहल हुआ करती थी।

पथरीला रास्ता होने के बावजूद यहां आते हैं लोग

आज भी यह जगह अपनी प्राकृतिक बनावट और पौराणिक महत्व के कारण लोगों को आकर्षित करती है हालांकि, घने जंगलों के बीच होने के कारण यहां तक पहुंचने का रास्ता बेहद कठिन और पथरीला है, लेकिन इतिहास और आस्था में विश्वास रखने वाले लोग इन मुश्किल रास्तों को पार करके भीम के इन पदचिह्नों के दर्शन करने पहुंचते हैं पत्थरों पर छपे ये निशान आज भी इस बात की गवाही देते हैं कि हमारी धरती के सीने में इतिहास के कितने अनसुलझे पन्ने छिपे हुए हैं।

मोर पंख के अलावा बच्चों की किताबों में रखें ये 5 शुभ चीजें, पढ़ाई में मिलेगी सफलता

कमल का फूल या पंखुड़ी

विद्या की देवी मां सरस्वती को कमल का फूल अत्यंत प्रिय है। आप कमल के फूल की एक सूखी हुई पंखुड़ी को बच्चे की सबसे मुख्य किताब या डायरी में रख सकते हैं। वास्तु के अनुसार, इससे पढ़ाई के स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और बच्चे के भीतर छिपी रचनात्मकता बाहर आती है।

दूर्वा घास

भगवान गणेश को बुद्धि और विवेक का देवता माना जाता है और उन्हें दूर्वा बेहद प्रिय है। बुधवार के दिन भगवान गणेश के चरणों में 5 दूर्वा अर्पित करें। पूजा के बाद उन दूर्वा को सुखाकर बच्चे की स्टडी टेबल के ड्रॉर या किसी किताब में सुरक्षित रख दें। इससे बच्चे की स्मरण शक्ति तेज होती है और कठिन से कठिन

विषय भी उन्हें जल्दी समझ आने लगते हैं।

चंदन का एक छोटा टुकड़ा या तिलक

चंदन अपनी शीतलता और पवित्र सुगंध के लिए जाना जाता है, जो सीधे तौर पर हमारे मस्तिष्क को प्रभावित करता है। आप बच्चे की पढ़ाई की अलमारी या किताबों के बीच में चंदन का एक छोटा सा साफ टुकड़ा रख सकते हैं। चंदन की मौजूदगी से पढ़ाई के दौरान होने वाला मानसिक तनाव, गुस्सा और चिड़चिड़ापन दूर होता है। बच्चा शांत और एकाग्र मन से पढ़ाई कर पाता है।

चांदी का एक छोटा चौकोर टुकड़ा या सिक्का

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चांदी का संबंध चंद्रमा से होता है और चंद्रमा हमारे 'मन' का कारक है। बच्चे के ज्योमेट्री बॉक्स या स्टडी टेबल पर चांदी का एक छोटा सा चौकोर टुकड़ा रख दें। जिन बच्चों का मन बहुत चंचल होता है और एक जगह ज्यादा देर नहीं टिकता, उनके मन को स्थिर करने में चांदी बहुत मदद करती है। इससे एकाग्रता कई गुना बढ़ जाती है।

तुलसी का सूखा पत्ता

तुलसी के पौधे को साक्षात लक्ष्मी का रूप और बेहद पवित्र माना गया है। ध्यान रहे कि कभी भी तुलसी का हरा पत्ता सीधे किताबों में न रखें, इससे पन्ने खराब हो सकते हैं। तुलसी के गिरे हुए सूखे पत्तों को साफ करके किताब के बीच में रखें। तुलसी के पत्ते आसपास की नकारात्मक ऊर्जा और आलस को दूर भगाते हैं। इससे बच्चे में पढ़ाई को लेकर एक नई ऊर्जा और उत्साह बना रहता है।

कर्ज बढ़ता जाए और रास्ता न दिखे, ये 6 ज्योतिषीय संकेत बताते हैं अब शुरू होने वाला है अच्छा समय

कर्ज का बोझ जब लगातार बढ़ने लगे तो इंसान को हर तरफ सिर्फ परेशानी ही नजर आती है। कमाई होती है, लेकिन पैसा टिकता नहीं और कोई न कोई नया खर्च सामने खड़ा हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र में आर्थिक स्थिति को केवल मेहनत और भाग्य से नहीं, बल्कि कुंडली में मौजूद ग्रहों और उनके गोचर से भी जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि जब जीवन में लंबे समय से चला आ रहा आर्थिक संघर्ष धीरे-धीरे खत्म होने लगता है, तो प्रकृति कुछ शुभ संकेत भी देती है।

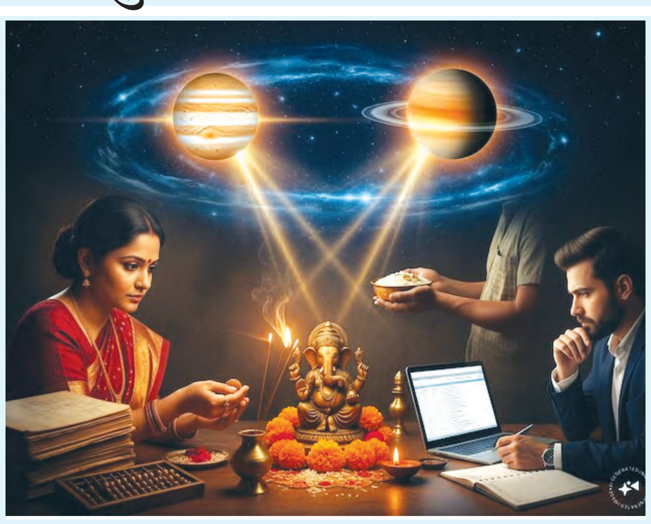

घर में सकारात्मक बदलाव, अचानक धन लाभ, रुके काम पूरे होना या मन का बोझ हल्का महसूस होना ऐसे ही संकेत माने जाते हैं। अगर आपकी जिंदगी में भी ये बदलाव दिखाई देने लगे हैं, तो ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसे अच्छे समय की शुरुआत माना जा सकता है।

कर्ज के बीच दिखने लगें ये संकेत तो समझें बदल रहा है समय

ज्योतिष में गुरु को धन, ज्ञान, विस्तार और समृद्धि का कारक ग्रह माना गया है, जबकि शुक्र सुख-सुविधाओं और भौतिक समृद्धि से जुड़ा है। वहीं बुध व्यापार और आर्थिक समझ का प्रतिनिधित्व करता है। जब इन ग्रहों की स्थिति अनुकूल होती है या कुंडली के धन भाव पर शुभ प्रभाव पड़ता है, तो आर्थिक परिस्थितियों में सुधार के रास्ते खुलने की मान्यता है। हालांकि, हर व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, इसलिए इन संकेतों को सामान्य ज्योतिषीय मान्यता के तौर पर ही देखना चाहिए।

अचानक रुका हुआ पैसा वापस मिलने लगे

अगर लंबे समय से किसी के पास आपका पैसा अटका हुआ था और अचानक उसकी वापसी की उम्मीद बनने लगे, तो इसे ज्योतिष में सकारात्मक संकेत माना जाता है। कई बार पुराने निवेश से लाभ, उधार दिया पैसा वापस मिलने या किसी पुराने भुगतान के आने से आर्थिक स्थिति संभलने लगती है। ऐसा समय व्यक्ति को कर्ज चुकाने का नया रास्ता भी दे सकता है।

घर में बार-बार शुभ घटनाएं होने लगें

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार घर में सकारात्मक माहौल बनना भी अच्छे समय का संकेत हो सकता है। परिवार में लंबे समय से चली आ रही अनबन खत्म होना, मांगलिक कार्य की चर्चा होना या घर में किसी शुभ समाचार का आना जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि जब नकारात्मकता कम होती है, तो धन संबंधी परेशानियों से निकलने के रास्ते भी दिखाई देने लगते हैं।

बिना योजना के धन लाभ का अवसर मिलना

कभी-कभी अचानक कोई नया काम, अतिरिक्त आय का जरिया या लाभ का अवसर सामने आ जाता है। पहले जहां आर्थिक स्थिति एक ही स्रोत पर निर्भर थी, वहीं अब कमाई के नए रास्ते खुलने लगते हैं। ज्योतिष में इसे गुरु या बुध की अनुकूलता से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि अवसर का लाभ उठाने के लिए सही योजना और मेहनत भी उतनी ही जरूरी है।

कर्ज चुकाने की इच्छा और आत्मविश्वास बढ़ना

लंबे समय तक आर्थिक परेशानी झेलने वाला व्यक्ति अक्सर मानसिक रूप से थक जाता है। लेकिन जब परिस्थितियां बदलने लगती हैं तो उसके भीतर दोबारा आत्मविश्वास पैदा होता है। अगर आपको अचानक अपने खर्चों को व्यवस्थित करने, बचत करने और पुराने कर्ज को खत्म करने की प्रेरणा मिलने लगे, तो इसे भी सकारात्मक बदलाव माना जा सकता है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह समय की ऊर्जा में बदलाव का संकेत माना जाता है।

घर में तुलसी या दूसरे पौधों का तेजी से बढ़ना

भारतीय ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं में पौधों को सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा गया है। अगर घर की तुलसी हरी-भरी रहने लगे या लंबे समय से कमजोर पौधों में अचानक नई पत्तियां आने लगें, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। हालांकि पौधों की सेहत का संबंध उनकी देखभाल और मौसम से भी होता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं में इसे घर की सकारात्मकता से जोड़कर देखा जाता है।

बार-बार शुभ सपने या धार्मिक संकेत दिखाई देना

कई ज्योतिषीय मान्यताओं में सपनों को भी व्यक्ति के मानसिक और आध्यात्मिक अनुभवों से जोड़कर देखा जाता है। मंदिर, दीपक, जल, कमल या देवी-देवताओं से जुड़े शुभ सपने आने को सकारात्मक संकेत माना जाता है। इसी तरह पूजा-पाठ में मन लगना और आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ना भी व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव का संकेत माना जाता है।

सार्वजनिक स्थान हो या एकांत, ऐसा आचरण करें, जिससे महिलाएं स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें

भारतीय संस्कृति में नारी का सम्मान सर्वोच्च माना गया है। हमारी संस्कृति महिलाओं को आदर देने की शिक्षा देती है। जहां महिलाओं का सम्मान नहीं होता, वहां परिवार और समाज में कलह, अशांति के साथ ही कई अन्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और सद्भाव का व्यवहार करे। चाहे सार्वजनिक स्थान हो या एकांत, हमें ऐसा आचरण करना चाहिए जिससे स्त्रियां स्वयं को सुरक्षित, निडर और सम्मानित महसूस करें। यही सभ्य समाज की पहचान और हमारी संस्कृति का मूल संदेश है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि

अमृत की बूंदों का मौसम वर्षा ऋतु

अतुल कुमार

बारिश नहीं हो रही है .आशानुरूप वर्षा न होने पर लोग चिंतिंत हैं .आशंका व्यक्त की जा रही है कि अकाल न पड जाये ! दरअसल इसको ले अजीब नज़रिया बन गया है कि वह हो लेकिन उतनी हो जिससे कि साल भर का कोटा भर जाये .वर्षा प्रकृति से मिला अनमोल उपहार है जिससे पीने का पानी ,खेती बाडी,बाग बानी और अन्य कई काम होते है. ' जल ही जीवन ' की भावना एकदम सटीक है . जल की बचत और उसके दुरुपयोग़ को रोकने के स्लोगन प्रायः सुनने और पढने को मिलते हैं लेकिन इस ओर कोई गंभीरता दिखायी नहीं देती . मौसम विभाग द्वारा देश में वार्षिक सामान्य बरसात 116 से 118 से मी को माना गया . मानसून के आधे से अधिक दिन बीतने के बावजूद कम वर्षा दर्ज की गयी है धान की खेती पानी पर निर्भर होती है .जिसकी वजह से लंबे शुष्क दौर से इसकी खेती पिछ्ड गयी है .इसलिये अन्य फसल जैसे मकई और बाजरे की खेती की बुआई की सलाह किसानों को दी जा रही है . बारिश कम होने पर फिल्म " गाईड " के लोकप्रिय गीत की पंक्तियां मौजूं दिखायी देती हैं " आंखे फाडे दुनिया देखे , मेघ दे पानी दे , छाया दे रे तू / रामा मेघ दे ,श्यामा मेघ दे ,अल्लाह मेघ दे // गीतकार शैलेंद्र के लिखे इस गीत को वर्षा के लिये एक प्रार्थना गीत के रूप में माना गया .

यह बात अलग है कि अब न ऐसी फिल्में बनती हैं न गाने जिसमें जीवन से जुडे प्रार्थना गीत हों .साहित्य में अब वर्षा और उसके महत्व पर न कविताएं लिखी जा रही हैं न कहानियां .जन जागरूकता कैसे बढेगी ? यह सोचने वाला सवाल है .जबकि वर्षा के महत्व पर कहा गया है कि बादल खुद पिघल कर नदियां भर देते हैं वर्षा निस्वार्थ भाव से परोपकार करना सिखाती है . बूंद –बूंद से ही सागर और जीवन की डोर बंधी है .यह बारिश ही है जो नदियो ,तालाबों और भूमिगत (ग्राउंड वाटर) के स्तर को रिचार्ज करती है जो साल भर के पेय जल संकट को दूर करने में सहायक होती है .

वर्षा ऋतु आषाढ ,श्रावण और भादो मास में होती है .यह ऋतु संपूर्ण प्रकृति को पुनर्जीवित कर देती है . पेड पौधे खिल उठते हैं और नदियां ,झरने और तालाब पानी से भर जाते हैं यह वही मौसम होता है जब वृक्षा रोपण को सबसे उपयुक्त माना गया . रेन हार्वेस्टिंग (वर्षा के जल संचयन) को रोक कर उसका सदुपयोग किया जा सकता है .जिससे कि भविष्य में जल संकट की समस्या से निबटा जा सके . वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार यह अरबों साल पुरानी प्रकृया संभवतः तब से है जब पृथ्वी पर मनुष्य ने जन्म लिया .अत; उन्होंने इसे "जल ही जीवन है " कि उक्ति से संबोधित किया . एक शोध के अनुसार 2.7 अरब साल पुराने चट्टानों के जीवाश्म पाये गये जिसमें बारिश की बूंदों के निशान मौजूद थे .

भारतीय लोक कथाओं के अनुसार सूखा पढने पर प्राचीन काल में लोग गांवों में मेंढकों की पूजा करते थे और इंद्र देव से बारिश की प्रार्थना करते थे .यह माना जाता कि मेंढकों की टर्र टर्र सुन बादलों को संदेश मिलता कि धरती को पानी की आवश्यकता है . वर्षा ऋतु में कुछ ऐसा आकर्षण है कि कला के भिन्न रूपों में सबसे ज़्यादा वर्षा को चित्रित किया गया . गर्मियों की भीषण धूप के बाद होने वाली बारिश मौसम को खुशनुमा बनाती है यह धूल मिट्टी और वायु प्रदूषण को रोकती है . यह मौसम आम तौर पर जून से शुरु हो सितंबर तक चलता है .दर असल समस्या पानी की नहीं बल्कि उसके समुचित संचयन और वितरण की है . पारंपरिक शैली में बारिश का पानी अधिक बचाये रखने के व्यापक प्रयास होने चाहिये जिससे कम से कम दो वर्ष कमज़ोर मानसून से पेय जल का संकट तो खडा न हो. पानी को बचाये रखने की जो व्यवस्था परंपरा से मिली थीं उसे छिन्न भिन्न कर दिया गया है .आवासीय बस्तियों के बेतहाशा बढने से बावडियां ,तालाब ,झीलों और तालाबों को खत्म कर दिया गया . .प्रापर्टी की भूख ने किस तरह वर्षा के जल को नुकसान पहुंचाया है यह दुखांतक गाथा है .

अर्थ व्यवस्था की रीढ कृषि है तब भी जल और उसे बचाने की दिशा में कोई खास कदम नहीं उठाये गये . यह सच है कि पृथ्वी के दो तिहाई भाग पर जल होते हुए भी इसमें से मानव के उपयोग के जल की मात्रा कम है .कविवर रहीम ने लिखा भी " रहिमन पानी राखिये ,बिनु पानी सब सून / पानी गये न उबरै ,मोती मानुस चून // " आज जब पीने के पानी की समस्या बड रही है तब लोगों का ध्यान कुंओं और बावडियों की ओर गया है . ज़रूरत है कि आज पारंपरिक जल स्रोतों के महत्व को समझा जाए . शुद्ध वायु और शुद्ध जल ही इंसान को स्वस्थ जीवन प्रदान करते हैं इसे याद रखना चाहिये . मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अक्सर छोटी नदियां वर्षा का जल पा कर किनारों को तोड कर बहने लगती हैं . जिससे जल भराव की बाधाएं खडी होती हैं उनके भंडारण की व्यवस्था होनी चाहिये .

बीते जून महीने में सामान्य वर्षा 40 % से कम रही जिसका असर दीखने लगा है . कम वर्षा का कारण वनों और वृक्षों की कटाई को माना गया जिससे बादलों के बनने में कमी आयी . जिस के चलते बारिश कम होती है .अत; वृक्षा रोपण को बढावा देने की ज़रूरत है .रेन डिफिसिट से बचने के लिये वर्षा के जल के दुरुपयोग या बर्बादी को रोकना होगा .इसके लिये परंपरागत उपायों की ओर लौटना होगा .

बावडियों ,तालाबों और सरोवरों की गहराई को बढाना होगा जिसमें जल भरा व बचा रह सके .

वर्षा ऋतु को अमृत की बूंदों का मौसम कहा गया .क्यों कि जल का मनुष्य जीवन से अटूट संबंध है जो उसके जीवन यापन का महत्वपूर्ण स्रोत है जिसे सब जानते हैं लेकिन इसके बचाव और संरक्षण के प्रति उदासीनता का भाव है जिसको छोडना होगा .किसी शायर ने जल के महत्व पर खूब कहा " " बरसात का बादल तो दीवाना है क्या जाने / किस राह से बचना है किस छत को भिगोना है / इन्हें संभाल ,सहेज रखो इसे खो देगो तो प्यासे रह इनके लिये तरसोगे // क्यों कि जल है तो कल है .

काव्य कुंज

मेरी सखी

अकेली, उन्मन चलती राह में,
अकस्मात वह उस रोज मिली
मन ही मन मैं खुश हो बोली
चलो अच्छा है एक से दो भली
हँस कर मैं उसके साथ हो ली
वह भोली ग्राम्य बाला हँसती हुई
धीरे धीरे साथ चली
न जाने क्यों वह बहुत भली लगी
मेरी भाषा से अंजान
मेरी बातों का उत्तर हँसती हुई
हाँ और ना में देती रही
एक अनजाने स्नेह डोर में
हम दोनों बंधती रही
मन चाहा उसका नाम पूछूँ
गाँव पूछूँ,गंतव्य पूछूँ
पर सहसा मेरे अंतर्मन ने
मुझ को ही रोक लिया
धीरे से कहा..
रहने दो इन अनर्गल प्रश्नों को
अपनेपन के लिए बोलो क्या
इतना प्रचुर नहीं है?
तुम जैसी ही तो तुम्हारी पथ संगिनी है
तुम्हारे आइने की परछाई सी
उज्ज्वल और सगी है
जबतक है,साथ है राहों का
इस स्नेह बयार को बहने दो
इस नन्हे से रिश्ते को
छंदों में ढल जाने दो
शाश्वत प्रेम की धारा को
अविरल बह जाने दो
अचानक एक मोड़ पर वह रुक गई
पोटली से निकाल चार पांच मीठे बेर
प्यार से रख गई मेरी हथेली पर
मेरी पथ संगिनी चली गई
उसकी मीठी याद लिए
मैं भी अपने राह चली
उसके शबरी के बेरों की मिठास
अब तक मुँह में घुल रही
स्मृति पटल पर,याद तुम्हारी सदा रहेगी
ओ भोली सी मेरी सखी ।।

कौशल्या गुप्ता, हैदराबाद

श्री राम मोहम्मद सिंह 'आज़ाद'

जलियाँवाला बाग़ की
धरती रक्तरंजित हो गई,
भारत माँ की आँख उ
स दिन अश्रुपूरित हो गई।
निर्दोषों के रक्त से
जिसने इतिहास लिखा था,
उसी क्षण उधम के
मन में प्रतिशोध नहीं—
न्याय जगा था।
बरसों वह अग्नि भीतर मौन तपस्या बन जलती रही,
हर धड़कन मातृभूमि की पीड़ा, सुन-सुनकर पलती रही।
फिर लंदन की धरती पर इतिहास नया साकार हुआ,
अत्याचार का बड़ा अपराधी तब बहुत लाचार हुआ।
जब पूछा गया— तुम कौन हो?
मुस्कुराकर वीर ने कहा --
मेरा नाम श्री राम मोहम्मद सिंह आज़ाद है।
राम मेरी मर्यादा है और मोहम्मद मेरा ईमान ,
सिंह मेरा साहस और आज़ाद मेरी पहचान।
एक नाम में बसता भारत,एक नाम में हिंदुस्तान,
मंदिर , मस्जिद , गुरुद्वारे का उसमें था सम्मान।
बाँट नहीं सकता धर्म जिसको , वह सच्चा इंसान था,
उधम सिंह केवल योद्धा नहीं, भारत की पहचान था।
अन्याय का उत्तर देकर भी मानवता का मान रखा ,
मातृभूमि की आन बचाने जीवन का बलिदान रखा।
हँसते - हँसते फाँसी चूमी ,वह अमर शहीद कहलाए,
भारत माँ के वीर सपूत, युगों तक दिल में जगमगाए।
आओ उनके पथ पर चलकर , एक नया संदेश लिखें
जाति-धर्म के भेद मिटाकर भारत को विशेष रखें।
जब - जब देश पुकारे हमको , तन -मन अर्पण कर देंगे,
श्री राम मोहम्मद सिंह 'आज़ाद' का स्वप्न अमर कर देंगे।

कुमुद बाला, हैदराबाद

सैनिक

गजानन पाण्डेय

वे प्रहरी , हमारी सीमाओं के
सैनिकों से हम हैं
हमारे आज व कल है।
देश की रक्षा ही धर्म है
दिल में तिरंगा
मुंह पर ' जय हिन्द ' है ।
न रात , न दिन
चौबीस घंटे ,
वे सीमाओं पर तैनात हैं।
न सर्द हवाएं , न तूफ़ान से
वे डरते हैं ,
हर चुनौती को झेलते ,
दुश्मन पर वार करते हैं ।
उनके साहस पर हमें नाज़ है
हमारे दिलों में उनका सम्मान है ।

लोकतंत्र में प्रदर्शन

संजय एम. तराणेकर, इंदौर

लोकतंत्र की राह में,
विरोध का भी अधिकार,
पर हिंसा से
धुंधला होता जनविश्वास अपार।
पत्थर, आग और तोड़फोड़,
नष्ट करें विकास?
घायल होता देश तभी,
टूटता हैं जन-विश्वास।
नारे हों तो सत्य के,स्वर भी हो संयम के साथ,
संवादों से ही खुलते हैं परिवर्तन पथ के द्वार।
कानून यदि निष्पक्ष रहे, न्याय का करें सम्मान,
तभी सुरक्षित रह सकेगी, संविधान की शान।
सत्ता हो या हो विपक्ष, सबका हो एक ही कर्म,
जनहित सबसे ऊँचा हो, यही सबका राष्ट्र-धर्म।
क्रोध नहीं, विवेक बने हरेक आंदोलन की जान,
शांति से जो लड़ते हैं, वही रचते नया इतिहास।

सोनम बेवफा

प्रियंका सौरभ

सोनम की बेवफ़ाइयाँ,
बन बैठीं पहचान।
छल के रिश्ते टूटते,
खो जाता सम्मान॥
मीठे-मीठे बोल थे,
मन में छिपा प्रपंच।
विश्वासों की डाल पर, सजा खूब था मंच॥
सच का जब पर्दा उठा, टूटा हर अरमान—
सोनम की बेवफ़ाइयाँ, बन बैठीं पहचान॥
धन-दौलत की चाह में, बदले कितने रंग।
स्वार्थों की इस दौड़ में, फीके पड़े उमंग॥
लोभ जहाँ घर कर गया, मिट जाता ईमान—
सोनम की बेवफ़ाइयाँ, बन बैठीं पहचान॥
प्रेम नहीं व्यापार है, समझो इसका मोल।
झूठ कभी टिकता नहीं, चाहे लाखों बोल॥
सच्चे मन का प्रेम ही, होता है वरदान—
सोनम की बेवफ़ाइयाँ, बन बैठीं पहचान॥
'सौरभ' जीवन दे रहा, हर पल नई सीख।
सच्चे रिश्ते ही सदा, बनते मन की भीख॥
छल करने वाले रहें, जग में सदा अजान—
सोनम की बेवफ़ाइयाँ, बन बैठीं पहचान॥

निकला नहीं उपाय

मोनिका डागा, चेन्नई

भ्रष्टाचारी संगठन,
जगा आंतरिक रोष।
घटना पेपर लीक की,
थोपे किसको दोष।।
सांठ-गांठ कर चोर ने,
फैला दिया फसाद।
खुद का कुछ बिगड़ा नहीं,
युवा हुए बर्बाद।।
स्वार्थियों ने ही किया, जमकर के खिलवाड़।
राजनीति की जो घृणित, भविष्य दिया उजाड़।।
विद्या को धंधा बना, ऐसा खेला खेल।
मासूमों को ही छला, गर्त में दे ढकेल।।
घूमें दोषी शान से, निर्दोषी को जेल।
न्याय व्यवस्था है यहाँ, मिले झूठ को बेल।।
युवा वर्ग के आज की, किसको चिंता माथ।
विपक्षियों को तो मिला, मुद्दा मौका साथ।।
दुखती रग पर हाथ दे, बिछा दिया है जाल।
दुष्टों ने ही की भ्रमित, युवा बुद्धि चल चाल।।
न्याय प्रणाली सुप्त हो, तो ये होता हाल।
आम आदमी टूटता, चोर ठोकता माल।।
जंतर-मंतर की व्यथा, आहत हुआ समाज।
युवा लड़ाई लड़ रहा, रोता-रोता आज।।
प्रश्न कई उत्तर नहीं, इतना मचा बवाल।
हल निकलेगा या नहीं, सबसे बड़ा सवाल।।
चलती इस सरकार से, कैसे हो फरियाद।
बात हाथ से ही गई, हिली नींव बुनियाद।।
क्रोध वश उठाए कदम, भड़का जन समुदाय।
तड़पे भीतर भावना, निकला नहीं उपाय।।
ऐसी उलझी जिंदगी, चलता-फिरता श्राप।
रास्ता हमको दे बता, ईश आनंद आप।।
क्या सच है क्या झूठ है, कलयुग का ही बंध।
करें विश्वास या नहीं, घायल हर संबंध।।

लाजवंती सा

डॉ टी महादेव राव

तुम सोच सकती हो
तुम्हारे न रहने पर
चांदनी भी नहीं रुकेगी
वसंत नहीं रहेगा आए बिना
क्या तुम्हें मालूम है
तुम्हारे जाने के बाद
निशा की गली बना आसमान
मेरा दोस्त हो गया है
सारे घर में पतझड़ फैला है
मन मेरा लाजवंती सा
सिमट गया है।।

प्रसिद्धि पिपासा हावी जग में

पी एन त्रिपाठी

निज गुरुर मन मंदिर में
अपनी डफ़ली अपना राग
निज भाषा कर्तब्यो में
हावी निजता बड़ी विकट है
व्यक्ति समय के वेग में।।
कोई नही किसी का मन से
छल प्रपंच गलियारो में
श्रेष्ठ स्वयं साबित हो जग में
बस यही होड़ व्यापी मन में।।
व्यक्ति समय के वेग में।।
परिवारों का कोई मूल्य नहीं
स्वार्थों का कोई क्षेत्र नही
परमारथ की कोई आस नही
प्रसिद्धि पिपासा हावी जग में
व्यक्ति समय के वेग में ।।
प्रसिद्धि पिपासा की देख होड़ता
कवि मन ह्रदय विवशता है
कोई कैसे समझाए किसको
प्रसिद्धि पिपासा हावी जग में
व्यक्ति समय के वेग में ।।

अपूर्णता का आकाश

मनीषा मंजरी दरभंगा

धूप-छाँव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मक़श से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।
पूर्णता के भ्रम को,
कभी तो नवयौवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।
कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग़ में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहाया होगा।
भाग रही थी राहें गुपचुप,
क्या क़दमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां था अजनबियों का,
क्या अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।
शब की जिद ने,
ढलती शाम से दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
समान ने फिर समझाया होगा।
ख़्वाब फैले थे अनगिनत पर, क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुभन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।
स्वच्छंद हुई उड़ानें,
पर पंखों ने भी तो जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।
चुनाव में एकांत रहा,
पर साथ कभी तो सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शवशैया पर संग बैठ,
वैराग्य से मोह लगाया होगा।

उम्मीदों का सही मेल है ज़िंदगी

संजीव ठाकुर, रायपुर

धूप और छाँव का खेल है ज़िंदगी,
सुख और दुख का मेल है ज़िंदगी।
कभी फूलों की नरम-सी सेज लगे,
कभी काँटों की इक रेल है ज़िंदगी।
कभी आँखों में स्वप्नों का दीप जले,
बाती से लिपटा हुआ तेल है ज़िंदगी।
कभी अपनों के साए में चैन मिले,
कभी तन्हाइयों की जेल है ज़िंदगी।
जो गिरकर भी सँभलना सीख गया,
उसके हाथों की बेल है ज़िंदगी।
नदी की धार-सी बहती चली जाए,
कहाँ रुकने का कोई खेल है ज़िंदगी।
मिले संघर्ष हँसकर उसे भी झेल
उम्मीदों का सही मेल है ज़िंदगी।
न कभी कर ग़म के शिकवे दिल से
ईश्वर का दिया अनुपम खेल है ज़िंदगी।
संजीव कह रहा मुस्करा के सदा,
हार और जीत का मेल है ज़िंदगी।

मेरी मां

डॉ संजुला सिंह जमशेदपुर

मेरा मन दुःखी जब भी होता है माते
तो जेहन में सिर्फ याद तेरी ही आती ।
ना रिश्ते ना नाते ,लगे कोई अपने
मां !बस याद नैनों में तेरी ही छाती ।
तुम्हे ढूंढती हैं ये, पागल निगाहें
मेरी रूह को बस, तुम्ही याद आती ।
कहीं जो सुनाई पड़े, पूजा की घंटी
तो मुख से तेरा नाम, ही जिह्वा गाती ।
तेरा सुमिरन में ही मां, हरपल गुजरता
मेरी रूह को बस, तुम्ही तो मां भाती ।
मैं सुख में रहूं चाहे, दुःख में रहूँ मां
कलेजे को ठंढक, तुम्हीं से ही आती ।
तुम्हें पूजकर ही तो, पाया सहारा
तुम्हीं मेरे 'उर' को मां शान्तिसे भरती ।
झूठा ये जग है और जग वाले झूठे
बस ! तूही मेरे ह्रदय में है समाती ।
'संजू' की याचना हरदम, सुनती हो माते
कृपा कर के एहसास, खुद का दिलाती ।

अच्छी किताबें और..

दर्शन सिंह हैदराबाद

अच्छी किताबें और अच्छे लोग
तुरंत समझ में नहीं आते
उन्हें पढ़ना पड़ता है
धैर्य की कमी
चट मंगनी पट ब्याह
की रीति अपनाते हैं
सुनी सुनाई बातों पर
उलझ जाते हैं मैं बड़ा तू छोटा
गुंजल को संवारना पड़ता है
अच्छी किताबें और..
खाली कैनवास पर
यूं ही आडी तिरछी रेखाएं
खींचते रहते हैं
रंगोली में बेमेल रंगों को भरते रहते हैं
करें चिंतन अन्यथा
उलझे रहना पड़ता है
अच्छी किताबें और..
बेवजह गड़े मुर्दे उखाड़ते रहते हैं
कभी हांफते कभी श्रृंगार करते हैं
रुको झुझो
अन्यथा
छींकें से लटकना पड़ता है
अच्छी किताबें और..

निर्झर सा बह रहा है सावन

गीता अग्रवाल हैदराबाद

अठखेली कर रहा है सावन
बारिश की फुहार से
भीग रहा घर आंगन,
मन को लुभा रहा सावन
सबको भिगो रहा सावन।।
अठखेली कर रहा है सावन।
निर्झर सा बह रहा है सावन।।
नाचे छम छम मन मयूर-सा
आंख मिचौली रचे है दूर-सा
कभी बरसे मूसल धार सा
तहस-नहस भी कर जावे है सावन,
पेड़ पत्ती को धोता फुहार से
पल में निखार रहा सावन,
अठखेली कर रहा है सावन।
निर्झर सा बह रहा है सावन।।
कैसे सूरज को दीप दिखावें
पल में छुपाय रहे बादल
धरा को दुल्हन सा सजा के
खुद बराती बन जावे सावन,
घुलमिल करके मादक पवन सँग
तिरछी बौछार भर रहा है सावन,
अठखेली कर रहा है सावन।
निर्झर सा बह रहा है सावन।।
मयूर का मनभावन मौसम
नृत्य में ताल देता है छम्म-छम
बगिया खिली-खिली ही रहती
यौवन का दम भर देवे सावन,
सावन की तो बात निराली
सबके तन मन कर रहा है पावन,
अठखेली कर रहा है सावन।
निर्झर सा बह रहा है सावन,
बंजर भूमि पुकार रही कब से
हमको भी तर कर दे ये जम से
जहां भी बरसे दमदम धमके
मोती सा चमके है सावन,
छाता लेकर जो न निकले
उसको भिगो रहा है सावन,
अठखेली कर रहा है सावन।
निर्झर सा बह रहा है सावन।।
तीज त्योहार से भरे भरे दिन
नया जोश भर देवे है मन में ,
बम बम भोले गूंज हो रही
कांवर चल पड़े मनभावन,
जलाभिषेक का समय यही है
भक्त को तृप्त कर रहा है सावन,
अठखेली कर रहा है सावन।
निर्झर सा बह रहा है सावन।।

जिंदगी

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

जिंदगी जीने का दस्तूर होना चाहिये।
दुःख हो या सुख मन्जूर होना चाहिये।
वो बादे सबा वो बहार वो हसीन परी है।
उसके हाथों मे कोहिनूर होना चाहिये।
जीवन के दिन गिन कर क्यों काटते हो
जीवन मे ज़िन्दगी भरपूर होना चाहिये।
क्यों मांगते हो किसी होटल मे जाकर
अब तो हर घर मे तन्दूर होना चाहिये।
लकड़ी सीधी हो तो पहले काटी जाती है
इंसान को थोड़ा तो मग़रूर होना चाहिये।
दोस्तों मे दुश्मनों की पहचान कर लो
रक़ीबों से ज़ल्द ही दूर होना चाहिये।
मेरा सनम ख़ुदा का पैकर है
इस पैकर मे नूर होना चाहिये।
जख़्म मिले तो सह लो ख़ुशी ख़ुशी आप
इतना मत पालो की नासूर होना चाहिये।
रेणू को समझ है दुनिया दारी की
उसको नहीं गुरूर होना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

मानसून का कहर जारी

असम बाढ़ पर पीएम मोदी ने की हिमंता से बात, अबतक 61 की मौत, 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से राज्य में व्याप्त बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत का विवरण साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें बाढ़ की स्थिति, जलप्रलय से हुए नुकसान के पैमाने, राहत कार्यों की प्रगति और राज्य प्रशासन के सामने आने वाली चुनौतियों का जायजा लेने के लिए बुलाया था। मुख्यमंत्री के अनुसार, उन्होंने प्रधानमंत्री को असम सरकार की ओर से प्रभावित लोगों को राहत देने और यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी कि सहायता बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक परिवार तक पहुंचे।

सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ से हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। इसके साथ ही दोहराया कि केंद्र इस संकट के दौरान असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि भारत सरकार इस आपदा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी।'

असम में क्या हाल है?

असम में लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य और पड़ोसी क्षेत्रों में बाढ़ की लहरें बार-बार आ रही हैं, जिससे कई जिले प्रभावित हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ के कारण 11 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और बाढ़ प्रभावित जिलों के विभिन्न स्थानों पर बचाव अभियान जारी हैं। राज्य सरकार राहत शिविर चला रही है, आवश्यक सामग्री वितरित कर रही है और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत कर रही है, साथ ही केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

गुजरात में क्या स्थिति?

वहीं, शनिवार को गुजरात के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के चलते अधिकारियों को प्रमुख राजमार्गों को बंद करना पड़ा। निचले इलाकों में स्थित दर्जनों गांवों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी करनी पड़ी, संवेदनशील निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और रात भर बचाव अभियान चलाया गया क्योंकि प्रशासन हाई अलर्ट पर रहा।

भारी बारिश के कारण यातायात बाधित

भारी बारिश के कारण चांगोदर और बावला के बीच सनाथल-बागोदरा राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में वेजल्का-बागोदरा मार्ग से होकर धोलेरा एक्सप्रेसवे का उपयोग करने की सलाह दी। राजकोट से आने वाले वाहनों को भी वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने के लिए कहा गया था।

पाटन जिले में, संतालपुर तालुका के छंसारा गांव के 10 परिवारों के 35 लोगों को एहतियात के तौर पर एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। विस्थापित निवासियों को गांव के विद्यालय में ठहराया गया है। सुरेंद्रनगर जिले के पटड़ी तालुका के कोचाडा गांव में भी बचाव दल ने रात भर अभियान चलाया, जहां भारी बारिश के कारण छह लोग फंसे हुए थे।

बेकाबू हुए साइबर ठग? 30 महीने में डकारे 2.14 अरब रुपये; 42000 लोगों को कर चुके बर्बाद

फरीदाबाद, 25 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर अपराध अब छोटी-मोटी आनलाइन धोखाधड़ी नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये के संगठित अपराध का रूप ले चुका है। बीते ढाई वर्षों में साइबर ठग शहर के 42,281 लोगों से 2.14 अरब रुपये ठग चुके हैं। इसके बावजूद ठगी का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 16,035, वर्ष 2025 में 18,003 और वर्ष 2026 में अब तक 8,243 शिकायतें पुलिस के पास पहुंच चुकी हैं। यानी औसतन हर दिन करीब 10 लोग साइबर अपराधियों का शिकार बन रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक लोग शेयर बाजार में भारी मुनाफा, घर बैठे कमाई, क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने और आनलाइन निवेश के झांसे में फंस रहे हैं। पहले छोटे लाभ का भरोसा दिया जाता है और फिर लाखों रुपये की ठगी कर ली जाती है। पुलिस से प्राप्त आंकड़ों अनुसार ढाई साल में आई शिकायतों में 30 हजार से अधिक मामले इसी तरह के हैं। अब साइबर अपराधी केवल लालच ही नहीं, बल्कि डर का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। खुद को सीबीआई, क्राइम ब्रांच या अन्य केंद्रीय एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट, मनी लॉन्ड्रिंग या आतंकी गतिविधियों में फंसाने की धमकी देकर भी रकम ऐंठी जा रही है।

प्राणी संग्रहालय में आएगा एक सींगवाले गैंडे का जोड़ा, सात सौ किलोमीटर दूर से आएगा दरियाई घोड़ा सतीश

इंदौर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय आने वाले छह माह में और अधिक आकर्षक बनने जा रहा है। प्रबंधन ने केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) के एनिमल एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत कई नई और दुर्लभ प्रजातियों को शामिल करने की तैयारी शुरू कर दी है। इनमें सबसे खास एक सींग वाले गैंडे का जोड़ा है, जो प्रस्तावित योजना के अनुसार इंदौर आने पर मध्य प्रदेश के किसी भी चिड़ियाघर में पहली बार देखने को मिलेगा।

इसके अलावा हिप्पोपोटामस को लाने की तैयारी है। इसके अतिरिक्त विदेशी पक्षियों को भी संग्रहालय में लाने की योजना पर काम चल रहा है।

मकाऊ भी यहां आकर्षण का केंद्र है।चिड़ियाघर के प्रभारी डा। उत्तम यादव के अनुसार नए वन्यजीवों और आधुनिक सुविधाओं के शुरू होने के बाद इंदौर चिड़ियाघर में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी खासकर बच्चों, विद्यार्थियों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए थियेटर नया आकर्षण साबित होगा। इसका काम सात दिन के भीतर पूरा हो जाएगा।

पुणे पुलिस की बड़ी सफलता

88 करोड़ की ठगी के मास्टरमाइंड का प्रत्यर्पण, यूएई से भारत लाया गया अविनाश राठौड़

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मुनाफे का लालच देकर निवेशकों से करोड़ों रुपये की कथित ठगी करने वाले एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के मुख्य आरोपी अविनाश राठौड़ को पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रिया के बाद संयुक्त अरब अमीरात से भारत प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। करीब 88 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के इस हाई-प्रोफाइल मामले में आरोपी लंबे समय से फरार था और उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। पुलिस के अनुसार, मामले में वर्ष 2023 में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत 20 अप्रैल 2023 को दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद जांच आर्थिक अपराध शाखा, पुणे शहर को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि बाणेर स्थित एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के संचालक अविनाश राठौड़ और उनकी पत्नी विशाखा अविनाश राठौड़ ने निवेशकों को कम समय में अधिक और आकर्षक रिटर्न देने का वादा किया। लोगों से विधिवत निवेश समझौते किए गए, लेकिन बाद में उन समझौतों का पालन नहीं किया गया और निवेशकों की रकम वापस नहीं की गई। शिकायतकर्ता ने कंपनी में 86 लाख 37 हजार 500 रुपये का निवेश किया था, जिसे वापस नहीं किया गया। जांच आगे बढ़ने पर यह स्पष्ट हुआ कि केवल एक निवेशक ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों से इसी तरह निवेश कराया गया और कुल मिलाकर करीब 88 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। मामला दर्ज होने के बाद अविनाश और उसकी पत्नी विशाखा फरार हो गए। पुलिस को आशंका थी कि दोनों देश छोड़कर विदेश भाग सकते हैं।

अवैध कॉलोनियों की अव्यवस्थाओं पर फूटा भाजपा विधायक का गुस्सा, अधिकारियों को जमकर लगाई फटकार

भोपाल, 25 जुलाई (एजेंसियां)। शाजापुर शाजापुर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 25 की द्वारकापुरी कॉलोनी में बिजली व्यवस्था और अवैध कॉलोनियों को लेकर भाजपा विधायक अरुण भीमावद ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई।

विधायक कॉलोनीवासियों की शिकायत पर मौके पर पहुंचे थे। विधायक ने सड़क किनारे लगे बिजली मीटरों और पूरे क्षेत्र में फैले लटकते केबल के जाल को देखा। उन्होंने विद्युत मंडल, नगर पालिका और संबंधित विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों ने विधायक को बताया कि कॉलोनी में कई वर्षों से अस्थायी बिजली कनेक्शन हैं। कई जगहों पर बड़ी संख्या में बिजली मीटर एक ही स्थान पर लगे हैं, जिससे अव्यवस्था बढ़ गई है। सड़क किनारे लगे मीटरों से निकलने वाले केबल पूरे क्षेत्र में बेतरतीब फैले हुए हैं। रहवासियों ने यह भी बताया कि हाल ही में तेज आंधी के दौरान बिजली के तार और केबल नीचे गिर गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। निरीक्षण के दौरान विधायक अरुण भीमावद ने अधिकारियों से नाराजगी जताते हुए कहा, अवैध कॉलोनी कटी तुम्हारे क्षेत्र में, तुमने आज तक किसी को नोटिस दिया? किसी को बुलाया नहीं और मेरे सामने आकर फालतू बातें कर रहे हो। सब बंद कराओ, यह जितना भी अवैध काम है। विधायक ने एसडीएम से कहा कि मैडम, आप भी थोड़ा देख लीजिएगा, नहीं तो कलेक्टर मैडम को घुमा दीजिएगा, सूज पड़ जाएगी सबको। फिर यह मत कहना मेरा नहीं, मेरा नहीं है।

पूर्व डीएसपी दविंदर सिंह को अंतरिम जमानत नहीं, पिता के अंतिम संस्कार के लिए 5 दिन की कस्टडी पैरोल मंजूर

जम्मू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। विशेष एनआईए अदालत ने बर्खास्त डीएसपी दविंदर सिंह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। हालांकि, मानवीय आधार पर उन्हें पिता के अंतिम संस्कार से जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए पांच दिन की कस्टडी पैरोल देने की अनुमति दी गई है। दविंदर सिंह 27 जुलाई से 30 जुलाई तक श्रीनगर स्थित अपने घर पर होने वाले अखंड पाठ और अन्य अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे। इस दौरान वह पुलिस हिरासत में रहेंगे और उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच कार्यक्रम स्थल तक ले जाया जाएगा। उन्हें 31 जुलाई को वापस जेल लौटना होगा। दविंदर सिंह जनवरी 2020 से जम्मू की कोट भलवाल केंद्रीय जेल में बंद हैं। उन्हें दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकियों को ले जाते समय गिरफ्तार किया गया था। उस समय वह श्रीनगर एयरपोर्ट से जुड़े एंटी-हाइजैकिंग सेल में तैनात थे मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने की थी और बाद में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। वर्ष 2021 में उन्हें पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

उन पर यूएपीए, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा चल रहा है। दविंदर सिंह ने अपने पिता दीदार सिंह के निधन के बाद अंतिम संस्कार और अन्य रस्मों में शामिल होने के लिए 20 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। एनआईए ने अंतरिम जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। एनआईए ने मानवीय आधार पर कस्टडी पैरोल देने पर आपत्ति नहीं जताई थी, बशर्ते पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

'देवेंद्रजी महाराष्ट्र में ही रहेंगे'

फडणवीस के केंद्र में जाने की अटकलों के बीच बोलीं पत्नी अमृता

पंढरपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने शनिवार को कहा कि वह चाहती हैं कि उनके पति महाराष्ट्र में ही रहें। यह टिप्पणी भाजपा के दिग्गज नेता की भविष्य की भूमिका को लेकर चल रही अटकलों के बीच आई है। उन्होंने कहा कि अगर विरोध प्रदर्शन कागजी रिसाव के मुद्दे पर केंद्रित रहें तो वे जायज हैं। इसके साथ ही उन्होंने सरकार की ओर से ऐसे कागजी रिसाव को रोकने के लिए उठाए जा रहे सुधारात्मक उपायों की ओर भी इशारा किया। पंढरपुर में भगवान विट्ठल मंदिर में आषाढ़ी एकादशी की पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अमृता ने कहा, 'मैं महाराष्ट्र में रहना चाहती हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि देवेंद्रजी भी महाराष्ट्र में रहें।' हाल ही में, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया था कि अगर आने वाले महीनों में मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो फडणवीस केंद्र में जा सकते हैं।

राज्य में भाजपा का कोई मंत्री उनका पद संभाल सकता है। फडणवीस का मानना था कि राजनीति में भूमिकाएं बदलती रहती हैं। उनमें बदलाव होना भी चाहिए। परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों को लेकर चल रहे आंदोलन के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए अमृता फडणवीस ने कहा कि अगर आंदोलन केवल कागजात लीक तक सीमित है तो यह बिल्कुल ठीक है। सरकार पर्दे के पीछे सुधारात्मक कदम उठा रही है और अब हमें इसके परिणाम भी दिख रहे हैं,। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा अपेक्षित बदलाव किए जा रहे हैं। अमृता फडणवीस ने आगे कहा, 'हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सुधारात्मक उपाय कर रही है कि इस तरह के पेपर लीक न हों।'

शराबी ने थाने से उड़ाई पुलिस की बोलेरो, आठ लोगों को रौंदा; अब टीआई ने मामले में तोड़ी चुप्पी

पन्ना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पन्ना जिले के रैपुरा थाने में बुधवार 22 जुलाई को हुई घटना को लेकर आखिरकार थाना प्रभारी स्मिता सिंह बघेल ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूरा घटनाक्रम स्पष्ट किया। थाना प्रभारी ने लापरवाही के आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि थाने की शासकीय कार क्रमांक एमपी-03 ए-2067 में चाबी नहीं लगी थी। उन्होंने बताया कि वाहन काफी पुराना होने के कारण वह किसी भी चाबी से स्टार्ट हो सकता है। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन थाना प्रभारी स्वयं हत्या के एक गंभीर मामले (धारा 302) के आरोपी को पेश करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में शामिल होने पन्ना गई थीं। इसी दौरान ग्राम इमलिया निवासी सुखेंद्र सिंह बुंदेला थाने पहुंचा। थाना प्रभारी के मुताबिक, वह एक जमीन विवाद में राजीनामा कराने आया था। वहां मौजूद मुंशी अजय मिश्रा ने बातचीत के दौरान पाया कि वह अत्यधिक नशे में था। पूछने पर उसने शराब पीने की बात स्वीकार की। इसके बाद मुंशी ने उसे नशा उतरने के बाद आने के लिए कहा। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की बोलेरो काफी पुरानी है और उसमें कोई भी मोटरसाइकिल या अन्य चाबी लगाकर उसे स्टार्ट किया जा सकता है।

नीट पेपर लीक मामला, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाराष्ट्र में निकलेगी तिरंगा यात्रा

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर आज राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकलेगी। राज ठाकरे ने पोस्ट कर बताया है कि कल का मोर्चा बिना किसी राजनैतिक पार्टी के झंडे के निकला जाएगा। राज ठाकरे ने इस यात्रा को लेकर सभी को पत्र भी लिखा है। राज ठाकरे ने लिखा, मेरे सभी महाराष्ट्र सैनिकों और शिवसैनिकों के नाम, सप्रेम, जय महाराष्ट्र! आगामी 26 जुलाई को हम नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों, छात्रों के चल रहे आंदोलन और सरकार द्वारा इस आंदोलन को दबाने के प्रयासों के विरोध में 'तिरंगा मार्च' आयोजित कर रहे हैं।

इसके बारे में आपको दोनों दलों के नेताओं और केंद्रीय कार्यालयों की ओर से सूचना मिल चुकी होगी। राज ने कहा, यह 'तिरंगा मार्च' केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस के रवैये के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराने के लिए निकाला जा रहा है। साथ ही, इसका उद्देश्य यह संदेश देना है कि पूरा महाराष्ट्र छात्रों, उनके परिवारों और उन लोगों के साथ खड़ा है जो न तो दिल्ली जा सकते हैं और न ही मुंबई आकर अपना विरोध दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह गैर-राजनीतिक मार्च होगा। इसमें

किसी भी राजनीतिक दल का झंडा नहीं रहेगा और न ही किसी पार्टी या उसके नेताओं के समर्थन में नारे लगाए जाएंगे। केवल सरकार के खिलाफ विरोध और देशभर के छात्रों तथा युवाओं के समर्थन में आवाज़ उठाई जाएगी। भले ही इस मार्च का आह्वान मैंने और उद्धव जी ने किया है, लेकिन हमारे नाम के नारे भी नहीं लगाए जाएं। यह छात्रों का मार्च है और आप सभी इसे उसी भावना के साथ सफल बनाएंगे, मुझे पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा, कोई भी इस मार्च में बाधा डालने की हिम्मत नहीं करेगा, क्योंकि सभी जानते हैं कि हम क्या कर सकते हैं। फिर भी यदि कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश करें, गलत नारे लगाएं या वहां मौजूद अभिभावकों, विशेषकर महिलाओं और छात्राओं से अभद्र व्यवहार करें, तो उन्हें शांतिपूर्वक पास में मौजूद पुलिस के हवाले कर दें। जहां पुलिस मौजूद न हो, वहां परिस्थिति के अनुसार उचित तरीके से निपटने का अनुभव और सामर्थ्य आप सभी के पास है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र सैनिकों और शिवसैनिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मुझे विश्वास है कि आप सभी आएंगे।

6 दिन बाद फिर बहाल हुई अमरनाथ यात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना हुआ 18वां जत्था, वैष्णो देवी यात्रा भी शुरू

जम्मू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में लगातार बारिश, भूस्खलन और खराब मौसम की वजह से पिछले छह दिनों से रुकी अमरनाथ यात्रा शनिवार को आधिकारिक रूप से बहाल कर दी गई है। मौसम में सुधार आने और उधमपुर-रामबन मार्ग पर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के खुलने के बाद अधिकारियों ने भगवती नगर बेस कैंप से श्रद्धालुओं के नए जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, श्री माता वैष्णो देवी यात्रा भी शनिवार को पुनः बहाल कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार 18वें जत्थे में कुल 6,269 तीर्थयात्री शामिल हैं। इनमें 1,470 महिलाएं, 25 बच्चे और 54 साधु भी शामिल हैं, जो तड़के करीब 2.40 बजे 223 वाहनों के काफिले में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। मौसम और ट्रैक की स्थिति को देखते हुए फिलहाल जत्थे को केवल छोटे 14 किलोमीटर वाले बालटाल मार्ग के लिए भेजा गया है। 48 किलोमीटर वाले पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए अभी कोई काफिला रवाना नहीं किया गया है। जम्मू से कश्मीर जाने वाले सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षा बलों के कड़े घेरे और एस्कॉर्ट कॉन्वॉय के तहत ले जाया जा रहा है। 19 जुलाई को जम्मू-कश्मीर और पवित्र गुफा जाने वाले दोनों मार्गों (पहलगाम और बालटाल) पर भारी बारिश के चलते यात्रा को एहतियातन रोक दिया गया था।

ईडी का आरोप है कि सीएमआरएल ने वीना को केरल के पूर्व सीएम से संबंधों के कारण पेमेंट किया

प्रॉपर्टी ज़ब्त करने की मांग

कोच्चि, 25 जुलाई (एजेंसियां)। एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने आज आरोप लगाया है कि कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने वीना टी और उनकी कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को 2.78 करोड़ रुपये का पेमेंट किया। एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी के सामने दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, यह पेमेंट केरल के तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के साथ उनके निजी संबंधों के कारण किया गया था। यह रिपोर्ट कोच्चि स्थित सीएमआरएल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले के संबंध में सौंपी गई थी, जिसमें ईडी ने आरोपियों की प्रॉपर्टी ज़ब्त करने की मांग की है। जांच उन आरोपों से जुड़ी है कि सीएमआरएल ने बदले में कोई सर्विस लिए बिना एक्सलॉजिक को 2.78 करोड़ रुपये का पेमेंट किया। ईडी की रिपोर्ट के अनुसार, सीएमआरएल के फाउंडर और पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर एस एन शशिधरन कार्था ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ संबंधों का हवाला देते हुए, बिना कोई सर्विस लिए ही वीना और एक्सलॉजिक को पेमेंट किया गया था। एजेंसी ने कहा कि कार्था, जिनका कथित तौर पर सीएमआरएल पर नियंत्रण था, ने 15 वर्षों में 182 करोड़ रुपये का गबन करने की योजना बनाई। आरोप है कि बिना किसी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट या वास्तविक सर्विस के, खुद बनाए गए वाउचर के ज़रिए स्लज हैंडलिंग और ट्रांसपोर्टेशन खर्च के तहत 139 करोड़ रुपये को फर्जी नकद खर्च के रूप में दिखाया गया। ईडी ने आगे आरोप लगाया कि वेंडर्स द्वारा जारी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए इनवॉइस के ज़रिए 43 करोड़ रुपये का डायवर्जन किया गया।

इन वेंडर्स ने कथित तौर पर अतिरिक्त पेमेंट नकद में निकाला और कमीशन रखने के बाद पैसा सीएमआरएल अधिकारियों को वापस कर दिया। एजेंसी ने इन ट्रांज़ैक्शन को सीएमआरएल अकाउंट से किए गए सर्कुलर पेमेंट के रूप में बताया, जिन्हें कथित तौर पर नकद में वापस ले लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कथित सॉफ्टवेयर सर्विस के लिए एक्सलॉजिक को किए गए पेमेंट के समर्थन में वास्तविक काम का कोई सबूत नहीं था। इसमें यह भी कहा गया कि कार्था और वीना सहित अन्य लोगों के बयानों से संकेत मिलता है कि सीएमआरएल को कोई सर्विस या प्रोडक्ट नहीं दिया गया था।

बारिश और तबाही के चलते पीडीपी ने टाली स्थापना दिवस की वर्षगांठ, प्रभावित परिवारों के प्रति जताई संवेदना

श्रीनगर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हुई तबाही और जान-माल के नुकसान को देखते हुए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने अपना स्थापना दिवस समारोह स्थगित कर दिया है। पार्टी ने 28 जुलाई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को फिलहाल टालने का फैसला किया है। पीडीपी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह निर्णय पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के निर्देश पर लिया गया है। लगातार बारिश के कारण केंद्र शासित प्रदेश में कई लोगों की जान गई है और बड़ी संख्या में संपत्ति को नुकसान पहुंचा है।

पार्टी ने आपदा प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों,

खासकर राजोरी और पुंछ में बादल फटने की घटनाओं में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ खड़ी है।

अबू सलेम की जुर्माना भरने पर ही होगी रिहाई

नहीं तो 18 साल और जेल में रहना होगा सीबीआई ने टाडा कोर्ट का बताया

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई धमाकों के दोषी अबू सलेम को अगर जेल से रिहाई चाहिए तो उसे 16.51 लाख रुपये का जुर्माना भरना होगा। अगर पूर्व डॉन ऐसा नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। सीबीआई ने टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) यानी टाडा कोर्ट को यह जानकारी दी। यह जुर्माना सलेम पर 1993 के मुंबई सीरियल धमाकों के मामले और शहर के बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या के सिलसिले में लगाया गया था। इस महीने की शुरुआत में जेल अधिकारियों ने कोर्ट को बताया था कि सलेम को जुर्माना भरना है और अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उसे 18 साल और छह महीने की अतिरिक्त जेल की सज़ा काटनी होगी। सीबीआई की ओर से पेश हुए स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर दीपक साल्वी ने कोर्ट को बताया कि अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई 25 साल की सज़ा पूरी होने से पहले जुर्माना जमा करना होगा। यह जुर्माना 1993 के सीरियल धमाकों के मामले और शहर के एक बिल्डर की हत्या के सिलसिले में लगाया गया था। सीबीआई के अनुसार यह रकम 12 अक्टूबर 2030 को या उससे पहले जमा की जानी चाहिए। साल्वी ने सलेम को कोर्ट रजिस्ट्री में जुर्माना जमा करने का निर्देश देने की भी मांग की। सलेम ने पिछले महीने स्पेशल कोर्ट में अर्जी देकर अपनी सजा के आदेशों के तहत देय रकम के बारे में स्पष्टता मांगी थी और जेल अधिकारियों व प्रॉसिक्यूशन को निर्देश देने का अनुरोध किया था। दाऊद इब्राहिम के गैंग का पूर्व सदस्य अबू सलेम 1993 के धमाकों और 1995 में जैन की हत्या के सिलसिले में नवंबर 2005 में पुर्तगाल से भारत लाया गया था। सितंबर 2017 में, उसे सीरियल धमाकों में भूमिका के लिए टाडा एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

अबू सलेम का नाम बॉलीवुड अभिनेत्री मोनिका बेदी से भी जुड़ा रहा चुका है। दोनों के बीच प्यार की शुरुआत 1998 में हुई थी। दोनों दुबई में एक स्टेज शो के दौरान हुई थी। सलेम ने शुरुआत में पहचान छिपाकर मोनिका से फोन पर बातचीत शुरू की थी और उसे एक बिजनेसमैन बताया था। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। पुर्तगाल में गिरफ्तारी कानून से बचने के लिए दोनों ने फर्जी दस्तावेजों और नामों (सलेम ने आर्सलन अली और मोनिका ने फौजिया उस्मान नाम का इस्तेमाल किया।

रामायण में साईं पल्लवी के रोल पर दीपिका चिखलिया बोलीं- पता नहीं वो कैसी लगेंगी

रणबीर कपूर और निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म का ट्रेलर प्रोटेस्ट की वजह से टाल दिया गया। इसी बीच, रामानंद सागर की रामायण में सीता का प्रतिष्ठित किरदार निभा चुकीं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने फिल्म में साईं पल्ल्वी के सीता बनने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दीपिका चिखलिया ने साईं पल्लवी की अभिनय क्षमता की सराहना करते हुए कहा की वह एक बेहतरीन कलाकार हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीता जैसे प्रतिष्ठित किरदार की सफलता केवल कलाकार की लोकप्रियता पर नहीं बल्कि इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पर्दे पे उस भूमिका को कितनी सहजता, गरिमा और प्रभावशाली तरीके से निभा पाती हैं।

साई पल्लवी को लेकर दीपिका ने बोलीं ये बातें

एक इंटरव्यू के दौरान सबके दिलों पर राज करने वाली दीपिका ने बताया कि रामानंद सागर ने अपनी मशहूर रामायण के लिए कलाकारों का चयन करते समय अहम माना था। साईं पल्ल्वी के बारे में अपनी राय रखते हुए दीपिका ने कहा की उन्होंने उनका अभिनत देखा है और वो बेहद प्रभावशाली अभिनेत्री हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा की फ़िलहाल यह कहना मुश्किल है कि साईं पल्ल्वी सीता के किरदार में कैसी नजर आएंगी। उनके अनुसार, इस भूमिका में उनका प्रभाव तभी समझ आएगा, जब दर्शक उन्हें बड़े पर्दे पर सीता के रूप में देखेंगे।

साईं पल्ल्वी के कर्ली बालों को लेकर भी बोलीं दीपिका

इसके बाद दीपिका चिखलिया ने सीता के पारंपरिक स्वरूप का जिक्र करते हुए बताया कि रामानंद सागर अपने शो के लिए ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे, जो धार्मिक ग्रंथों में वर्णित सीता की छवि के करीब हो। उन्होंने कहा कि तुलसीदास की रामायण में सीता का वर्णन बड़ी बादाम जैसी आंखों, संतुलित कद-काठी, आकर्षक व्यक्तित्व और विशेष रूप रंग वाली महिला के रूप में किया गया है। उनके मुताबिक, रामानंद सागर को ये सभी गुण उनमें नजर आएथे इसलिए उन्हें इस भूमिका के लिए चुना गया।

दीपिका ने यह भी कहा की तुलसीदास की रामायण में कहीं भी सीता के घुंघराले बालों का उल्लेख नहीं मिलता। उनके इस बयान को कई लोग साईं पल्ल्वी के प्राकृतिक घुंघराले बालों से जोड़कर देख रहे हैं हालांकि उन्होंने किसी का नाम लेकर किसी तरह की कोई टिप्पणी नहीं की है। अंत में उन्होंने रामायण की पूरी स्टारकास्ट की तारीफ करते हुए कहा कि सभी कलाकार बेहद प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने कहा कि यदि निर्देशक की कल्पना के अनुरूप कलाकार अपने-अपने किरदारों में पूरी तरह फिट बैठते हैं तो फिल्म की कास्टिंग सफल मानी जाएगी। उनके अनुसार, कलाकारों की असली परीक्षा पर्दे पर उनके प्रदर्शन से ही होगी।

पहली तेलुगु फिल्म है, जिसमें एक महिला मुख्य भूमिका में है, यह बड़ी शुरुआत है

समांथा रुथ प्रभु

मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो । ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है। हमारे मामले में, ऐसा हुआ।

समांथा रुथ प्रभु ने साऊथ की फिल्मों में खूब नाम कमाया है। और उसने 'द फैमिली मैन 2' तथा 'सिटाडेल : हनी बनी ' जैसी वैब सीरीज से हिन्दी पट्टी के दर्शकों में भी खासी लोकप्रिय हो चुकी है। हाल ही में उसकी फिल्म 'मां इंटी बंगारम ' रिलीज हुई है। इस महिला प्रधान फिल्म ने साऊथ सिनेमा में इतिहास रच दिया है। रिलीज के एक महीने से भी कम समय में इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म की सफलता से वह खुश है। समांथा ने फिल्म के 100 करोड़ रुपए कमाने पर खुशी का इजहार करते हुए सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर और अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में समांथा का पति राज उससे पूछता है कि क्या वह वीडियो में कुछ दिलचस्प देखना चाहती है ? तो समांथा हां में जवाब देती है। जब वह राज का दिया हुआ आईपैड अनलॉक करती है तो फिल्म की ग्लोबल सफलता देखकर हैरान रह जाती है। वीडियो के आखिर में, मुस्कुराती हुई समांथा कहती है, “हमने 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया।

यह वीडियो शेयर करते हुए समांथा ने लिखा फिल्म के रिलीज होने पहले, मैं एक ही बात सोचती रहती थी कि क्या लोग फिल्म के बारे में बात भी कर रहे हैं? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे हैं, वे लोगों तक पहुंच रही हैं? क्या उन्हें पता है कि यह फिल्म आ रही है ?

उसने आगे लिखा, मेरे एक दोस्त ने एक एग्जिबिटर को फोन किया । उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूं। मेरे दोस्त ने पूछा, आप 'मां इंटी बंगारम' के बारे क्या सोचते हैं ? आपको क्या लगता है कि इसकी ओपनिंग कैसी होगी? तो एग्जिबिटर ने बिना हिचकिचाए कहा, कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा ? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म हो, तो ठीक है। लोग उसे ग्लैमर के लिए जानते हैं। मगर हीरोइन की लीड वाली फिल्म ? कौन देखने आएगा ? कोई नहीं । 'मां इंटी बंगारम ' के रिलीज होने से पहले लोगों की यही सोच थी ।

समांथा ने आगे लिखा, मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो । ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है । हमारे मामले में, ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह किसी बड़ी चीज की शुरुआत है ।

फिल्म ने रचा इतिहास

नंदिनी रैड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने लगभग 300 प्रतिशत बजट रिकवरी के साथ, साऊथ में महिलाओं के लीड रोल वाली फिल्मों के लिए इतिहास रच दिया है। यह ऐसी पहली तेलुगु फिल्म है, जिसमें एक महिला मुख्य भूमिका में है ।

बता दें कि उसकी अगली वैब सीरीज हिन्दी में बन रही है जिसका नाम 'रक्त ब्रह्मांड : द ब्लडी किंगडम है।' यह एक हाई- ऑक्टेन एक्शन फैंटेसी वैब सीरीज है, जिसे राज एंड डीके ने बनाया है और निर्देशन राही अनिल बर्वे कर रहा है । यह महत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट नैटफ्लिक्स की पहली भारतीय एक्शन- फैंटेसी सीरीज है, जिसमें दर्शकों को शाही सत्ता, पौराणिक दुनिया और दमदार ड्रामा से भरपूर एक भव्य काल्पनिक संसार देखने को मिलेगा। इनडोर शैड्यूल पूरा करने के बाद अब टीम बड़े पैमाने पर एक्शन से भरपूर आऊटडोर शूटिंग की तैयारियों में जुटी हुई है ।

मातृत्व ने मुझे नई ताकत और नया मकसद दिया है

समांथा के लिए यह समय दोहरी खुशी का है। जहां उसकी फिल्म 'मां इंटी बंगारम ' बड़ी हिट रही है वहीं वह मां बनने जा रही है। वह अपने पति और फिल्म निर्माता राज निदिमोरू के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही है।

हाल ही में समांथा ने मातृत्व को लेकर खुलकर बात की और कहा कि वह लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रही थी और मां बनने का एहसास उसके जीवन में 'नई ताकत और नया उद्देश्य' लेकर आया है।

उसने कहा, यह मेरे लिए बिल्कुल नया और बेहद रोमांचक अनुभव है लेकिन मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रही थी । मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी इसलिए मुझे पता है कि मैं इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और पूरे दिल से निभाऊंगी। मैं हमेशा अपनी जिंदगी की हर चीज को लेकर जुनूनी रही हूं लेकिन अब मुझे अपने भीतर एक अलग तरह की नई ताकत और नया उद्देश्य महसूस हो रहा है। मैं इस सफर को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं हर दिन नई चीजें सीख रही हूं, खुद को तैयार कर रही हूं और आने वाले हर अनुभव को खुले दिल से अपनाने के लिए आभारी हूं।

अ भि न य करियर के बारे में उसने कहा कि अ भि न य की प्रक्रिया और दर्शकों का प्यार, दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उसके अनुसार, ,मेरे लिए दोनों चीजें साथ-साथ चलती हैं। इसमें कोई शक नहीं कि असली खुशी रचनात्मक प्रक्रिया में होती है। किसी किरदार को स म झ ना , उ स की भावनाओं औ र उ स की दु नि या को म ह सू स करना और धी रे - धी रे खुद को उसी किरदार में ढालना, यही वह हिस्सा है, जिस पर मेरा नियंत्रण होता है और जिसे मैं दिल से पसंद करती हूं।

प्रोटेस्ट में शामिल होने के लिए एक्टर्स को मिल रहे पैसे आकांक्षा पुरी ने खोले प्रोटेस्ट के राज, बोलीं- मुझे भी आए ऑफर

बिग बॉस ओटीटी से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने

चल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट को लेकर एक ऐसा दावा किया है, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया है। विघ्नहर्ता गणेश में देवी पार्वती का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री का कहना है की मनोरंजन जगत के कुछ कलाकारों को इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पैसों का ऑफर दिया जा रहा है। आकांक्षा के इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नई बहस छिड़ गई है।

प्रोटेस्ट में शामिल होने के लिए एक्टर्स को मिल रहे पैसे

बातचीत के दौरान आकांक्षा पुरी ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि लोग किसी भी आंदोलन का इस्तेमाल प्रचार या कमाई का जरिया न बनाएं। उनके मुताबिक, सभी को सही मुद्दे और सही लोगों का साथ देना चाहिए, न कि निजी फायदे के लिए ऐसे मामलों का उपयोग करना चाहिए। आकांक्षा ने आगे कहा की वह इससे ज्यादा खुलकर कुछ नहीं कहना चाहतीं लेकिन उनका मानना है कि इंडस्ट्री से जुड़े कई एक्टर्स और कंटेंट क्रिएटर्स इस बात से वाकिफ हैं कि अलग-अलग पक्ष उनसे संपर्क कर रहे हैं। उनका उद्देश्य इस आंदोलन को प्रमोशन और मार्केटिंग का हिस्सा बनना नहीं है ताकी लोग रैलियों में शामिल होकर अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकें।

मैं कूड़े का हिस्सा नहीं बनना चाहती

इसके बाद आकांक्षा पुरी ने आगे कहा कि वह इस तरह की गतिविधियों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं। उनका मानना है कि किसी भी मुद्दे पर केवल सही बात और सही लोगों का समर्थन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी आंदोलन के साथ खड़े होने के लिए वहां शारीरिक रूप से मौजूद होना जरुरी नहीं है क्योंकि जरूरत पड़ने पर वह हमेशा लोगों के साथ खड़ी रहती हैं।

इसके बाद एक्ट्रेस ने छात्रों के प्रति अपनी जिंता जाहिर करते हुए कहा की उन्हें प्रदर्शन के दौरान सामने आए दृश्य देखकर काफी दुःख हुआ। उनके अनुसार ये छात्र देश का भविष्य हैं और उनके साथ ऐसा होते देखना बेहद पीड़ादायक है। आकांक्षा ने छात्रों के साथ देते हुए कहा कि उनकी मांगे सरकार को सुननी चाहिए।

स्टारडम से पहले रात-रात भर रोती थीं करिश्मा
बहन करीना ने बताया- पिता ने भी छोड़ दिया था साथ

करिश्मा कपूर हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने होने शानदार अभिनय से कई हिट फिल्मों में अपनी खास पहचान बनाई है। हालांकि, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाना उनके लिए आसान सफर नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके पिता रणधीर कपूर शुरुआत में उनके एक्टिंग करियर के पक्ष में नहीं थी। इसके बावजूद करिश्मा ने परिवार की सोच के खिलाफ जाकर अपनी मां बबिता का साथ दिया और महज 15 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखने का फैसला किया। हाल ही में करीना कपूर ने अपनी बहन करिश्मा के संघर्ष भर दिनों को याद करते हुए कई ऐसे किस्से साझा किए, जिनसे पता लोलो ने अपनी सफलता हासिल करने के लिए कितनी मुश्किलों का सामना किया था।

पिता ने भी छोड़ दिया साथ

करीना कपूर ने हाल ही में करिश्मा के जीवन में मुश्किल समय की कुछ बातें साझा की। उन्होंने बताया की जब करिश्मा ने फिल्मों में करियर बनाने का फैसला किया तो मां बबीता की सलाह पर उन्होंने अपने पिता रणधीर कपूर से इस बारे में बात की थी। कुछ खबरों के मुताबिक करीना ने कहा कि उस दौर में कई लोगों ने करिश्मा के साथ काम करने से मना कर दिया था। इतना ही नहीं, एक समय ऐसा भी आया जब उनके पिता रणधीर कपूर ने भी उनका साथ नहीं दिया।

लोलो रात-रात भर जागकर रोया करती थीं

करीना कपूर ने बताया कि मशहूर कपूर परिवार से होने के बावजूद करिश्मा कपूर को इंडस्ट्री में कोई विशेष सहारा नहीं मिला। उन्होंने कहा की राज कपूर जैसा बड़ा

नाम होने के बाद भी किसी ने करिश्मा का हाथ नहीं थामा। उस मुश्किल दौर में उनकी मां बबीता ने परिवार और बेटियों के लिए काफी स्ट्रगल किया। करीना के मुताबिक, करिश्मा कई रातों तक जागकर रोती रहती थीं और वह खुस यह सब चुपचाप देखा करती थीं। करीना ने आगे कहा कि उन्होंने मा और बहन के संघर्ष को बहुत करीब से महसूस किया है। उन्होंने देखा कि किस तरह लोग करिश्मा को कमतर दिखाने की कोशिश करते थे। हालात इतने खराब थे कि करिश्मा कई बार रोते-रोते ही सो जाती थीं, जबकि उनकी मां बबीता हर परिस्थिति में पूरे परिवार को संभालने की जिम्मेदारी निभा रही थीं।

आज सबसे मशहूर एक्ट्रेसस में से एक हैं करिश्मा कपूर

जीवन में इतना मुश्किल समय देखने के बाद भी करिश्मा ने हिम्मत नहीं हारी और आज इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ही ली। 1991 में प्रेम कैदी फिल्म से उन्होंने अपनी फ़िल्मी करियर की शुरुआत की और उस समय वो सिर्फ 16 वर्ष की थीं। 'राजा हिंदुस्तानी', 'हीरो नंबर 1', 'बीवी नंबर 1', 'जिगर', 'सपने साजन के', 'अनाड़ी', जैसी फिल्मों के बाद उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई।

अधूरा रह गया सुनील शेट्टी का 18 साल पुराना सपना बताया क्यों नहीं खरीद पाए थे आईपीएल टीम?

बॉलीवुड का लगभग हर बड़ा स्टार क्रिकेट को काफी पसंद करता है. अमिताभ बच्चन-अजय देवगन से लेकर सलमान खान और वरुण धवन तक कई सेलेब्स क्रिकेट के दीवाने हैं. वहीं बॉलीवुड के 'अन्ना' यानी सुनील शेट्टी भी क्रिकेट के जबरा फैन हैं. अब उन्होंने आईपीएल को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि चाहकर भी वो आईपीएल टीम के मालिक नहीं बन पाए थे.

आईपीएल टीम खरीदना चाहते थे सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया. इस दौरान उन्होंने क्रिकेट को लेकर खुलकर बात की. उन्होंने आईपीएल के पहले सीजन

यानी साल 2008 में आईपीएल की शुरुआत को याद किया और बताया कि कैसे उनका आईपीएल टीम के मालिक बनने का सपना अधूरा रह गया था. सुनील शेट्टी ने बताया, 'अगर किसी ने मेरा साथ दिया होता तो मैं आईपीएल टीम खरीद सकता था. आज काफी फंडर्स और इन्वेस्टर्स आपके साथ इन्वेस्ट करने के लिए रेडी रहते हैं, लेकिन उस वक्त ऐसा कुछ नहीं था. हम इतने पैसे खर्च करने की नहीं सोच सकते थे.' यानी सुनील शेट्टी को किसी और से फाइनेंशियल सपोर्ट मिलता तो वो आईपीएल टीम पर पैसा लगा सकते थे. आगे सुनील शेट्टी ने शाहरुख खान की तारीफ की. जिन्होंने जूही चावला और उनके पति जय मेहता के साथ मिलकर कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) फ्रैंचाइज़ी खरीदी थी. शाहरुख को दूरदर्शी इंसान बाते हुए एक्टर ने कहा, 'वो सही वक्त पर सही लोगों के साथ थे. उन्होंने जिंदगी में जो भी किया शानदार तरीके से किया.'

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे में बाहरी ताकतों का इस्तेमाल

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने किया साजिश वाला दावा

पटना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में सीजेपी प्रोटेस्ट और छात्रों के आंदोलन के अलावा सोनम वांगचुक के आमरण अनशन पर किए गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के पीछे बाहरी ताकतों का हाथ रहा। उन्होंने कहा कि देखिए भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय एकता, राष्ट्र की समृद्धि के लिए काम करता है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले गिरिराज सिंह

गिरिराज सिंह ने कहा कि और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस तरह से पहली बार जब छात्र अपनी मांग को लेकर के आए आने के बाद एक महीने के अंदर उन्होंने केवल परीक्षा ही नहीं हुई। लीक प्रूफ परीक्षा हुई।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

और रिजल्ट भी आया। लेकिन कुछ बाहरी ताकतों के कारण जो देश में अलग माहौल बनाने की कोशिश। पीएम नरेंद्र मोदी ने सदा से देश के युवा और देश के छात्रों के प्रति संवेदनशील रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में श्री धर्मेंद्र प्रधान जी का कार्यकाल कई महत्वपूर्ण सुधारों के लिए याद किया जाएगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के क्रियान्वयन, शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक और भविष्य उन्मुख बनाने तथा विद्यार्थियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों के माध्यम से उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि आज व्यापक हितों को सर्वोपरि रखते हुए उनका पद छोड़ने का निर्णय सार्वजनिक जीवन में उनकी प्रतिबद्धता और सेवा भावना को दर्शाता है।

शिक्षा और विद्यार्थियों के भविष्य के लिए उनके योगदान को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर इसके पीछे एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने छात्रों की आड़ में विपक्ष की भूमिका पर भी सवाल खड़ा किया है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर यूपी में जश्न, मेलोडी खिलाई

डांस किया, पोल पर चढ़े विरोध वाले बैनर-पोस्टर फाड़े

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार दोपहर यूपी के छात्रों ने जश्न मनाया। प्रयागराज में छात्र पोल पर चढ़ गए। टी-शर्ट हवा में लहराते हुए झूम उठे। छात्राओं ने इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर फाड़ते हुए कहा- यह युवाओं की बड़ी जीत है।

वाराणसी में छात्रों ने एक-दूसरे को मेलोडी टॉफी खिलाई। लखनऊ के इको गार्डन में जश्न जारी है। नगीना सांसद चंद्रशेखर की अगुआई में युवा प्रदर्शन कर रहे थे। जैसे ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिली, सब जश्न मनाने लगे। विरोध वाले पोस्टर-बैनर फाड़ डाले। एक युवती ने कहा- आज होली-दिवाली की खुशी एक साथ मिली है।

नैतिकता नहीं, मजबूरी में दिया धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा

कांग्रेस ने कहा- ये राहुल गांधी और युवाओं की जीत है

रायपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नैतिकता के आधार पर नहीं राजनैतिक मजबूरी है। धर्मेन्द्र प्रधान एवं भारतीय जनता पार्टी में नैतिकता होती तो मार्च में जब नीट का पेपर लीक हुआ था उसी समय धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हो जाता। भाजपा ने हर संभव नीट के मामले को दबाने तथा युवाओं के अधिकार को कुचलने का काम किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब लगातार छात्रों की मांग को लेकर दबाव बनाने लगे देशभर में सरकार के खिलाफ आवाज उठी। जिसके बाद मजबूरी में धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा आया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जिस प्रकार से पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ

आम जनता विरोध में है। छात्र नौजवान दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर देश के हर शहर में आंदोलन कर रहे हैं। यह बताता है कि सरकार जनता के विश्वास खो चुकी है। प्रधानमंत्री अपनी विफलता स्वीकार करें तथा तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें।

दीपक बैज ने कहा कि किसी प्रधानमंत्री और सरकार के खिलाफ देश के युवाओं में ऐसा आक्रोश पहली बार देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री जनभावना की कद्र करें और इस्तीफा दें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पेपर लीक का संकट अब एक राष्ट्रीय महामारी का रूप ले चुका है। मोदी की सरकार आने के बाद से देश में अब तक 150 से अधिक पेपर लीक की घटनाओं ने 7.5 करोड़ छात्रों और उनके परिवारों को सीधे प्रभावित किया है, लेकिन अब तक एक भी दोषी को सजा नहीं मिली है।

बैज ने कहा कि लाखों अभ्यर्थी भारी दबाव के बीच औसतन पांच वर्षों तक प्रतिदिन 10 घंटे पढ़ाई कर परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इस तैयारी में न केवल अभ्यर्थियों, बल्कि उनके परिवारों को भी भारी आर्थिक बोझ और त्याग का सामना करना पड़ता है। क्योंकि अन्य अवसरों के दरवाजे उनके लिए बंद होते जा रहे है, इसलिए हर साल लगभग 9 करोड़ अभ्यर्थियों को केवल 6 लाख सरकारी नौकरियों के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

रामगढ़ पुलिस ने तीन नशा तस्करों को पकड़ा

13 .65 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद, सघन एंटी-क्राइम चेकिंग में पकड़े गए सभी आरोपी

रामगढ़, 25 जुलाई (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले की भदानीनगर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 13.65 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पतरातु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा (आईपीएस) ने इस कार्रवाई की जानकारी दी। एसपी रामगढ़ को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति एक बिना नंबर प्लेट की हरे और काले रंग की बजाज पल्सर डोमिनार मोटरसाइकिल से अवैध ब्राउन शुगर (हेरोइन) लेकर भुरकुंडा से रामगढ़ मुख्य मार्ग होते हुए बरकाकाना की ओर जा रहे हैं।

इस सूचना के आधार पर, सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस ने भदानीनगर ओपी गेट के सामने मुख्य मार्ग पर सघन एंटी-क्राइम चेकिंग शुरू की।

मतकमा चौक की तरफ से आ रही एक संदिग्ध बजाज डोमिनार बाइक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया।

हालांकि, बाइक सवार पुलिस बल को देखकर मोटरसाइकिल घुमाकर भागने का प्रयास करने लगे। छापेमारी दल ने पीछा कर घेराबंदी करते हुए तीनों युवकों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान एजाज अंसारी, अजमत अंसारी और राहुल कुमार बेदिया के रूप में हुई है। सभी भदानीनगर चिकोर के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान 40 पुड़िया, जिसका कुल वजन 13.65 ग्राम (टेप सहित) ब्राउन शुगर (हेरोइन) और अन्य सामग्री बरामद की गई। बरामद सामान का अनुमानित मूल्य 40 हजार रुपए हैं। इसके बाद, पकड़े गए तीनों व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

सीजीपीएससी पेपर लीक में बड़ी कार्रवाई पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी गिरफ्तार

रायपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की परीक्षा में पेपर लीक और धनशोधन के आरोपों में टामन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार किया है। टामन सिंह सोनवानी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष थे। टामन सिंह सोनवानी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तारी की जानकारी अधिकारियों ने दी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आया है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) द्वारा वर्ष 2020 और 2021 में आयोजित राज्य सेवा परीक्षाओं के पेपर लीक होने और परीक्षा प्रक्रिया में हेरफेर के आरोपों से संबंधित है।

अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के बाद टामन सिंह

एग्जाम प्रोसेस में किया था हेरफेर

सोनवानी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने दावा किया कि पूछताछ के दौरान सोनवानी के जवाब ''टालमटोल वाले'' रहे। उन्होंने कहा कि आयोग के पूर्व अध्यक्ष को रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया जाएगा, जहां ईडी उनकी हिरासत का अनुरोध करेगी। धनशोधन की यह जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई है।

सीबीआई ने 2 साल पहले सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार किया था।

उनके साथ बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के डायरेक्टर श्रवण कुमार गोयल को भी गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई का आरोप है कि सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताएं हुईं और कथित तौर पर प्रभावशाली लोगों के रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी समेत अन्य पदों पर चयनित कराने के लिए अवैध लेन-देन हुआ।

सीबीआई के मुताबिक, टामन सिंह सोनवानी के कार्यकाल में सीजीपीएससी में हुई भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। आरोप है कि, उन्होंने अपने कई करीबी रिश्तेदारों और कांग्रेस नेताओं और अधिकारियों के 18 रिश्तेदारों की नौकरी लगवाई है।

दो बाइक की टक्कर, दो की मौत

तीन गंभीर रूप से घायल, रांची रिम्स रेफर गणेशपुर हाई स्कूल के पास हुआ हादसा

लातेहार, 25 जुलाई (एजेंसियां)। लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा गणेशपुर हाई स्कूल के पास दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर से हुआ।

मृतकों की पहचान हजारीबाग के केरेडारी निवासी महावीर गंझू (32) और चतरा के टंडवा सिमरटांड निवासी पंकज उरांव (23) के रूप में हुई है। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। घायलों में चतरा के टंडवा बगलता निवासी सविता देवी (35), बालूमाथ के गोलीटांड निवासी फूलमती (13) और चतरा के टंडवा सिमरटांड निवासी संजय उरांव (21) शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महावीर गंझू अपनी बाइक पर दो अन्य लोगों के साथ अपने ससुराल गोलीटांड से आ रहे थे। इसी दौरान गणेशपुर से बालूमाथ की ओर आ रही दूसरी बाइक, जिस पर संजय उरांव और पंकज उरांव सवार थे, बगौता गणेशपुर के पास आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्नेह फाउंडेशन के शशि भूषण और संस्था के सदस्य सीसीएल की मोबाइल मेडिकल यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी घायलों को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉ. अलीशा टोप्पो और डॉ. खुशबू ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

तालाब में समाई स्विफ्ट कार 5 लोगों की मौके पर मौत

राजगढ़, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खुजनेर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार कार क्रमांक एमपी 09 सीसी 6414 भीलखेड़ी जोड़ के पास स्थित तालाब में अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे के समय कार में पांच लोग सवार थे।

सूचना मिलते ही खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसे के समय कार के सभी दरवाजे और शीशे बंद थे। इसके कारण कार में सवार लोग बाहर नहीं निकल सके। ग्रामीणों और पुलिस ने कार के शीशे तोड़कर लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक मृतकों की जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान अरनिया खुर्द, अवंतीपुर बड़ोदिया, मोहन बड़ोदिया और हताई खेड़ा के निवासियों के रूप में होने की संभावना है। परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने सभी शवों को पहचान के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों के पहुंचने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

परी कराएगी धन की बारिश! झांसे से नाराज शख्स ने तांत्रिक को उतारा मौत के घाट

रांची, 25 जुलाई (एजेंसियां)। रांची में सदर थाना क्षेत्र के खोरहाटोली में हुए रमेश ठाकुर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस मामले में रांची पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में डोरंडा के पोखरटोली निवासी अमित चौधरी, श्रीजन बिल्डकॉन निवासी निरंजन स्वांसी उर्फ नीरज और काली स्थान चर्चरोड निवासी सचिन कुमार गुप्ता शामिल हैं। पूछताछ में तीनों आरोपियों में अपनी संलिप्तता स्वीकर कर ली है।

मुख्य आरोपी सचिन गुप्ता ने पुलिस को बताया कि रमेश ठाकुर खुद को तांत्रिक विद्या का जानकर बताकर पाखंड करता था। वो 'परी से मुलाकात' और 'धन वर्षा' का झांसा देकर उनलोगों को अपने कमरे में बुलाया था। इसके बाद

नेशनल वेटलिफ्टर समेत 3 गिरफ्तार

उसके साथ अप्राकृतिक यौनाचार करता था। पुलिस के अनुसार तीनों अभियुक्त धन वर्षा होने के प्रलोभन में आकर कथित तांत्रिक प्रक्रिया का पालन किया करते थे, परन्तु काफी समय बीत जाने के बाद भी धन वर्षा नही होने पर तीनों अभियुक्तों की ओर से योजना बना कर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

आरोपी के अनुसार, तांत्रिक रमेश की इन हरकतों से वो सभी परेशान हो चुके थे। इसी वजह से 21 जुलाई की रात सचिन ने अमित और निरंजन के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। योजना के तहत निरंजन पिस्टल लेकर पहुंचा और रमेश पर गोली चलाई, लेकिन निशाना चूक गया। इसके बाद तीनों ने पास में रखे हथियार से हमला कर रमेश की हत्या कर दी। वारदात के बाद उसके जेवरात लूटकर फरार हो गया। मामले में मृतक के बेटे आकाश ठाकुर के आवेदन पर 22 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रमेश ठाकुर हत्याकांड का मुख्य आरोपी रमेश गुप्ता मूल रूप से खूंटी का रहने वाला है। वो फिलहाल लोअर बाजार थाना क्षेत्र के चर्च रोड में रहता है। सचिन वेटलिफ्टिंग का खिलाड़ी भी है और राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रतिनिधित्व कर चुका है। पुलिस के अनुसार, करीब चार महीने पहले उसकी मुलाकात जमीन कारोबारी रमेश ठाकुर से हुई थी। रमेश ने खुद को तांत्रिक बताकर सचिन को 'परी से मिलाने' का झांसा दिया।

चतरा पुलिस ने 1 करोड़ का अफीम-डोडा जब्त किया

कुंदा से तस्कर गिरफ्तार, पलामू से बिहार भेजने की थी तैयारी

चतरा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने कुंदा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1 करोड़ रुपए मूल्य का अवैध अफीम और भारी मात्रा में डोडा बरामद किया है। इस मामले में तेगम गांव निवासी जलेश कुमार नामक एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फुलेश्वर महतो का 22 वर्षीय पुत्र जलेश कुमार अपने घर में मादक पदार्थों का बड़ा स्टॉक छिपाए हुए है। इसी सूचना के आधार पर कुंदा थाना पुलिस ने छापेमारी कर यह बरामदगी की।

पुलिस के अनुसार, यह अफीम और डोडा पलामू से लाकर बिहार भेजने की तैयारी की जा रही थी। चतरा जिले में अवैध अफीम की खेती और तस्करी का कारोबार लगातार जारी है, जिसके खिलाफ पुलिस अभियान चला रही है।

इस कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों की संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी है। पुलिस तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर उन पर नकेल कसने का प्रयास कर रही है। सूचना के सत्यापन के बाद, सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह की टीम ने त्वरित छापेमारी की। तलाशी के दौरान घर से 7.540 किलोग्राम अफीम और 293.900 किलोग्राम अफीम डोडा बरामद हुआ।

मौके से तौलने वाला एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और मोबाइल फोन भी जब्त कर आरोपी जलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले का खुलासा करते हुए चतरा एसपी एमिनोइस नैथानी ने बताया कि यह अफीम पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र में उगाई गई थी। वहां से लाकर इसे तेगम गांव में स्टॉक किया गया था।

मैं उसे कसकर गले लगाऊंगी और आरती उतारूंगी

अभिजीत दिपके के मां हुईं भावुक, पिता क्या बोले?

पुणे, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके की अगुवाई में असाधारण अभियान के चलते केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद शनिवार को उनके माता-पिता की महीनों पुरानी चिंता राहत और खुशी में बदल गई। अभिजीत की मां अनीता दिपके ने अपने आंसू रोकते हुए कहा कि मैं उससे जल्दी घर आने को कहूंगी। अगर वह नहीं आया, तो हम जाकर उसे वापस लाएंगे। मैं उसे कसकर गले लगाऊंगी और उसकी आरती उतारूंगी। पिछली बार जब वह यहां आया था, तो उसने यह कहते हुए मुझे आरती उतारने से रोक दिया था कि वह कोई खास व्यक्ति नहीं है।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर शहर में अपने घर पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि मैं बेहद खुश हूं। उसकी ईमानदारी की जीत हुई है। युवाओं के समर्थन ने उसकी मदद

की और उसने एक बड़ी जीत हासिल की। दिपके के भारत लौटकर आंदोलन शुरू करने के समय से उनकी मां चिंतित थीं। अनीता ने कहा कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी का आंदोलन शुरू होने के बाद वह सो भी नहीं पाती थीं।

अनीता ने कहा कि मैं हर समय चिंतित रहती थी। मेरी रातें बिना सोए बीतती थीं। हर सुबह, मैं अपना फोन देखने से भी डरती थी कि कहीं कोई परेशान करने वाला वीडियो न देख लूं। मैं तुरंत उसके दोस्तों को फोन करके पूछती थी कि वह सुरक्षित है या नहीं। दिपके के दोस्तों ने अनीता को आश्वस्त किया और बताया कि जब भी उसे पता चलता था कि उसकी मां चिंतित हैं, तो वह भावुक हो जाता था। आंदोलन के पहले दिन को याद करते हुए अनीता ने कहा कि वह चिंता और पीड़ा की वजह से रो पड़ी थीं। उन्होंने कहा कि आज मेरी आंखों में जो आंसू हैं, वे खुशी के हैं। प्रधान के इस्तीफे को युवाओं की जीत बताते हुए अनीता ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए हजारों युवाओं ने अथक परिश्रम किया। दिपके के पिता भगवानराव दिपके ने कहा कि बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के उनके बेटे की ओर से सीजेपी की स्थापना किए जाने के बाद से परिवार लगातार डर के साए में जी रहा था।

उन्होंने कहा कि जब उसने राजनीति में कदम रखा तो हम सभी चिंतित थे। वह मेरी इच्छा के खिलाफ गया। हमारे परिवार में किसी की भी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं रही है।

भगवानराव ने बताया कि उन्होंने गिरफ्तारी के डर से जून में दीपके से अनुरोध किया था कि वह अमेरिका से भारत न लौटे। उन्होंने कहा कि हम इतने डरे हुए थे कि शुरुआती दिनों में हम घर छोड़कर कोंकण में रहने चले गए थे। हम पर जबरदस्त दबाव था। हमें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकियां मिल रही थीं।

मवेशियों की तस्करी मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

ट्रायल पूरा होने तक सिर्फ पंजीकृत गौशाला या गोरक्षण संस्थान को ही सौंपे जाएंगे जब्त पशु

बिलासपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। तस्करी और कत्लखाने ले जाए जा रहे कृषि में उपयोग होने वाले मवेशियों को लेकर हाईकोर्ट ने अहम फैसला दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि मुकदमा चलने के दौरान पुलिस द्वारा जब्त किए गए मवेशियों की सुपुर्दगी किसी भी निजी व्यक्ति, वाहन चालक या उसके कथित मालिक को नहीं दी जा सकती। जब तक मामले की सुनवाई यानी ट्रायल पूरा नहीं हो जाता, तब तक जब्त मवेशियों को सिर्फ और सिर्फ पंजीकृत गौशाला, गोसदन या गोरक्षण संस्थान की कस्टडी में ही रखा जाएगा। दरअसल, जशपुर जिले के मनोरा पुलिस चौकी में ट्रक क्रमांक एचआर 55 क्यू 5980) को पकड़ा गया था।

खेत में काम कर रहे किसानों पर भेड़ियों का हमला

12 घायलों में बच्चे भी, ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से खदेड़ा, डीएफओ बोले- 'टीम मौके पर'

जमुई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। जमुई के झाझा प्रखंड की रजलाकला पंचायत के औरैया समेत कई गांवों में शनिवार को भेड़ियों के झुंड ने खेतों में काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया।

इस घटना में बच्चों समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। अचानक हुए हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई और खेतों में काम कर रहे लोगों के बीच भगदड़ की स्थिति बन गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण लाठी-डंडों के साथ मौके पर पहुंचे और जंगली जानवरों को खदेड़कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान कृष्ण कुमार (8), लखन यादव (55), कुंदन कुमार (12), लक्ष्मीनिया देवी (40), नीरज कुमार (18), ऋषभ कुमार (4), मुकेश यादव (36), माला सिन्हा (56), मुकेश बरनवाल (39), रितुराज (4), दशरथ यादव (55) और रिशु कुमार (4) के रूप में हुई है।

घायल लखन यादव ने बताया कि वह सुबह शौच के लिए बहियार की ओर गए थे, तभी भेड़ियों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके एक हाथ समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ गई हैं, जिससे किसानों और ग्रामीणों में भय बना हुआ है। उन्होंने वन विभाग और जिला प्रशासन से भेड़ियों को पकड़ने, इलाके में गश्त बढ़ाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

इस मामले में डीएफओ तेजस जायसवाल ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम को मौके पर भेज दिया गया है।

450 मिलियन डालर का प्राइवेट ऑफिस

हेलीकॉप्टर हैंगर भी, सर्गेई ब्रिन हैं सुपरयाट का मालिक?

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। गूगल के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन दुनिया के तीसरे बड़े रईस हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 256 अरब डॉलर है। अमीरों की लिस्ट में उनसे आगे उनके जोड़ीदार लैरी पेज ($276 अरब) और एलन मस्क ($719 अरब) हैं। ब्रिन अपने काम के प्रति इतने समर्पित रहते हैं कि समुद्र में जाने पर भी काम करना नहीं छोड़ते। उनकी 466-फीट यानी 142-मीटर लंबी मेगायाट 'ड्रैगनफ्लाई' इसका सबूत है। 450 मिलियन डॉलर (करीब 43,45,53,75,000 रुपये) की इस सुपरयाट को जर्मन शिपबिल्डर लुरसेन ने बनाया है। दुनिया के कई अमीरों के पास सुपरयाट हैं लेकिन ड्रैगनफ्लाई की बात ही अलग है।

ज्यादातर सुपरयाट में पूरे डेक स्पा, पूल या मनोरंजन के लिए रखे जाते हैं लेकिन ड्रैगनफ्लाई के डिजाइन में प्रोडक्टिविटी को सबसे ज्यादा अहमियत दी गई है। इसमें एक खास बिजनेस डेक है। इसमें प्राइवेट ऑफिस, हेलीकॉप्टर हैंगर, जिम और गेम्स रूम है। यह किसी लग्जरी याट पर बने सबसे अनोखे वर्कस्पेस में से एक है।

याट की खासियत

हालांकि जर्मन शिपबिल्डर कंपनी ने कभी भी सर्गेई ब्रिन के ऑफिस का सही साइज नहीं बताया है। लेकिन याट के डाइमेंशन के आधार पर इंडस्ट्री का अनुमान है कि यह लगभग 70 से 110 वर्ग मीटर में फैला है। अगर इसमें हेलीकॉप्टर फैसिलिटी, आने-जाने की जगह, जिम, गेम्स रूम और टेक्निकल स्पेस को मिला लिया जाए तो पूरे बिजनेस डेक का एरिया 1,000 वर्ग मीटर से ज्यादा होने का अनुमान है। ड्रैगनफ्लाई का गुप्त हेलीकॉप्टर हैंगर सिर्फ लग्जरी के लिए नहीं है, बल्कि यह एक प्रैक्टिकल मकसद भी पूरा करता है। याट के स्लीक लुक को बनाए रखने के लिए इसके ऊपरी हिस्से में स्थित यह हैंगर यात्रियों को हेलीकॉप्टर के जरिए आने-जाने की सुविधा देता है। याट की इंजीनियरिंग भी इसके काम पर केंद्रित सोच को दिखाती है। ड्रैगनफ्लाई में लुरसेन का डीजल-इलेक्ट्रिक हाइब्रिड प्रपल्शन सिस्टम इस्तेमाल किया गया है।

रिटायरमेंट से वापसी

ब्रिन 2019 में गूगल के डे टु डे मैनेजमेंट से हट गए थे, लेकिन चैटजीपीटी के लॉन्च के बाद एआई के तेजी से बढ़ने पर वह फिर से सक्रिय रूप से शामिल हो गए। 2025 के एक चर्चित इंटरनल मेमो में ब्रिन ने हफ्ते में 60 घंटे को प्रोडक्टिविटी के लिए सबसे सही समय बताया और कर्मचारियों को हर दिन ऑफिस में रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने तर्क दिया कि एआई की दौड़ के लिए असाधारण कमिटमेंट की जरूरत है।

गूगल पर कार्रवाई से भड़के ट्रंप

बोले- यूरोप को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि गूगल पर 1 अरब डॉलर का जुर्माना लगाने के बाद यूरोप को इसकी "बहुत बड़ी कीमत" चुकानी पड़ेगी। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ लगा सकता है और उनके खिलाफ नई व्यापारिक जांच भी शुरू कर सकता है। दरअसल, यूरोपीय आयोग ने गुरुवार को गूगल पर करीब 1 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया। आयोग का कहना है कि गूगल ने डिजिटल मार्केट्स एक्ट का उल्लंघन किया है। आरोप है कि गूगल अपने सर्च इंजन में अपने ही शॉपिंग, ट्रैवल और दूसरी सेवाओं को ज्यादा प्राथमिकता देता है, जबकि दूसरी कंपनियों की सेवाओं को पीछे दिखाता है।

गूगल पर लगाए ये आरोप

इसके अलावा, यूरोपीय आयोग ने कहा कि गूगल अपने प्ले स्टोर पर ऐप डेवलपर्स को ग्राहकों को दूसरे प्लेटफॉर्म पर बेहतर ऑफर दिखाने से भी रोकता है। आयोग का मानना है कि इससे बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है।

यूरोपीय संघ ने गूगल को 60 दिनों का समय दिया है ताकि वह अपने काम करने के तरीके में बदलाव करे। अगर कंपनी ऐसा नहीं करती है, तो उस पर रोजाना के कारोबार का 5% तक अतिरिक्त जुर्माना लगाया जा सकता है।

ट्रंप ने दे डाली धमकी

इस कार्रवाई से नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका यूरोप की "गुल्लक" नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टेक कंपनियों पर इस तरह का जुर्माना लगाना गलत और भेदभावपूर्ण है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि यूरोप जानबूझकर अमेरिकी कंपनियों को निशाना बना रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में ऐसी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिका सेक्शन 301 के तहत यूरोपीय संघ के खिलाफ जांच शुरू कर सकता है। यह अमेरिका का ऐसा कानून है, जिसके जरिए किसी देश की कथित अनुचित व्यापारिक नीतियों की जांच की जाती है।

जांच पूरी होने के बाद अमेरिका उस देश पर अतिरिक्त टैरिफ भी लगा सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की जांच पूरी होने में कई महीने लग सकते हैं, लेकिन अगर ट्रंप चाहें तो टैरिफ पहले भी लागू किए जा सकते हैं।

यूरोपीय संघ ने दी ये सफाई

यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष टेरेसा रिबेरा ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि बाजार में किसी भी कंपनी को केवल इसलिए फायदा नहीं मिलना चाहिए क्योंकि वह बड़ी कंपनी है। उनका कहना है कि हर कंपनी को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। वहीं, गूगल के वरिष्ठ अधिकारी केंट वॉकर ने यूरोपीय संघ के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह फैसला गूगल के उत्पादों को कमजोर करेगा और इसका नुकसान ग्राहकों को भी उठाना पड़ेगा।

पहले भी लग चुकी जुर्माना

यह पहली बार नहीं है जब यूरोप ने गूगल पर कार्रवाई की है। 2017 से अब तक यूरोपीय संघ कई बार गूगल पर अरबों डॉलर का जुर्माना लगा चुका है। इसमें एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम और ऑनलाइन विज्ञापन कारोबार से जुड़े मामले भी शामिल हैं। इस नए विवाद ने एक बार फिर अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर दोनों पक्ष सख्त रुख अपनाते हैं, तो इसका असर वैश्विक व्यापार, टेक कंपनियों और निवेशकों पर भी पड़ सकता है।

100 अरब डालर से कम रही मस्क की इस साल की कमाई

दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर की नेटवर्थ में क्यों आई गिरावट?

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। एलन मस्क हाल में दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनकी नेटवर्थ में काफी गिरावट आई है। इसकी वजह स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में आई गिरावट है। हाल में लिस्ट हुई स्पेसएक्स दुनिया की वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में नौवें नंबर पर फिसल चुकी है जबकि टेस्ला टॉप 10 से बाहर हो चुकी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 719 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 99.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। शुक्रवार को स्पेसएक्स के शेयरों में 2.68 फीसदी गिरावट आई। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 1.515 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। इस कंपनी में मस्क की करीब 42 फीसदी हिस्सेदारी है। इसी तरह इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 2.08 फीसदी गिरावट आई। इसका मार्केट कैप अब 1.236 ट्रिलियन डॉलर रह गई है और यह दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में 11वें नंबर पर खिसक गई है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 276 अरब डॉलर के साथ दूसरे और उनके जोड़ीदार सर्गेई ब्रिन तीसरे (256 अरब डॉलर) नंबर पर हैं। एमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस (255 अरब डॉलर) चौथे और माइकल डेल (225 अरब डॉलर) पांच नंबर पर हैं। मार्क जकरबर्ग ($212 अरब) छठे, जेंसन हुआंग ($171 अरब) सातवें, लैरी एलिसन ($166 अरब) आठवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट ($154 अरब) नौवें और वॉरेन बफे ($141 अरब) दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 28.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 83.5 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में 23वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 24.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18 -48
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष रविवार 26 July 2026
तिथि - द्वादशी 13-58 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - ज्येष्ठा 07-34 तक उप मूल
योग - ऐन्द्र 22-05 तक उप वैधृति
करण - बालव 13-58 तक उप कौलव

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य	कर्क	मे	कर्क---	05-18 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	सिंह---	07-34 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या---	09-40 बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला-----	11-46 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक---	13-56 बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु----	16-10 बजे
शनि	मीन	मे	मकर---	18-15 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ---	20-06 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन---	21-44 बजे
			मेष----	23-20 बजे
			वृष----	01-05 बजे
			मिथुन---	03-06 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 17-14 से 18-51 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05-53 - 07-32 अशुभ	शुभ। 18-50 - 20-14 शुभ
चंचल 07-32 - 09-09 शुभ	अमृत 20-14 - 21-37 शुभ
लाभ 09-09 - 10-46 शुभ	चंचल 21-37 - 22-59 शुभ
अमृत 10-46 - 12-23 शुभ	रोग 22-59 - 00-23 अशुभ
काल 12-23 - 13-59 अशुभ	काल 00-23 - 01-46 अशुभ
शुभ 13-59 - 15-37 शुभ	लाभ 01-46 - 03-09 शुभ
रोग 15-37 - 17-14 अशुभ	उत्पात 03-09 - 04-32 अशुभ
उत्पात 17-14 - 18-50 अशुभ	शुभ 04-32 - 05-53- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,): इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो): यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें। वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,): आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मु ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं ।आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,): आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खु, खे, खो, गा, गी): आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा): आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

2030 तक निर्यात 115 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद, लाखों रोजगार का रास्ता होगा साफ

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच लागू हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) भारतीय निर्यात के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आया है। उद्योग निकाय एसोचैम ने अपने एक अध्ययन में यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस समझौते के प्रभावी होने से 2030 तक ब्रिटेन को भारत का निर्यात 115 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। यह ऐतिहासिक समझौता इसी साल 15 जुलाई को आधिकारिक तौर पर लागू किया गया, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं। एसोचैम की रिपोर्ट बताती है कि कुल व्यापार का मार्ग भी तेजी से बढ़ेगा। यह 2025-26 में अनुमानित 58 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 115 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। इस व्यापारिक विस्तार से देश में 7 से 10 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होने की भी प्रबल संभावना है। यह आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

क्या भारत इस विशाल क्षमता को हासिल कर पाएगा?

भारत के लिए इस विशाल क्षमता को पूरी तरह से साकार करना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी। इसके लिए भारतीय व्यवसायों को अपनी निरंतर प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता के उच्च मानकों को हर हाल में पूरा करना होगा। साथ ही, विभिन्न प्रमाणन आवश्यकताओं का भी सख्ती से पालन करना सुनिश्चित करना होगा। मूल नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना भी अनिवार्य होगा, ताकि व्यापार में कोई बाधा न आए। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय स्थिरता मानकों को पूरा करना भी भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक होगा, जो वैश्विक बाजार में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाएगा।

सफलता की कुंजी क्या होगी?

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने इस दिशा में कुछ प्रमुख कारकों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया कि कारोबार सुगमता में सुधार के लिए किए गए सुधार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश करना भी आवश्यक होगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियां सुगम होंगी। एक मजबूत और कुशल आपूर्ति श्रृंखला का विकास भी सफलता की कुंजी होगा, जो उत्पादों को समय पर पहुंचाने में मदद करेगा। इन सभी मानदंडों को सफलतापूर्वक पूरा करके ही भारत इस समझौते का अधिकतम लाभ उठा पाएगा और अपनी निर्यात क्षमता बढ़ा सकेगा।

किन क्षेत्रों को मिलेगा सबसे अधिक लाभ?

निर्मल के. मिंडा के अनुसार, इंजीनियरिंग सामान क्षेत्र को इस व्यापार समझौते से विशेष रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है। यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। समझौते से इस क्षेत्र को मिलने वाला प्रोत्साहन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की वृद्धि को बढ़ावा देगा। यह एमएसएमई क्षेत्र देश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को भी गति प्रदान करेगा। यह समझौता कई भारतीय उद्योगों के लिए विकास के नए द्वार खोलेगा और उन्हें वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बनाने में मदद करेगा।

वित्त वर्ष 2026-27 में राज्यों को जीएसटी से 1.43 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ होने का अनुमान: एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीएसटी कलेक्शन और बेसिक एक्साइज ड्यूटी (बीईडी) में राज्यों की हिस्सेदारी को मिलाकर राज्यों को वित्त वर्ष 2025-26 की तुलना में करीब 1.43 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध अतिरिक्त लाभ मिलने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में जीएसटी कलेक्शन में फिर से तेजी देखने को मिल सकती है और इसकी सालाना वृद्धि 8-9 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के समय में जीएसटी कलेक्शन की रफ्तार में आई नरमी मुख्य रूप से रेट रैशनलाइजेशन की वजह से है, जो पहले से अनुमानित थी। संशोधित टैक्स व्यवस्था के तहत कंपेनसेशन सेस को समाप्त कर एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एईडी) लागू की गई है। इसके बाद जीएसटी और बेसिक एक्साइज ड्यूटी से राज्यों की कुल हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025-26 के लगभग 17.7 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 19.1 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है। एसबीआई के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर डॉ. सौम्य कांति घोष ने कहा कि कुल राजस्व हिस्सेदारी का आकार बढ़ा है और इसका सीधा फायदा राज्यों को मिलेगा। रिपोर्ट में बताया गया कि यदि वित्त वर्ष 2025-26 की तुलना में बेसिक एक्साइज ड्यूटी में 20 प्रतिशत वृद्धि मान ली जाए और पूरी अतिरिक्त राशि को एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एईडी) माना जाए, तो इसका अनुमानित मूल्य 35,874 करोड़ रुपए होगा। रिपोर्ट के अनुसार, पुरानी व्यवस्था में यही राशि कंपेनसेशन सेस के रूप में राज्यों को पूरी मिलती थी, लेकिन नई व्यवस्था में राज्यों को एईडी का केवल 41 प्रतिशत, यानी 14,708 करोड़ रुपए ही मिलेगा। इस आधार पर वित्त वर्ष 2026-27 में राज्यों को लगभग 21,000 करोड़ रुपए का काल्पनिक नुकसान दिखाई देता है, लेकिन रिपोर्ट का कहना है कि 28 राज्यों में इसे विभाजित करने पर यह राशि बहुत कम रह जाती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत जीएसटी किए जाने वाले पान और तंबाकू जैसे डीमेरिट गुड्स पर राज्यों को पहले की तुलना में अधिक राजस्व मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, 100 रुपए के टैक्स योग्य इंट्रा-स्टेट लेनदेन पर पहले राज्यों को 19.74 रुपए मिलते थे, जबकि नई व्यवस्था में यह बढ़कर 28.20 रुपए हो जाएगा। इस तरह राज्यों को प्रति 100 रुपए के टैक्स योग्य लेनदेन पर 8.46 रुपए का अतिरिक्त लाभ मिलेगा, जबकि केंद्र का हिस्सा केवल 3.54 रुपए बढ़ेगा।

क्रिप्टो पर बने रेगुलेटरी ढांचा, संसद की स्थायी समिति ने केंद्र सरकार से की सिफारिश

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरंसी के लिए एक सेल्फ रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन बनाया जाना चाहिए। यह एसआरओ मौजूदा वित्तीय नियामकों के तहत काम करे। क्रिप्टोकरंसी को लेकर देश में कोई स्पष्ट कानून नहीं होने और क्रिप्टो से मनी लॉन्ड्रिंग सहित दूसरे जोखिमों के बारे में आरबीआई के चिंता जताने के बीच संसद की एक स्थायी समिति ने ये सिफारिशें की हैं। वित्तीय मामलों से जुड़ी इस समिति ने संसद को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में कहा है कि क्रिप्टो सहित सभी वर्चुअल डिजिटल असेट्स के लिए एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में एसआरओ बनाया जाना चाहिए। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने कहा कि इस दिशा में बढ़ने से निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

निवेशकों की रक्षा हो

प्रस्तावित सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड 2025 के बारे में अपनी रिपोर्ट में समिति ने कहा है कि सरकार को क्रिप्टो, नॉन-फंजिबल टोकन और डीसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस टोकन सहित वीडीए के लिए उचित रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने पर विचार करना चाहिए। समिति ने यह भी कहा, 'ऐसे फ्रेमवर्क में गवर्नेंस, पारदर्शिता, खुलासों, निवेशकों की रक्षा, शिकायतों के समाधान, आचार संहिता के अनुपालन और उचित नियामकीय निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए। इससे अभी रेगुलेशन के मोर्चे पर जो खालीपन है, उससे उभरने वाले जोखिमों से निपटने में मदद मिलेगी, साथ ही बाजार में अनुशासन और निवेशकों के हितों की रक्षा को बढ़ावा मिलेगा।' अभी स्थिति यह है कि क्रिप्टोकरंसी में लेनदेन और इससे होने वाले प्रॉफिट पर टैक्स लगता है, साथ ही क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स खरीद-फरोख्त की जानकारी सरकारी एजेंसियों को देते हैं। हालांकि क्रिप्टो के लिए अलग से कोई कानून या रेगुलेटरी फ्रेमवर्क नहीं है। मडरेक्स के फाउंडर और सीईओ एडुल पटेल ने कहा, 'संसदीय समिति ने सही चिन्हित किया है कि भारत के सिक्योरिटीज फ्रेमवर्क से वीडीए का बाहर होना रेगुलेशन के लिहाज से एक अस्पष्ट क्षेत्र है। कमिटी ने जो कहा है, इंडस्ट्री लंबे समय से वही चिंता जताती रही है कि कंस्यूमर प्रोटेक्शन और मार्केट के नियमों की कमी के चलते निवेशकों के पास फ्रॉड, मैनिपुलेशन और दूसरे जोखिमों से बचने और समाधान पाने के सीमित रास्ते हैं।'

सोने ने फिर पकड़ी रफ्तार, एक हफ्ते में 2 हजार से ज्यादा हुआ महंगा, चांदी भी 2 लाख 20 हजार के पार

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर बढ़ती भू राजनीतिक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जहां शेयर बाजार बिकवाली के दबाव में जूझ रहा है, वहीं सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने और चांदी में इस सप्ताह जबर्दस्त तेजी देखने को मिली है। एक सप्ताह के भीतर सोने के भाव में 2,000 से ज्यादा और चांदी की कीमतों में 6,000 से ज्यादा का भारी उछाल आया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत इस सप्ताह 2,622 की बढ़त के साथ 1,43,781 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई, जो इससे पिछले हफ्ते 1,41,159 प्रति 10 ग्राम थी। बुलियन मार्केट में आई इस हालिया तेजी के बाद सोने के अलग-अलग कैरेट के दामों में बड़ा बदलाव दर्ज किया गया है। देश में इस वक्त 24 कैरेट शुद्ध सोने की कीमत में 2,622 की जोरदार तेजी दर्ज की गई है, जिसके साथ ही इसका भाव 1,41,159 के पिछले बंद स्तर से बढ़कर अब 1,43,781 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इसी तरह, गहनों में इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने की कीमतों में भी उछाल देखा गया है। इसका भाव 1,29,302 के पिछले बंद स्तर से बढ़कर 1,31,703 प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अलावा, 18 कैरेट सोने की कीमतों में भी तेजी आई है और यह 1,05,869 के पिछले बंद भाव से उछलकर 1,07,836 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है इस हफ्ते सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हफ्ते की शुरुआत में, यानी 20 जुलाई के सुबह के सत्र में सोना 1,41,915 प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गया था, जो इस सप्ताह का न्यूनतम स्तर रहा। हालांकि, इसके बाद बाजार में तेजी का रुख देखने को मिला और 23 जुलाई के सुबह के सत्र में सोने की कीमत बढ़कर 1,45,557 प्रति 10 ग्राम के अपने हफ्ते के शिखर पर पहुंच गई।

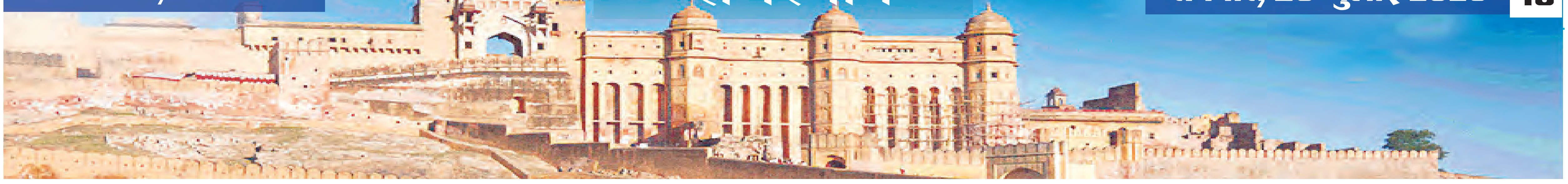

'इस्तीफा देने के बजाय लिया जाना चाहिए था'

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर क्या बोले गहलोत-डोटासरा-जूली?

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबरों के बीच राजस्थान की राजनीति में भी बयानबाजी तेज हो गई है। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटनाक्रम पर जयपुर में प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। जूली ने कहा कि यह इस्तीफा बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था और सरकार को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा मांगना चाहिए था न कि महज औपचारिक रूप से स्वीकार करना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि देश भर में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में जारी अनिश्चितता को लेकर हमारे नेता राहुल गांधी ने सबसे पहले आवाज उठाई थी और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए इस मांग को मजबूती से देश के सामने रखा था।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, "जवाबदेही से भागने वाली मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग के साथ पेपर लीक के

खिलाफ राहुल गांधी एवं लाखों छात्रों के संघर्ष की आज जीत हुई है। भारी दबाव के आगे पीएम मोदी को झुकना पड़ा है और अंततः शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा है। पीएम मोदी ने उनका काफी समय तक बचाव किया लेकिन उन्हें बचा नहीं पाए।"

गहलोत ने कहा, "आज ही मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने फिर दोहराया था कि प्रधान को बर्खास्त किया जाना चाहिए। यह इस लोकतंत्र की ताकत है कि तानाशाही करने वाली सरकार को देश की मांग के आगे झुकना पड़ा। यह इतिहास में दर्ज हो गया कि कैसे छात्रों पर पैलेट गन चलाने जैसी बर्बरता हुई और छात्रों की आवाज बुलंद करने वाले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कैसे घसीटा गया।"

पूर्व सीएम ने कहा, "आज लोकतंत्र की जीत हुई और तानाशाही की हार हुई है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली इस अंधी-बहरी सरकार को जनता माफ नहीं करेगी और हमारा यह संघर्ष छात्रों को न्याय मिलने तक जारी रहेगा।"

राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ₹युवाओं ने मोदी जी के अहंकार को तोड़ के दिखाया है। ये लड़ाई यहीं खत्म नहीं होती है। जैसा राहुल गांधी कहते हैं ये लड़ाई देश की शिक्षा व्यवस्था को बदलने की है और ये लड़ाई जारी रहेगी।₹

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने छात्रों के आंदोलन और विपक्ष की भूमिका को रेखांकित करते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। जूली ने कहा, ₹मैं कहना चाहता हूं कि देर आए दुरुस्त आए। इस्तीफा तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था। इस्तीफा देने की जगह इनसे (धर्मेंद्र प्रधान) इस्तीफा लिया जाना चाहिए था।₹

उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर एकत्र हुए छात्रों की चिंताओं को समझते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे देश में 'छात्रों की गूंज' अभियान चलाया था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की सबसे पहली और मुखर मांग राहुल गांधी द्वारा ही की गई थी। टीकाराम जूली ने केवल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक ही बात सीमित नहीं रखी, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों पर लगाए गए आरोपों पर भी कड़ा एतराज जताया। जूली ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने छात्र आंदोलन और जनविरोध को दबाने के लिए इसे 'विदेशी फंडिंग' का रंग देने की कोशिश की। सरकार ने यह दिखाने का प्रयास किया कि चीन, नेपाल या पाकिस्तान के खातों से समर्थन मिल रहा है, जो कि पूरी तरह भ्रामक था।

उन्होंने कहा कि पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जिस कपटपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से हिरासत में लिया गया/ले जाया गया, वह अत्यंत निंदनीय है।

अपने वक्तव्य के समापन में नेता प्रतिपक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह देश के भविष्य और युवाओं के साथ हुए पूरे प्रकरण पर अपना रुख साफ करे। जूली ने कहा कि इन सभी घटनाक्रमों के बाद सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि छात्रों और युवाओं के प्रति उसका दृष्टिकोण क्या है। राजस्थान के लाखों छात्र-छात्राएं जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उनके साथ हुए इस खिलवाड़ और आंदोलन के दौरान हुए व्यवहार पर सरकार को सामने आकर जवाब देना चाहिए।

'प्राइवेट यूनिवर्सिटी' खोलना हुआ और आसान, सरकार ने हटाई कई पाबंदियां

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश में उच्च शिक्षा के दायरे को विस्तार देने और नए शैक्षणिक निवेश को आकर्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण नीतिगत फैसला लिया है। पिछले 7 वर्षों से पुरानी जटिल गाइडलाइंस और जमीन संबंधी शर्तों के कारण एक भी नया निजी विश्वविद्यालय स्थापित नहीं हो पाया था, जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने भूमि एवं भवन संबंधी कठोर नियमों में तत्काल प्रभाव से महत्वपूर्ण संशोधन कर दिए हैं। नए जारी आदेशों के तहत अब नई निजी यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए स्पॉन्सरिंग बॉडी को 30 एकड़ के बजाय केवल 20 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही सरकार ने एक ही स्थान पर बड़ी जमीन न मिलने की समस्या का समाधान करते हुए दो अलग-अलग भू-खंडों पर भी विश्वविद्यालय स्थापित करने की विशेष छूट प्रदान की है। इस फैसले से प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए विकल्प मिलेंगे।

राजस्थान में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना में सबसे बड़ी बाधा विशाल भू-खंड की उपलब्धता थी, जिसे अब सरकार ने काफी हद तक सरल बना दिया है। भूमि के साथ-साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर और बिल्डिंग कारपेट एरिया के मानकों में भी व्यावहारिक बदलाव किए हैं।

भूमि की नई सीमाः पूर्व में जारी गाइडलाइंस के अनुसार नई निजी यूनिवर्सिटी शुरू करने के लिए कम से कम 30 एकड़ जमीन की अनिवार्यता थी, जिसे अब संशोधित कर 20 एकड़ कर दिया गया है।

40% खुला क्षेत्र अनिवार्यः सरकार ने शर्त रखी है कि 20 एकड़ के इस कुल परिसर में कम से कम 40% हिस्सा खुला क्षेत्र के रूप में संरक्षित रखा जाना जरूरी होगा ताकि हरित परिसर और खेलकूद जैसी गतिविधियों के लिए जगह उपलब्ध रहे।

कार्पेट एरिया और ओपन स्पेस का गणितः नई यूनिवर्सिटी स्थापित करने वाली स्पॉन्सरिंग बॉडी के पास न्यूनतम 25,000 वर्गमीटर का निर्मित भवन और न्यूनतम 25,000 वर्गमीटर का खुला क्षेत्र होना अनिवार्य होगा। दो टुकड़ों में भी बनेगी यूनिवर्सिटीः अक्सर शहरों के पास एकमुश्त बड़ी जमीन मिलना मुश्किल होता है। इसलिए सरकार ने अब एक ही स्थान के बजाय दो अलग-अलग भू-खंडों पर भी कुछ आवश्यक सुरक्षा और दूरी की शर्तों के साथ विश्वविद्यालय स्थापित करने की छूट दी है।

गृह और उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय से तैयार यह नया आदेश राज्य भर में तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जमीन की अनिवार्यता कम होने से शैक्षणिक संस्थाओं और स्पॉन्सरिंग बॉडीज के लिए भारी-भरकम बजट और विशाल भू-खंड जुटाने की चुनौती काफी हद तक खत्म हो जाएगी। राजस्थान में पिछले 7 सालों से एक भी नई प्राइवेट यूनिवर्सिटी का न खुलना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ठहराव की वजह बन रहा था। 30 एकड़ की सख्त शर्त और शहरी सीमाओं में इतनी जमीन का उपलब्ध न होना मुख्य कारण था जिसके चलते कई बड़े एजुकेशनल ग्रुप्स राजस्थान में निवेश करने से हिचकिचा रहे थे।

द वर्ल्ड्स हैप्पीएस्ट सिटीज में जयपुर 6वें नंबर पर

टॉप-10 में भारत का इकलौता शहर शामिल

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे खुशहाल शहरों में अब जयपुर भी शुमार हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म टाइम आउट की ओर से जारी द वर्ल्ड्स हैप्पीएस्ट सिटीज 2026 सूची में जयपुर को दुनिया का छठा सबसे खुशहाल शहर बताया गया है। खास बात यह है कि टॉप-10 में जगह बनाने वाला जयपुर भारत का एकमात्र शहर है। रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, जीवनशैली, स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी, पारंपरिक बाजार, खानपान और सामुदायिक जुड़ाव ने उसे दुनिया के सबसे खुशहाल शहरों में शामिल कराया। पर्यटन और संस्कृति के साथ आधुनिक शहरी जीवन का संतुलन भी जयपुर की बड़ी ताकत माना गया है।

टॉप 10 शहर : बाथ (ब्रिटेन),

गुलाबी नगरी घूमने आए विदेशी पर्यटक आमेर महल को देखने के बाद खुशी से झूम कर पोज देते हुए।

पनामा सिटी (पनामा), ग्वाडलहारा (मेक्सिको), मेडेलिन (कोलंबिया), क्राको (पोलैंड), जयपुर (भारत), शिकागो (अमेरिका), केपटाउन (दक्षिण अफ्रीका), शंघाई (चीन), गोथेनबर्ग (स्वीडन)

यह रिपोर्ट 24 हजार से अधिक लोगों के वैश्विक सर्वे पर आधारित है। इसमें लोगों से उनके अनुभव, सामुदायिक भावना, सकारात्मक माहौल, खुशी के मापक को आधार बनाया गया।

विदेशी पर्यटकों के बीच जयपुर की ब्रांड वैल्यू और मजबूत होगी। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सामने शहर की सकारात्मक छवि बनेगी। पर्यटन, होटल, हस्तशिल्प और स्थानीय कारोबार को बढ़ावा मिलेगा।

स्टूडेंट्स, स्टार्टअप व प्रोफेशनल्स के लिए आकर्षण बढ़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संभावनाएं मजबूत होंगी। रहने योग्य शहर के रूप में जयपुर की पहचान और मजबूत होगी। वैश्विक मंच पर भारत की शहरी संस्कृति का सकारात्मक प्रतिनिधित्व। निकायों पर शहरी सुविधाएं बेहतर बनाए रखने का दबाव भी बढ़ेगा।

₹विदेशी पर्यटक जयपुर को सिर्फ किलों और महलों के लिए नहीं, बल्कि यहां के लोगों की मेहमाननवाजी, खानपान और जीवंत माहौल के लिए भी पसंद करते हैं। अधिकांश पर्यटक यहां दोबारा आने की इच्छा जताते हैं। यही सामुदायिक भावना और सांस्कृतिक समृद्धि जयपुर को दुनिया के सबसे खुशहाल शहरों में शामिल करने की बड़ी वजह हैं।

कांग्रेस विधायक सहित 12 आरोपियों को कोर्ट ने किया बरी, सभी को दिया 'संदेह का लाभ'

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने 10 साल पुराने छात्र आंदोलन से जुड़े मामले में परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया, सतवीर चौधरी और पूजा भार्गव समेत सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों को आरोप साबित करने में विफल माना और सभी को 'संदेह का लाभ' देते हुए दोषमुक्त कर दिया। मामला 6 जून 2016 का है। राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा को लेकर छात्र प्रदर्शन कर रहे थे।

गांधी नगर थाना पुलिस ने रास्ता रोकने और राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया था। हालांकि, सुनवाई के दौरान आरोप सिद्ध न होने पर अदालत ने सभी को बरी कर दिया।

6 जून 2016 को गांधी नगर पुलिस थाने जयपुर में रिपोर्ट दर्ज हुई थी कि जयपुर में एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा को लेकर कुछ छात्र यूनिवर्सिटी के गेट के सामने प्रदर्शन कर रहे थे।

परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया

पुलिस के समझाने के बावजूद उन्होंने रास्ता जाम किया और यातायात बाधित किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया, धक्का-मुक्की की और सरकारी कार्य में बाधा डाली।

पुलिस के नाम पूछने पर उन्होंने अपने नाम सतबीर चौधरी, रामनिवास गावडिया सहित अन्य नाम बताए। इस पर पुलिस ने उनके खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, रास्ता रोकने, शांति भंग करने सहित अन्य आरोप में केस दर्ज किया और कोर्ट में चालान पेश किया था।

रामनिवास गावड़िया राजस्थान के नागौर जिले की परबतसर विधानसभा सीट से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायक हैं। वे युवा और सक्रिय नेता के रूप में जाने जाते हैं। 2018 में पहली बार विधायक चुने गए और 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के मानसिंह किनसरिया को करीब 10,316 वोटों से पराजित कर अपनी जीत दोहराई। उन्होंने 91,530 वोट प्राप्त किए।

रामनिवास गावड़िया क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान देते हैं। अस्पताल सुधार, नए बस स्टैंड निर्माण, परबतसर-मकराना ट्रेन सेवा, सड़क-बिजली सुविधा, तेजाजी मंदिर जीर्णोद्धार और चौपाटी विकास जैसे कार्य उनके प्रमुख योगदान हैं। वे विधानसभा में क्षेत्रीय मुद्दे जैसे अवैध शराब रोकथाम, खाद्य सुरक्षा और पशुपालन आदि सक्रियता से उठाते हैं। वे सचिन पायलट गुट से जुड़े माने जाते हैं। 2021 में उनकी शादी डॉ. मोनिका सारण से हुई। कुचामन सिटी से संबंधित गावड़िया राजस्थान विधानसभा के युवा चेहरों में शुमार हैं और स्थानीय जनता में लोकप्रिय हैं।

20 लाख की फिरौती के लिए सो रहे यूट्यूबर का अपहरण

पुलिस नाकाबंदी में स्कॉर्पियो छोड़ भागे बदमाश

टोंक, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पुलिस की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया। टोंक जिले से अगवा किए गए एक यूट्यूबर को पुलिस ने सही समय पर कार्रवाई करते हुए बदमाशों के चंगुल से सुरक्षित छुड़ा लिया है। इस मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को हथियार के साथ पकड़ा है, जबकि तीन आरोपी अभी भी फरार हैं। यह पूरी घटना टोंक जिले के निवाई थाना क्षेत्र की है। पीड़ित यूट्यूबर महेश गुर्जर अपने स्टूडियो में दोस्तों के साथ सो रहे थे। तभी अचानक कुछ बदमाश वहां पहुंचे और महेश को जबरन एक स्कॉर्पियो गाड़ी में डालकर ले गए। बदमाश महेश के परिवार वालों से 10 से 20 लाख रुपए की फिरौती वसूलने की साजिश बना रहे थे। जैसे ही महेश के अपहरण की खबर निवाई पुलिस को मिली, उन्होंने बिना वक्त गंवाए आसपास के जिलों की पुलिस को अलर्ट कर दिया। सूचना मिलते ही कोटपूतली-बहरोड़ के पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देश पर नीमकाथाना स्टेट हाईवे पर तुरंत नाकाबंदी लगा दी गई। सरूंड थाना पुलिस जब गाड़ियों की चेकिंग कर रही थी, तभी संदिग्ध स्कॉर्पियो टोल प्लाजा पर पहुंची।

पुलिस को देखकर बदमाशों ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे डिवाइडर के ऊपर चढ़ा दिया और तेज रफ्तार में भगा ले गए। इसके बाद सरूंड थानाधिकारी यशपाल सिंह और उनकी टीम ने तुरंत शहर के सभी प्रमुख रास्तों पर वायरलेस से मैसेज भेजकर अलर्ट जारी कर दिया। भागने की कोशिश कर रहे बदमाश आगे जाकर ट्रैफिक जाम में फंस गए। जब उन्होंने देखा कि पुलिस ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया है, तो वे अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी को रास्ते में ही छोड़कर पैदल भागने लगे। पुलिस ने तुरंत गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें अगवा किए गए यूट्यूबर महेश गुर्जर सही-सलामत मिल गए। बदमाशों ने रास्ते में महेश के साथ काफी मारपीट की थी, जिससे उनके सिर और शरीर पर चोटें आई थीं। पुलिस ने उन्हें तुरंत बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

घटना के बाद पुलिस ने टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी मदद से दो आरोपियों को ढूंढ निकाला। पकड़े गए बदमाशों के नाम आशीष मीणा और आदित्य हैं, जो टोंक जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस भी जब्त किए हैं।

होटल की खिड़की से पिछोला झील में गिरी 2 साल की मासूम, डूबने से मौत

उदयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। झीलों की नगरी उदयपुर में घूमने आए एक परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब उनकी दो वर्षीय बेटी होटल की खिड़की से फिसलकर सीधे पिछोला झील में जा गिरी. हादसा इतना अचानक हुआ कि परिजन कुछ समझ पाते, उससे पहले मासूम पानी में डूब गई काफी मशक्कत के बाद बच्ची को झील से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घंटाघर पुलिस थाने के एएसआई इशाक मोहम्मद अनुसार नई दिल्ली के फतेहपुर बेरी, असोला निवासी सोनू सिंह तंवर (34) अपनी पत्नी डॉ. मोनिका (29) और दो वर्षीय बेटी धीमही के साथ उदयपुर घूमने आए थे. परिवार शहर के एक होटल में ठहरा हुआ था.

शनिवार सुबह परिवार होटल की दूसरी मंजिल स्थित रेस्टोरेंट में नाश्ता करने पहुंचा. इसी दौरान हादसा घटित हुआ. संतुलन बिगड़ने से वह सीधे नीचे पिछोला झील में गिर गई. घटना के बाद होटल में अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद लोगों और होटल स्टाफ ने तत्काल रेस्क्यू शुरू किया और बच्ची को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है. यह हादसा पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करता है. खासकर झील किनारे बने होटल, व्यू प्वाइंट और ऊंचाई वाले स्थानों पर बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत रेलिंग, सुरक्षा जाल और अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह के दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके.

'चांदीपुरा वायरस' की दस्तकः दो मासूमों की मौत के बाद अलर्ट मोड पर स्वास्थ्य विभाग

बांसवाड़ा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। डूंगरपुर में जुलाई के तीसरे सप्ताह में एक बालिका की मौत के बाद अब सिरोही जिले में भी चांदीपुरा वायरस से एक बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। लगातार सामने आ रहे मामलों के बाद यह सवाल उठने लगा है कि राजस्थान और गुजरात के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में ही यह वायरस अधिक क्यों दिखाई दे रहा है। हालांकि इस संबंध में दोनों राज्यों के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अभी तक कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया है।

डूंगरपुर जिले के सीमलवाड़ा उपखंड स्थित रतनपुरा गांव की एक बच्ची की 15 जुलाई को मौत हो गई थी। बाद में उसकी मौत का कारण चांदीपुरा वायरस संक्रमण बताया गया। अब सिरोही जिले में भी एक बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। इससे पहले गुजरात के गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली और पंचमहल जिलों में भी इस वायरस के मामले सामने आ चुके हैं।

राजस्थान में वर्ष 2026 में चांदीपुरा वायरस संक्रमण का पहला मामला डूंगरपुर जिले में सामने आया। रतनपुरा गांव की बच्ची को 12 जुलाई को तेज बुखार और अन्य गंभीर लक्षणों के बाद गुजरात के हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 15 जुलाई को उसके नमूने जांच के लिए भेजे गए, लेकिन उसी दिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई और परिजन शव लेकर गांव लौट आए।

उस समय स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को इस मामले की जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में हिम्मतनगर अस्पताल ने जांच संबंधी जानकारी गुजरात स्वास्थ्य विभाग को भेजी। मरीज के डूंगरपुर निवासी होने के कारण गुजरात सरकार ने यह सूचना राजस्थान स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराई। 18 जुलाई को सूचना मिलने के बाद डूंगरपुर स्वास्थ्य विभाग ने रतनपुरा गांव में विशेष सर्वे और स्वास्थ्य जांच अभियान शुरू किया। घर-घर स्क्रीनिंग के दौरान किसी अन्य व्यक्ति में चांदीपुरा वायरस जैसे लक्षण नहीं मिले। एहतियात के तौर पर गांव में अब भी लगातार निगरानी रखी जा रही है।

डूंगरपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि चांदीपुरा वायरस मुख्य रूप से सैंड फ्लाई (रेतीली मक्खी) के माध्यम से फैलता है। कुछ मामलों में मच्छरों की भूमिका भी सामने आई है। उन्होंने बताया कि सैंड फ्लाई प्रायः पशुओं के आसपास पाई जाती है।

ट्रेन में सीट को लेकर विवाद, यात्री की पत्थर मार कर हत्या

भरतपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में रुदावल थाना क्षेत्र स्थित बंशी पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। ट्रेन में सीट को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद इस कदर बढ़ गया कि एक यात्री ने दूसरे यात्री के सिर पर भारी पत्थर से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के तुरंत बाद एक्शन में आई राजकीय रेलवे पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान संतोष (34 वर्ष) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का निवासी था। संतोष गुजरात के सूरत शहर में एक सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत था और अपने साले राधे के साथ रहता था। वह अवध एक्सप्रेस से अपने घर जाने के लिए निकला था। उसे लखनऊ पहुंचकर वहां से अपने पैतृक गांव हरदोई के लिए बस या दूसरी ट्रेन पकड़नी थी।

मृतक के भाई सुनील ने बताया कि परिजनों को सुबह सूचना मिली कि बंशी पहाड़पुर स्टेशन पर संतोष की हत्या कर दी गई है। खबर मिलते ही परिजन बयाना पहुंचे। मृतक के शव को बयाना अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

मानसून का 'अजीब मिजाज', कहीं 8 इंच बारिश से आफत, तो कई जिलों में अब भी सूखे का साया!

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में इस वक्त मानसून का एक बेहद विचित्र और विरोधाभासी रूप देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां पहाड़ी और सरहदी इलाकों में बादल ऐसा बरस रहे हैं कि जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं दूसरी तरफ राज्य का एक बड़ा हिस्सा अब भी बूंद-बूंद पानी को तरस रहा है। मानसून की देर से एंट्री और लंबे ब्रेक के कारण प्रदेश के कई जिलों में सूखे जैसे हालात बने हुए हैं, जबकि केवल 5 जिले ही ऐसे हैं जहां अब तक औसत से ज्यादा बारिश हो सकी है। सिरोही के माउंट आबू में कुदरत का ऐसा कहर टूटा कि महज 24 घंटों में 203 मिमी (लगभग 8 इंच) अतिभारी बारिश दर्ज की गई। अजमेरः काला बाग इलाके में शनिवार सुबह तीन दिन से हो रही बारिश के कारण एक जर्जर मकान की 8-10 फीट ऊंची दीवार गिर गई, जिसके मलबे में 3 मोटरसाइकिलें दबकर चकनाचूर हो गईं। भारत-पाक सीमा से सटे चौहटन और सेड़वा तहसील के गांवों में सड़कें दरिया बन चुकी हैं। सरूपे का तला और बीजांसार गांवों के कई घरों में पानी घुस जाने से हाहाकार मचा है।

नागौर से जोधपुर तक फैले नशे के सिंडीकेट का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नागौर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने जोधपुर से लेकर नागौर और बीकानेर तक फैले नशा तस्करी के बड़े सिंडीकेट का पर्दाफाश कर चार तस्करों को दबोचा है। इनमें तीन जने नागौर के रहने वाले है जबकि एक बीकानेर का है। इस सिंडीकेट से जुड़े करीब 20 नशा कारोबारियों की पुलिस ने पहचान की है। जिनकी तलाश के लिए बीकानेर, नागौर और जोधपुर पुलिस संयुक्त रूप से तलाश कर रही है। ऑपरेशन नीलकंठ के तहत बीकानेर सदर थाना पुलिस ने सबसे पहले इस गिरोह का पता लगाया। तीन दिन तक पुलिस निगरानी के बाद बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में पुलिस ने एमडीएमए की आपूर्ति करने पहुंचे दो तस्करों को दबोचा। इनमें एक नागौर निवासी असलम उर्फ इस्लामुद्दीन व दूसरा भीनासर बीकानेर निवासी ताराचंद सारस्वत है। यह अस्पताल की पार्किंग में अजाज खान नामक व्यक्ति को मादक पदार्थ की सप्लाई देने पहुंचे। अजाज खान के पास पहुंच पाते, इससे पहले ही पुलिस टीम ने दोनों को दबोच लिया।

15 फीट लंबे अजगर के हमले से बाल-बाल बची मासूम, ग्रामीणों ने बकरी को चंगुल से छुड़ाया

बारां, 25 जुलाई (एजेंसियां)। 12 से 15 फीट लंबे एक अजगर ने बकरी चरा रही बालिका पर हमला कर दिया। बालिका ने किसी तरह अपनी जान बचाई, जबकि ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर अजगर के चंगुल से बकरी को छुड़ाया। बाद में वन विभाग की टीम ने अजगर का रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया। जिले के पाठेड़ा गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब झाड़ियों में घात लगाए बैठे एक विशालकाय अजगर ने बकरी चरा रही एक बालिका पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि बालिका फुर्ती दिखाते हुए समय रहते वहां से भाग निकली, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि अजगर ने उसकी एक बकरी को अपने शिकंजे में जकड़ लिया। जानकारी के अनुसार बालिका गांव के पास अपनी बकरियां चरा रही थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे करीब 12 से 15 फीट लंबे अजगर ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बालिका के पीछे हटते ही अजगर ने पास खड़ी एक बकरी को अपने जबड़ों में दबोच लिया। बालिका की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पत्थर फेंककर और अन्य प्रयासों से बकरी को अजगर के चंगुल से छुड़ाया।

वर्षाजल संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है : पोन्नम

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को नागरिकों से वर्षा जल संरक्षण को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेने का आग्रह किया और राजधानी में बढ़ती जल मांग के बीच भूजल को रिचार्ज करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सैफबाद साइंस कॉलेज परिसर में वर्षा जल संचयन सुविधाओं का शुभारंभ करते हुए, उन्होंने प्रत्येक घर और संस्थान में जल संचयन प्रणाली और सोख गड्ढे लगाने का आह्वान किया, साथ ही यह भी बताया कि शहर में हजारों बोरवेल सूख चुके हैं। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य वर्षा जल संचयन में देश का अग्रणी राज्य बनना है और घोषणा की कि सरकारी कार्यालयों, मंत्रियों के आवासों और विधानसभा में जल्द ही ऐसी प्रणालियां अनिवार्य कर दी जाएंगी। इस अवसर पर पोन्नम ने 'पानी की हर बूंद बचाएं- पर्यावरण की रक्षा करें' नारे के तहत पौधे लगाए और वर्षा जल संरक्षण तथा भूजल संरक्षण की शपथ दिलाई। सूखे बोरवेलों में वर्षा जल संचयन इंजेक्शन पॉइंट लगाने से उनमें जल स्तर को फिर से भरने में मदद मिल सकती है। उन्होंने जनता से इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने का आग्रह किया, क्योंकि राज्य सरकार इन संचयन प्रणालियों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संरक्षण भविष्य की जरूरतों को पूरा करने का स्थायी समाधान है।

जेन-जी को 21 वर्ष की आयु में विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने का अधिकार मिले : रेवंत रेड्डी

विधानसभा में विशेष प्रस्ताव लाकर केंद्र को भेजेगी तेलंगाना सरकार

जंतर-मंतर में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कैंडल मार्च में शामिल हुए मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि देश की सर्वोच्च विधायी संस्थाओं (लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और विधान परिषद) में जेन-जी (नई पीढ़ी) की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि तेलंगाना विधानसभा में विशेष प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष तथा राज्यसभा एवं विधान परिषद के लिए 30 वर्ष से घटाकर 25 वर्ष करने की मांग की जाएगी। मुख्यमंत्री शनिवार रात पीपुल्स प्लाज़ा से नेकलेस रोड तक तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) द्वारा आयोजित कैंडल मार्च में शामिल हुए। यह मार्च नीट प्रश्नपत्र लीक मामले, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग, आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों को मुआवजा देने तथा जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में निकाला गया। सभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि सिंगापुर, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे कई देशों में 21 वर्ष की आयु में भी प्रधानमंत्री बनने का अवसर है, तो भारत के युवाओं को यह अवसर क्यों नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि 21 वर्ष की आयु में युवा भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवाओं जैसी सर्वोच्च सिविल सेवाओं में चयनित हो सकते हैं, तो उन्हें संसद और विधानसभाओं में भी प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा 61वें संविधान संशोधन के माध्यम से मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किए जाने तथा पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार द्वारा स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ने की आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा युवाओं को अवसर देने का काम किया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं.08/डीवाय.सीएसटीइ/सी-॥/एससी/2026-27, दि.22-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियंता (निर्माण-॥), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा सक्षम प्राधिकरण के अनुमोदन सहित निम्न कार्यो हेतु दि.20-08-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदा (खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः सी-एसजी-सी-36-5-236-2026-27, कार्य विवरणः (।) एमएसीएलएस इन्डोर & आउटडोर कार्यो सहित कर्नूल टाउन व दूपाडू स्टेशनो पर इनबिल्ट ब्लाक के साथ इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग का प्रावधान तथा कर्नूल टाउन व दूपाडू पर डबलिंग कनेक्टिवीटी (इन्डोर व आउटडोर ब्लाक कनेक्टिवीटी सहित) हेतु आलमपूर व उल्लीनकोंडा पर इनबिल्ट ब्लाक सहित ईआई का परिवर्तन या आल्टरेशंस एवम् द.म. रेलवे के एचवायबी डिवीजन के आलमपूर–उल्लीनडीकोंडा के बीच दोहरीकरण या डबलिंग सहित तत्संबंधित किमी 238/आलमपूर से किमी 255.500 तक दूरसंचार से जुडा कार्य। (॥) युटिलिटी शिफ्टिंग तथा स्टेज वर्किंग भी इस कार्य का भाग है। (॥।) कम्पलीट सेक्शन में विवरितानुसार ट्रैक के दोनों तरफ ओएफसी 4X48एफ बिछाया जाए तथा तत्संबंधित मिलाया जाना चाहिए।

एचडीडी/माइक्रो-टन्नेलिंग पध्दति सहित ट्रैक के एक तरफ 2X48एफ & 6 क्वैड तथा ट्रैक के दूसरी तरफ 2X48 एफ कार्य (अर्थात् अनावश्यक रास्ता या रीडन्डन्ट पाथ)।

अनुमानित मूल्य रु.15,35,82,639.00, बोली सुरक्षा रु.30,71,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें।

बोली सुरक्षा राशि का भुगतान ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रुप में करना होगा या किसी भी अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारंटी बॉन्ड प्रस्तुत करना होगा।

निविदाकार अपने प्रस्तावों या ऑफर्स को ऑनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल ऑनलाइन पर जारी)को,निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथितक देख सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियंता (निर्माण-॥) / सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. -सी/ई. 29/इलेक/एम/एससी/28/डब्ल्यूएस/ओटी/2026-27, दि.22-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.17-08-2026, 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, ई-निविदा सूचना सं. -ई-टेंडर नं.-सी/ई. 29/इलेक/एम/ एससी /28/डब्ल्यूएस/ओटी/2026-27, ई-टेंडर नं.-ई-एम-एससी-28-ओटी-2026-27, कार्य विवरणःसिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग-(।) विभिन्न क्षमताओं युक्त 200 केडब्ल्यूपी रूफटाप सोलार प्लान्ट्स या छतपर सौर संयंत्रों का प्रावधान सहित एससी डिवीजन में स्टेशन बिल्डिंग्स, सीओपीज, आरओएच शेड्स, सर्विस बिल्डिंग्स पर क्लीनींग एस्सेसोरिज कार्य।

(॥) विभिन्न क्षमताओं युक्त 450 केडब्ल्यूपी रूफटाप सोलार प्लान्ट्स या छतपर सौर संयंत्रों का प्रावधान सहित चर्लापल्ली स्टेशन के कवर ओवर प्लेटफार्म्स पर क्लीनींग एस्सेसोरिज कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.3,51,36,842.00, अग्रधन रु.7,02,700.00, सीटीएफ रु.0.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा तत्संबंधित यदि कोई हो तो किसी भी परिवर्तनों को देखा जा सकता है।

यह निविदा सूचना, एसआर.डीईई (रखरखाव) का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गयी है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देख सकते हैं।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव)/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. सीईई/पी/एससी-2X25केवी-ओएचइ-एमइडी-एमयुइ-2026-27, दि.24-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति गणराज्य भारत की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं (ऑनलाइन) आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-2X25केवी-ओएचइ-एमइडी-एमयुइ, दि.23-07-2026, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के तहत हैदराबाद डिवीजन पर मेडचल (एमइडी) (छोडकर)-मुदखेड (एमयुइ) (मिलाकर) सेक्शन में फीडर & एर्थिंग कार्यो सहित डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण तथा मौजूदा 1X25केवी सिस्टम से 2X25 केवी एटी फीडींग सिस्टम तक ओएचइ उन्नयन की कमीशनींग।

अनुमानित मूल्य रु.1,09,93,98,888.68, ऑनलाइन में जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.2,19,88,000.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने (चौबीस महिने), निविदा खोलने का स्थानः सिकंदराबाद, ई-टेंडर (ऑनलाइन) द्वारा निविदा बंद करने की तिथिः 08-09-2026 के 15.00 बजे, ई-टेंडर (ऑनलाइन) द्वारा निविदा खोलने की तिथिः 08-09-2026 के 15.30 बजे

यदि निविदा खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती हो तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस पर तत्संबंधित निर्धारित समय पर खोला जायेगा।

निविदा शर्ते/ज्यादा जानकारी तथा निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारे **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर जाएं।

टिप्पणीः निविदा दस्तावेजों/शुध्दिपत्रों/जोड के परिवर्तनों को, यदि आवश्यक हुवा तो, उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।

मुख्य बिजली अभियंता/परियोजनाएं/सिकंदराबाद

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.18-08-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-वाई-एसजी-36-2026-27-15, निविदा दिनांकित 23-07-2026, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी-एमयुइ सेक्शन (1)मलकाजगिरीः तत्संबंधित मलकाजगिरी-मौलाली गेट केबिन की डबलिंग या दोहरीकरण सहित संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं। (2) मलकाजगिरी-तत्संबंधित मलकाजगिरी यार्ड रिमोडेलिंग सहित संबध्द सिग्नलिंग व्यवस्था एवम् डाउन लूप लाइन & 02 एडीशनल लाइनों का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.20,47,35,308.03, अग्रधन रु.40,94,700,00

बोली दस्तावेज तथा अन्य जानकारी हेतु https://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। शुध्दिपत्र को केवल ऑनलाइन पर जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/हैदराबाद

राज्यपाल ने शिक्षकों के लंबित मुद्दों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया : एमएलसी कोमरैया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षक एमएलसी मलका कोमरैया ने शनिवार को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की और शिक्षकों, कर्मचारियों और शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों को उजागर करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। एमएलसी ने अपने ज्ञापन में लंबित ई-कुबेरा विधेयकों को तत्काल पारित करने, 51 प्रतिशत पीआरसी फिटमेंट लागू करने, छह लंबित महंगाई भत्ता (डीए) किस्तों का भुगतान करने, समय पर सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने और डीएससी-2003 शिक्षकों सहित पात्र कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने का आग्रह किया। कोमरैया ने ओपीएस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में राज्य की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) वापस लेने और शिक्षकों की चिंताओं को दूर करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की भी मांग की। इसके अलावा, उन्होंने मांग की कि अंशदायी पेंशन योजना (सीपीएस) के स्थान पर सभी पात्र कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल की जाए और आवासीय, आश्रम और सहायता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा सामना की जा रही सेवा, वित्तीय और प्रशासनिक समस्याओं के समाधान के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए।

राज्यपाल ने उन्हें आश्वासन दिया कि इन मुद्दों की जांच की जाएगी और जल्द से जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों की ऐतिहासिक जीत : वामसी कृष्णा

नई दिल्ली, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत करते हुए इसे अपने अधिकारों की रक्षा में एकजुट हुए छात्रों और युवाओं की ऐतिहासिक जीत बताया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह इस्तीफा सिर्फ एक मंत्री का जाना नहीं है, बल्कि यह एकजुट छात्र आंदोलन की ताकत को दर्शाता है। वामसी कृष्णा ने कहा कि इस घटना से साबित होता है कि दृढ़ निश्चयी युवा सबसे शक्तिशाली सरकारों को भी जनता की मांगों पर झुकने के लिए मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ एक मंत्री का इस्तीफा नहीं है। यह उन भारतीय युवाओं की ऐतिहासिक जीत है जो अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए पूरे देश में एकजुट हुए! आज यह साबित हो गया है कि जब युवा किसी लक्ष्य को पाने का संकल्प लेते हैं और सड़कों पर उतरते हैं, तो सबसे शक्तिशाली सरकार भी झुकने को मजबूर हो जाती है। भाजपा सरकार के 'अहंकार' की आलोचना करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि छात्रों के भविष्य को खतरे में डालने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा और ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वे युवाओं के साथ खड़े रहेंगे।

छात्रों की शक्ति ने सत्ता के अहंकार को पराजित किया : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के श्रम और खान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों और लोकतंत्र की जीत बताया है। युवाओं को बधाई देते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि इस इस्तीफे से यह साबित हो गया है कि छात्रों की सामूहिक शक्ति के आगे कोई भी सरकार टिक नहीं सकती। उन्होंने इसे भाजपा सरकार द्वारा शिक्षा संबंधी मुद्दों से निपटने के तरीके के खिलाफ देश के युवाओं द्वारा दिया गया पहला राजनीतिक फैसला बताया। उन्होंने कहा, यदि छात्रों की शक्ति को कम आंका जाए, तो चाहे शक्ति कितनी भी बड़ी क्यों न हो, वह ढह जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसका प्रमाण है। मंत्री ने इस विकास का श्रेय छात्रों के निरंतर विरोध प्रदर्शनों और कांग्रेस पार्टी के अभियान को दिया और चेतावनी दी कि यदि सरकारें छात्रों के भविष्य से समझौता करती हैं तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस छात्रों और युवाओं के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

सरकार ने मंत्री अदलुरी को प्रमुख नीतिगत पैनलों में शामिल करने का आदेश जारी किया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार को दो उच्च स्तरीय राज्य समितियों में शामिल किया है। इस समावेश की औपचारिक अधिसूचना सामान्य प्रशासन (कैबिनेट) विभाग द्वारा 23 जुलाई, 2026 को जारी सरकारी आदेश जीओआरटी संख्या 1077 के माध्यम से पूर्व के निर्देशों के क्रम में जारी की गई थी। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण श्रेणियों के भीतर उप-वर्गीकरण के संबंध में भारत के सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा 1 अगस्त, 2024 को दिए गए ऐतिहासिक फैसले की समीक्षा करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति में मंत्री लक्ष्मण कुमार को नामित किया गया है।

इस पैनल को फैसले के कानूनी, संवैधानिक और प्रशासनिक प्रभावों का मूल्यांकन करने और सरकार को उचित नीतिगत कार्रवाई पर सलाह देने का अधिकार दिया गया है। इसके अतिरिक्त, मंत्री को प्रस्तावित रोहित वेमुला तेलंगाना विधेयक, 2026 की समीक्षा करने वाली कैबिनेट उप-समिति में नियुक्त किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य भर के उच्च शिक्षा संस्थानों में पहचान आधारित भेदभाव को रोकना है। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने, समान अवसर सुनिश्चित करने और न्याय, समानता और गरिमा के संवैधानिक आदर्शों को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

निविदा सूचना सं. 17/2026, दि.24-07-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं ऑनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने ऑफर्स को ऑनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युएल ऑफर्स को अस्वीकार किया जायेगा। डाक द्वारा प्रेषित प्रस्तावों या ऑफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की तय तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है।

केवल ऑनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा ही सभी स्वदेशी प्रस्तावों या ऑफर्स, अग्रधन को स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त कार्य विवरण
29261524	सीसीबी 2.0 के कंट्रोल पोर्शन (बीपी/ सीपी) के लिए ओवरहालिंग
29261526	कंट्रोल पोर्शन ईआर (787776-1994) हेतु ओवरहालिंग
29261243	वैग-9 लोको 107 टीथ हेतु बुल गेयर
29261362	वैग-9 लोकोज हेतु या डैम्पर
30261428	लोवर स्प्रिन्ग बीम आरेंजमेन्ट या व्यवस्था
33261007	रब्बर पैड
66265716	ट्रैक मशीनों हेतु स्पेयर्स का प्राप्ण
45261065	आरड़ीएसओ नुसार वी डीप 6 ग्रूव्ड एक्सल पुल्ली
33261424	सेकण्डरी वेर्टिकल डैम्पर
45261052	24वी 290एएच बैटरिज
25264616	नई 22 सीबी लोको हेतु आईओएच रिप्लेसमेंट किट
76261428	लैमिनेटेड शीट
33261413	हाय टेन्साइल क्वालिटी फास्टनर्स का सेट
80261223	टीएम मोटर बेयरिंग व सस्पेन्शन ट्यूब के लिए लुब्रिकेटिंग ग्रीज
60266224	सिंगल पीस स्प्रिन्ग इन्सर्टेड रियुजेबुल सीज नट का प्रापण
33261093	सेकण्डरी वेर्टिकल डैम्पर
33261137	व्हील सेट एर्थिंग एक्वीपमेंट
29261525	कंट्रोल पोर्शन 20-पाइप (20 सीपी) की ओवरहालिंग

टिप्पणीः निविदा खोलने की तय तिथियां निम्नप्रकारः
क्रम सं.01 से 04 दि.10-08-2026, क्रम सं. 05 दि.11-08-2026, क्रम सं.06 & 07 दि.12-08-2026, क्रम सं.08 & 09 दि.13-08-2026, क्रम सं.10 दि.14-08-2026, क्रम सं.11 से 15 दि.17-08-2026, क्रम सं.16 & 17 दि.19-08-2026, क्रम सं.18 दि.14-08-2026

शुध्दिपत्र–

निविदा सूचना सं.10/2026 दि.05-06-2026 निविदा सं.66266285 की निर्धारित तिथि 07-07-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 28-07-2026 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.10/2026 दि.05-06-2026 निविदा सं.66265845 की निर्धारित तिथि 13-07-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 03-08-2026 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.10/2026 दि.05-06-2026 निविदा सं.66266272 की निर्धारित तिथि 02-07-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 06-08-2026 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.12/2026 दि.19-06-2026 निविदा सं.66266934 की निर्धारित तिथि 08-07-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 27-07-2026 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.11/2026 दि.12-06-2026 निविदा सं.66265834 की निर्धारित तिथि 13-07-2026 के स्थान पर निर्धारित तिथि 03-08-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अतिरिक्त रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। अधिक जानकारी हेतु कृपया रेलवे **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर जाएं।

A569 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 14 लाख की धोखाधड़ी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नौकरी चाहने वालों के एक समूह ने हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन से संपर्क कर आरोप लगाया कि विजयवाड़ा के एक जोड़े ने विदेश में नौकरी दिलाने का वादा करके उनसे लाखों रुपये ठग लिए।

शिकायतकर्ताओं ने सौजन्या और श्रीनिवास नाम के इस जोड़े के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन पर धोखाधड़ी वाला भर्ती रैकेट चलाने का आरोप है।

शिकायत के अनुसार, यह जोड़ा बेगमपेट से 'फ्लाइंग बॉर्डर कंसल्टेंसी' नाम की कंसल्टेंसी चलाता था और विदेश में नौकरी का लालच देकर बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाता था। पीड़ितों का दावा है कि उन्होंने प्रति व्यक्ति 4 लाख रुपये से लेकर 14 लाख रुपये तक का भुगतान किया, लेकिन न तो उन्हें वादा की गई नौकरी मिली और न ही पैसे वापस मिले। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य भर में लगभग 2,000 लोग इस कथित धोखाधड़ी का शिकार हुए होंगे।

उन्होंने यह भी दावा किया कि इसी तरह के धोखाधड़ी के मामले में पिछले हफ्ते विजयवाड़ा में इस जोड़े को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया और कथित तौर पर उन्होंने नौकरी चाहने वालों को ठगना जारी रखा।

साइबराबाद शी टीमों ने एक सप्ताह में 15 मनचलों को पकड़ा

127 बच्चों को बाल श्रम एवं अन्य संवेदनशील परिस्थितियों से मुक्त कराया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने 18 से 24 जुलाई के बीच विशेष अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं से अभद्र व्यवहार करने वाले 15 मनचलों को गिरफ्तार किया तथा ऑपरेशन मुस्कान के तहत 127 बच्चों को बाल श्रम एवं अन्य संवेदनशील परिस्थितियों से मुक्त कराया। साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार, शी टीमों ने इस अवधि में 118 गुप्त अभियान चलाए और 15 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा। इनमें 11 मामलों में प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि अन्य आरोपियों की काउंसिलिंग की गई। इसी दौरान महिलाओं से विभिन्न माध्यमों से 20 शिकायतें प्राप्त हुईं। साइबराबाद पुलिस की मानव तस्करी निरोधक इकाई ने किशोर न्याय अधिनियम एवं बाल श्रम कानूनों के तहत 24 मामले दर्ज किए और 122 बालकों तथा पांच बालिकाओं सहित कुल 127 बच्चों को बाल श्रम एवं अन्य जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से बचाया। पारिवारिक परामर्श केंद्रों एवं महिला सशक्तिकरण केंद्रों ने वैवाहिक विवादों से जुड़े 23 परिवारों में परामर्श और मध्यस्थता के माध्यम से समझौता कराया। पुलिस ने जनजागरूकता अभियान के तहत साइबराबाद आयुक्तालय क्षेत्र में 3,493 लोगों को मानव तस्करी, बाल तस्करी, महिलाओं से छेड़छाड़, सामाजिक माध्यमों पर उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल अधिकार, बाल श्रम, पीछा करने की घटनाएं, भीख मंगवाने, साइबर अपराध तथा महिला, बाल एवं साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी।

युवाओं ने सरकार झुका दिया : बिनय यादव

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। युवा पीढ़ी और कॉकरोच पार्टी की बड़ी जीत पर तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बताया कि आज युवा पीढ़ी और कॉकरोच पार्टी ने अपने दम पर केंद्र सरकार को झुका दिया। अपने मांग को लेकर 27 दिन से धरना प्रदर्शन कर युवाओं को आज उस समय खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। यादव ने उन लोगों को श्रद्धांजलि दी है जिसकी जान पेपर लीक की वजह से चली गई थी। उन्होंने कहा कि आगे इस तरह का घटना ना हो इसकी जिम्मेदारी भी अब सरकार को लेना चाहिए। जिनके जान चली गई है उनके परिजन को भी उचित मुआवजा की मांग मंजूर हो गई है।

सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का कार्य शीघ्र पूरा करें : तुम्मला

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में अल नीनो जैसी परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने सूक्ष्म सिंचाई कंपनियों से ड्रिप सिंचाई प्रणालियों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। शनिवार को सचिवालय में सूक्ष्म सिंचाई कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में सरकार और निजी कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक फसलों से विविधीकृत खेती की ओर बढ़ रहे हैं, इसलिए समय पर सूक्ष्म सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में लगभग 80 प्रतिशत किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी के हैं और अधिकांश किसान सिंचाई के लिए बोरवेल पर निर्भर हैं। राज्य में वर्तमान में लगभग 30 लाख बोरवेल कृषि कार्यों में उपयोग किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अल नीनो की परिस्थितियों में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से जल का कुशल प्रबंधन किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक होगा।

इससे कम पानी, कम बिजली और कम कीटनाशकों के उपयोग के साथ अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने 2,38,750 एकड़ भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें 85,000 एकड़ ताड़ तेल तथा 1,53,750 एकड़ अन्य फसलों का क्षेत्र शामिल है।

उन्होंने बताया कि 65,446 एकड़ के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद केवल 34,909 एकड़ में ही ड्रिप सिंचाई प्रणाली स्थापित की जा सकी है, जबकि 30,537 एकड़ का कार्य अभी लंबित है। इस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए कंपनियों को जिला-वार कार्ययोजना तैयार कर लंबित कार्य शीघ्र पूरा करने तथा आवश्यक जनशक्ति की तत्काल नियुक्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में ताड़ तेल की खेती के प्रति किसानों का रुझान बढ़ रहा है और यदि समय पर ड्रिप सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो चालू वर्ष में ही 1.50 लाख एकड़ में ताड़ तेल की खेती संभव है।

हिंदू 2 हिंदू बिजनेस मीट संपन्न

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग रीजन 3 के रीजनल हेड किरण वेमुला की अगुवाई में 24 जुलाई को होटल किन्नेरा ग्रैंड, हब्सिगुडा में एक रीजनल मीट आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले तीन चैप्टर एच2एच ऊर्जा, परंपरा और अर्का थे।

मीट की अध्यक्षता करने वालीं इनकी प्रेसिडेंट्स- उमा कार्तिक, उषाश्री सोक्कम और पल्लवी अकुंडी के साथ-साथ, परंपरा चैप्टर से शिव प्रसाद, जी. संगफेटा और नरसिंह राव ने भी इस कार्यक्रम में सहयोग दिया। यह मीट भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की मदद करने और उन्हें बढ़ावा देने के मकसद से आयोजित की गई थी। इस मीट के मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बलदवा थे। फाउंडर गीतेश काटे भी इस मौके पर मौजूद थे और उन्होंने सदस्यों का उत्साह बढ़ाया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

एक्शन में दिल्ली ...

और 100 से 200 प्रदर्शनकारियों पर भीड़ को उकसाने, पत्थरबाजी करने और उपद्रव में शामिल होने का शक है। दिल्ली पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि पुलिस के पास पांच टेराबाइट से भी ज्यादा का डेटा है और आने वाले दिनों में इसकी बारीकी से पड़ताल की जाएगी। पुलिस ब्लूटूथ नेटवर्क पर काम करने वाले बिटचैट ऐप पर की गई एन्क्रिप्टेड चैट, स्थानीय और कॉलेजों के व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया पोस्ट, सीसीटीवी कैमरा फुटेज, मोबाइल फोन डेटा और चेहरे की पहचान के रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, उसकी ओर से कई बार आश्वासन दिए जाने के बाद भी सीजेपी ने संसद की ओर मार्च निकाला जबकि प्रदर्शनकारी इस बात को जानते थे कि मार्च की वजह से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि जांच के दौरान उन सभी मामलों की भी पड़ताल की जाएगी जिसमें आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों ने ज्यादा ताकत का इस्तेमाल किया है।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने बताया है कि 20 जुलाई को निकाले गए सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा को लेकर अब तक कुल 15 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं।

काजपा का आंदोलन ...

सरकार ने कहा है कि वह मंगलवार तक इसे हमारे साथ शेयर करेगी। हमें उम्मीद है कि मंगलवार तक हमें इन एफआईआर और भविष्य की किसी भी कार्रवाई के संबंध में सरकार की गारंटी मिल जाएगी।

सरकार के साथ बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने यह भी कहा, कॉकरोच जनता पार्टी यह घोषणा करती है कि हम अच्छे विश्वास के साथ अपना आंदोलन वापस ले रहे हैं और यह मानते हुए कि तय की गई शर्तों को तय समय-सीमा के भीतर लागू किया जाएगा। वहीं, सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका के कहा कि सरकार के प्रतिनिधिमंडल और प्रदर्शनकारियों के बीच लगातार तीन दौर की चर्चा हुई। उन्होंने कहा, जंतर-मंतर पर हमारा प्रदर्शन कई दिनों से चल रहा था। हमारी तीन प्रमुख मांगें थीं। इनमें से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा पहली मांग थी। धर्मेंद्र प्रधान के पद छोड़ने के साथ ही हमारी पहली मांग मान ली गई है।

> आंदोलन समाप्त : सीजेपी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी धरना तुरंत प्रभाव से खत्म कर दिया।

> बड़ा इस्तीफा : वार्ता से कुछ ही घंटे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पद से त्यागपत्र दे दिया।

> सफल वार्ता : केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ सीजेपी प्रतिनिधिमंडल की तीसरे दौर की बातचीत सफल रही।

> घर वापसी की अपील : सीजेपी ने सभी प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपने घर लौटने का आग्रह किया।

> एक महीने का गतिरोध खत्म : पिछले एक महीने से अधिक समय से जारी राजनीतिक और सामाजिक गतिरोध आखिरकार समाप्त हो गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल

झंडू कुमार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज, 190 किलोग्राम का वजन उठाया; बॉक्सिंग में जादुमणि जीते

ग्लासगो, 25 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए।

इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में झंडू कुमार बचपन से पोलियो से प्रभावित थे। परिवार की मदद के लिए उन्होंने सड़क किनारे पिता के साथ आलू-प्याज बेचे और कोविड के दौरान ई-रिक्शा चलाकर रोजी-रोटी कमाई। अब वही

खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीत चुका है।

2023 में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। पहली बार में कोई सफल लिफ्ट नहीं लगा सके, लेकिन उनकी प्रतिभा पर पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट राजिंदर सिंह राहेलू की नजर पड़ी। इसके बाद SAI सेंटर में ट्रेनिंग मिली और करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

2017 में पैरा एथलेटिक्स से शुरुआत करने वाले जंडू ने बाद में पावरलिफ्टिंग को चुना। नेशनल रिकॉर्ड बनाया, वर्ल्ड कप और एशियन-ओशिनिया चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीता।

पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत के सुधीर 183 किलोग्राम की लिफ्ट के साथ छठे स्थान पर रहे। महिला हेवीवेट वर्ग में कस्तूरी राजामणि तीनों प्रयासों में असफल रहीं और कोई लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं।

बिहार के नालंदा के पैरालिफ्टर के कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने X पर लिखा, 'झंडू कुमार का शानदार प्रदर्शन। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का पदकों का खाता खोला। इस उपलब्धि पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई।'

उनकी सफलता अद्भुत ताकत, अटूट संकल्प और वर्षों की अनुशासित मेहनत का प्रमाण है। हर चुनौती का सामना करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है और अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद पहली सीरीज जीती

जिम्बाब्वे को 90 रन से हराया; ईशान-तिलक की फिफ्टी, अभिषेक को 3 विकेट

हरारे, 25 जुलाई (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद भारत ने पहली टी-20 सीरीज जीत ली है। हरारे में खेले गए दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 119 रन पर सिमट गई। ईशान किशन ने 44 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने नाबाद 60 रन बनाए। गेंदबाजी में अभिषेक शर्मा ने 3 विकेट लिए। प्रिंस यादव और यश ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 8 और वैभव सूर्यवंशी 20 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर (25) ने तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। फिर ईशान और तिलक वर्मा ने चौथे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर भारत को 219 रन तक पहुंचाया। 220 का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे से कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। यश ठाकुर ने ब्रायन बेनेट (32) को आउट कर टी-20 इंटरनेशनल में अपना पहला विकेट लिया। प्रिंस यादव ने बेन करन और कप्तान सिकंदर रजा को पवेलियन भेजा। जिम्बाब्वे की टीम 17.5 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, मयंक यादव और यश ठाकुर।

जिम्बाब्वेः ब्रायन बेनेट, बेन करन, डिओन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, तादिवानाशे मारुमानी, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

एशियाई हॉकी5एस में पुरुष टीम ने ओमान और पाकिस्तान को हराया

मस्कट, 25 जुलाई (एजेंसियां)। ओमान के मस्कट में चल रही एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप में भारतीय टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने पहले मेजबान ओमान को 10-1 और फिर पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब शनिवार को खिताबी मुकाबले में उसकी फिर पाकिस्तान से भिड़ंत होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना ली थी। कप्तान केतन कुशवाहा ने दो गोल किए, जबकि रोमित पाल, करन गौतम, प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली और राहुल यादव ने एक-एक गोल दागा। ओमान के खिलाफ केतन ने चार गोल किए।

महिला टीम ने चीन से 3-6 की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से हरा दिया। नौशीन नाज़ ने हैट्रिक लगाई, जबकि संदीप कुमारी ने दो गोल किए। भारत अब शनिवार को सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से खेलेगा।

यह टूर्नामेंट पहली बार होने वाले एफआईएच यूथ हॉकी5एस वर्ल्ड कप का एशियाई क्वालिफायर भी है। बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका: वेस्टइंडीज और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बाहर हुआ अब्दुला फजल

लंदन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस वक्त वेस्टइंडीज दौरे पर है, जहां टीम को दो मैचों के टेस्ट सीरीज खेलनी है. पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच 25 जुलाई से त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन इस मैच से पहले पाकिस्तानी टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के युवा स्टार बल्लेबाज अब्दुला फजल बैक इंजरी के कारण वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं.

23 वर्षीय के फजल ने इसी साल मई में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने के बाद से लगातार शानदार प्रदर्शन किया और टीम के सबसे होनहार खिलाड़ी बनकर उभरे. ऐसे में उनके टीम से बाहर होने से बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम की टेंशन जरूर बढ़ गई है.

पा कि स्ता न क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक, अब्दुला फजल को यह चोट 23 जुलाई को ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग सेशन के दौरान लगी. क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि फजल को ट्रेनिंग के दौरान कैसे चोट लगी, लेकिन MRI स्कैन और क्लिनिकल जांच के बाद टीम के मेडिकल पैनल ने पुष्टि की है कि अब्दुल्ला को ठीक होने के लिए रिहैबिलिटेशन की जरूरत होगी. ऐसे में वह वेस्टइंडीज के साथ-साथ इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए. हालांकि, बोर्ड ने अभी तक उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है.

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने अब्दुला फजल के बाहर होने के बाद कहा कि, "मैं अब्दुल्ला को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह जल्द स्वस्थ हो जाएं. उनकी प्रतिभा मुझे बहुत प्रेरित करती है. अपनी पहली सीरीज के बाद वह काफी आत्मविश्वास से भरे थे और उनका मनोबल बहुत ऊंचा था."

बता दें कि, फजल ने मई 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था. अपने डेब्यू टेस्ट में वह पाकिस्तान के लिए सर्वोच्च स्कोरर रहे, उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक (60 रन और 66 रन) जड़ा. वहीं, इसी सप्ताह की शुरुआत में वेस्टइंडीज सिलेक्ट XI के खिलाफ पाकिस्तान के दौरे के मैच में उन्होंने दोनों पारियों में 50 और 48 रनों की नाबाद पारी खेली थी. इस शानदार प्रदर्शन को देखते हुए पहले टेस्ट के लिए उनकी प्लेइंग 11 में जगह पक्की मानी जा रही थी, लेकिन अब चोट के कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा.

पीसीबी ने अभी तक अब्दुल्ला फजल के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है. ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज अवैस जफर को डेब्यू का मौका मिलने की उम्मीद है. अवैस को सऊद शकील की जगह टीम में शामिल किया गया था.

अज़ान अवैस, इमाम-उल-हक, शान मसूद, बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अवैस जफर, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान आगा, आमेर जमाल, साजिद खान, मोहम्मद अली, मोहम्मद अब्बास, खुर्रम शहजाद, गाजी गोरी, उबैद शाह, अली उस्मान, सऊद शकील.

महान लेब्रोन जेम्स को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के बयान से मचा बवाल; माइकल जॉर्डन को क्यों बताया बेहतर?

न्यूयॉर्क, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने एनबीए के दिग्गज खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स पर निशाना साधा है। माइकल जॉर्डन और लेब्रोन जेम्स के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनने के सवाल पर ट्रंप ने न सिर्फ जॉर्डन का समर्थन किया, बल्कि लेब्रोन को लेकर विवादित टिप्पणी भी कर दी। हाल ही में लेब्रोन जेम्स ने फ्री एजेंट के तौर पर फिलाडेल्फिया 76र्स से करार किया है। इससे पहले वह लॉस एंजिलिस लेकर्स, मियामी हीट और क्लीवलैंड कैवेलियर्स जैसी टीमों का हिस्सा रह चुके हैं।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि माइकल जॉर्डन उनके अच्छे दोस्त हैं और वह उन्हें

लेब्रोन जेम्स, ट्रंप और माइकल जॉर्डन

महान खिलाड़ी मानते हैं। ट्रंप ने कहा, ₹माइकल जॉर्डन मेरे दोस्त हैं। मैं उनके साथ गोल्फ खेलता हूं। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'

इसके बाद उन्होंने लेब्रोन जेम्स पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि लेब्रोन... शायद नस्लवादी हैं। शायद उन्हें ट्रंप पसंद नहीं हैं। लेकिन मुझे वही लोग पसंद हैं जो मुझे पसंद करते हैं। इसलिए मेरे लिए माइकल जॉर्डन ही सर्वश्रेष्ठ हैं।'

ट्रंप का यह बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई लोगों ने उनके बयान की आलोचना की, जबकि कुछ समर्थकों ने उनका बचाव भी किया।

लेब्रोन जेम्स को एनबीए इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। फरवरी 2023 में उन्होंने करीम अब्दुल-जब्बार का 38,387 अंकों का रिकॉर्ड तोड़कर एनबीए के सर्वकालिक सर्वाधिक स्कोरर बनने का गौरव हासिल किया।

उनके नाम नियमित सत्र में 43,000 से अधिक अंक दर्ज हैं। इसके अलावा वह चार बार एनबीए चैंपियन, चार बार एनबीए फाइनल्स एमवीपी, चार बार नियमित सत्र के एमवीपी और तीन बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता रह चुके हैं। उन्होंने 22 बार एनबीए ऑल-स्टार टीम में भी जगह बनाई है।

लेब्रोन के नाम जनवरी 2007 से दिसंबर 2025 तक लगातार 1,297 नियमित सत्र मुकाबलों में 10 या उससे अधिक अंक बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

हरारे के इंडिया हाउस में भारतीय टीम का स्वागत

उच्चायुक्त ने दिया रात्रिभोज; अनाहत वर्ल्ड जूनियर स्क्वॉश के फाइनल में

हरारे, 25 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे दौरे पर गई भारतीय टी20 टीम के सम्मान में जिम्बाब्वे में भारत के राजदूत ब्रह्मा कुमार ने हरारे स्थित इंडिया हाउस में स्वागत समारोह आयोजित किया। दूसरे टी-20 से एक दिन पहले हुए इस कार्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर, अंतरिम हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण, खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ शामिल हुए।

राजदूत ब्रह्मा कुमार ने श्रेयस अय्यर और वीवीएस लक्ष्मण को पारंपरिक शॉल पहनाकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों ने राजदूत के परिवार और भारतीय दूतावास के अधिकारियों से मुलाकात की। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे हरारे की यादगार शाम बताया।

भारत फिलहाल तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 से आगे है। पहले मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया था। तेज गेंदबाज मयंक यादव और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 50 और ईशान किशन ने 35 रन बनाए। अब शनिवार को दूसरा टी20 जीतकर भारत के पास सीरीज अपने नाम करने का मौका है।

कनाडा के ओंटारियो में चल रही वर्ल्ड जूनियर स्क्वॉश चैंपियनशिप में भारत की 16 साल की अनाहत सिंह फाइनल में पहुंच गई हैं। वह 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल खेलने वाली पहली भारतीय हैं। टॉप सीडेड अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी/चौथी वरीय बार्ब समेह को 3-1 (11-3, 8-11, 11-4, 11-6) से हराया। अब फाइनल में उनका सामना मिस्र की दूसरी वरीय रुकैया सालेम से होगा। जीत मिलने पर अनाहत इस चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन जाएंगी।

मैच के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, लेकिन काम अभी बाकी है। पहली बार फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच भी खुश हैं।' पिछले साल उन्होंने इस टूर्नामेंट में ब्रान्ज मेडल जीता था।

19 मेडल के साथ रचा इतिहास, चाड ले क्लोस ने तोड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स का ऑल-टाइम रिकॉर्ड

ग्लासगो, 25 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के स्टार स्विमर चाड ले क्लोस ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया है. 24 जुलाई को पुरुषों की 4×100-मीटर फ्रीस्टाइल रिले इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष एथलीट बन गए हैं. 34 साल के ले क्लोस का यह कॉमनवेल्थ गेम्स में 19वां मेडल था. इस ऐतिहासक ब्रॉन्ज के साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के मिक गॉल्ट के ऑल-टाइम रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. इन दोनों खिलाड़ियों ने 18-18 मेडल अपने नाम किए हैं.

चाड ले क्लोस ने अपने कॉमनवेल्थ करियर का आगाज साल 2010 में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स से

किया था. तब सिर्फ 18 साल की उम्र में उन्होंने 5 मेडल जीतकर दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था. ग्लासगो 2026 उनके करियर का पांचवां कॉमनवेल्थ गेम्स है. अभी इस टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म नहीं हुआ है. वह आगे 50 मीटर और 100 मीटर बटरफ्लाई कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लेंगे, जहां उनके पास अपने मेडलों की संख्या को और बढ़ाने का मौका होगा.

टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर में मिली इस ऐतिहासिक कामयाबी के बाद चाड ले क्लोस अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके. उन्होंने गेम्स की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, 'मुझे ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर नहीं, बल्कि गोल्ड मेडल जीतने पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह मेडल मेरे लिए पूरी दुनिया के बराबर मायने रखता है.' कॉमनवेल्थ गेम्स में चाड ले क्लोस के 19 मेडल के सफर में 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं.

अपने शानदार करियर में चाड ले क्लोस ने 4 ओलंपिक मेडल और बटरफ्लाई कॉम्पिटिशन में 16 वर्ल्ड टाइटल अपने नाम किए हैं. 34 साल की उम्र में भी उनका हौसला बुलंद है और वह 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले अपने पांचवें ओलंपिक खेलों में भी हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं.

निशानेबाज संयम का विश्व कप में शानदार प्रदर्शन

10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक जीता

हांगझू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज संयम ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में रजत पदक जीता। इस पदक से विश्व कप में भारत के पदकों का खाता खुला। संयम ने कुल 243.4 का स्कोर बनाकर पदक जीता। संयम के करियर का यह दूसरा आईएसएसएफ विश्व कप पदक है।

पूर्व जूनियर वर्ल्ड और एशियन चैंपियन संयम ने क्वालिफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और पोडियम फिनिश पक्का करने के लिए फाइनल फायरिंग लाइन पर कदम रखने से पहले अपनी सीरीज में लगातार प्रिसिजन बनाए रखा। इवेंट में शामिल 36 सदस्यों वाला भारतीय दल राइफल, पिस्टल और शॉटगन के व्यक्तिगत और मिश्रित-टीम इवेंट्स दोनों में मुकाबला करेगा।

निशानेबाजों में मनु और स्वप्निल के साथ ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सुरुचि, एलावेनिल वलारिवन, सिफ्ट कौर समरा, सोनम उत्तम मस्कर, अनीश भानवाला, रायजा ढिल्लों, गनेमत सेखों और ओलंपियन अनंत जीत सिंह नरुका जैसे जाने-माने नाम हैं। राइफल इवेंट्स में, पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, शाहू तुषार माने और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और साक्षी सुनील पाडेकर को महिलाओं के मुकाबले के लिए चुना गया है।

क्रिकेट कोच से कॉमनवेल्थ गेम्स तक तलाक के बाद भी पिंकी सिंह नहीं मानी हार

ग्लासगो, 25 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय लॉन बॉल्स खिलाड़ियों ने अपनी शानदार लय बरकरार रखी है. महिला पेयर्स कॉम्पिटिशन के अपने दूसरे मुकाबले में भारत की दिग्गज जोड़ी रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह ने साउथ अफ्रीका को 2-0 (6-4, 7-5) से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की. इससे पहले शुरुआती मैच में भारतीय जोड़ी ने माल्टा के खिलाफ टाइ-ब्रेकर में रोमांचक जीत हासिल की थी. लगातार दो जीतों के साथ भारत की मेडल की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं, और इस सफलता के केंद्र में 45 साल की अनुभवी खिलाड़ी पिंकी सिंह खड़ी हैं.

45 साल की पिंकी सिंह कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के सबसे अनुभवी एथलीट्स में से एक हैं. वो 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय लॉन बॉल्स टीम का हिस्सा भी थीं. पिंकी सिंह का खेल करियर सीधे लॉन बॉल्स से शुरू नहीं हुआ था. खेल की दुनिया में उनकी शुरुआत एक क्रिकेट कोच के रूप में हुई थी. साल 2007 में उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल में बतौर क्रिकेट कोच काम करना शुरू किया था. इसी दौरान उन्होंने लॉन बॉल्स के बारे में जाना, जिसके बाद उन्होंने इसे खेलना शुरू किया और देश की सबसे सफल खिलाड़ियों में जगह बनाई.

मैदान पर इतिहास रचने वाली पिंकी सिंह की निजी जिंदगी काफी मुश्किलों से गुजरी है. एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी चुनौती का जिक्र करते हुए बताया था कि साल 2022 उनके जीवन का सबसे कठिन दौर था, जब कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए टीम का सेलेक्शन होना था. दरअसल, साल 2019 में उनकी शादी हुई थी, लेकिन 2020 में ही रिश्ते में कड़वाहट आने लगी. फिर 2021 में उन्होंने तलाक की अर्जी दी और कोविड-19 महामारी के कारण कानूनी देरी के बाद 2022 में उनका तलाक फाइनल हुआ. उस कठिन मानसिक तनाव और निजी जिंदगी के बिखराव के बावजूद उन्होंने खुद को संभाला, कड़ा अभ्यास किया और बर्मिंघम 2022 में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाया.

पिंकी ने एशियन लॉन बॉल्स चैंपियनशिप में 2017 (ट्रिपल्स), 2023 (फोर्स) और 2025 (ट्रिपल्स) में भी तीन गोल्ड मेडल जीते हैं. इसके अलावा वो इस कॉम्पिटिशन में एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम कर चुकी हैं. एशिया पैसिफिक गेम्स में भी पिंकी सिंह ने ब्रॉन्ज मेडस हासिल कर रखा है. अब ग्लासगो 2026 में भी पिंकी सिंह से पूरे देश को एक बार फिर स्वर्णिम सफलता की उम्मीद है.

पोंगुलेटी ने क्योर क्षेत्र के आवेदकों के लिए इंदिरम्मा हाउसिंग हेल्पलाइन शुरू की

तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू में सहायता उपलब्ध होगी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनहितकारी शहरी क्षेत्र (क्योर) में इंदिराम्मा आवास कार्यक्रम के संबंध में जनता को सटीक जानकारी प्राप्त हो और भ्रम या गलतफहमियों को दूर करने के लिए, राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद में तेलंगाना आवास बोर्ड कार्यालय में एक कॉल सेंटर हेल्पलाइन का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, आवश्यक दस्तावेज, भुगतान और आवंटन प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करेगी।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री जी ने लोगों को बिचौलियों पर निर्भर न रहने और इसके बजाय सही जानकारी के लिए सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे के बीच आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर 040-24603572 पर संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू में सहायता उपलब्ध होगी और सरकार ने आवेदकों को सटीक मार्गदर्शन सुनिश्चित करने के लिए विशेष सहायता प्रणाली स्थापित की है। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य क्योर क्षेत्र में एक लाख मकान बनाना है। पहले चरण में 16 विधानसभा क्षेत्रों में 7,680 मकानों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह योजना निर्वाचन क्षेत्र के आधार पर लागू की जा रही है और आवेदकों को केवल अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में ही आवेदन करना होगा।

आवेदन मीसेवा केंद्रों, ऑनलाइन पोर्टल और व्हाट्सएप के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गलत सूचनाओं या दुर्भावनापूर्ण प्रचार पर विश्वास न करें। यह योजना हैदराबाद के क्योर क्षेत्र में रहने वाले कम आय वाले परिवारों के लिए है। पात्रता के लिए, परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि प्रत्येक परिवार से केवल एक आवेदन स्वीकार किया जाएगा और प्रत्येक पात्र परिवार को केवल एक फ्लैट आवंटित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सभी आवेदनों की डिजिटल जांच की जाएगी, जिसके बाद जमीनी स्तर पर सत्यापन और व्यापक पुष्टि की जाएगी। यदि पात्र आवेदकों की संख्या उपलब्ध फ्लैटों की संख्या से अधिक होती है, तो आवंटन एक पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों का कम से कम 10 वर्षों से क्योर की सीमा के भीतर निवास करना अनिवार्य है। आवेदक या परिवार के किसी भी सदस्य के पास आउटर रिंग रोड या क्योर की सीमा के भीतर कोई मकान, फ्लैट या प्लॉट नहीं होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रति परिवार केवल एक आवेदन और एक फ्लैट की अनुमति होगी। मंत्री ने कहा कि आवेदकों को आवेदन जमा करते समय केवल अपना आधार नंबर देना होगा। उन्होंने बताया कि जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और वेतन संबंधी दस्तावेज आवेदन के समय अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इन्हें लॉटरी और सत्यापन प्रक्रिया के दौरान जमा किया जा सकता है। आवेदकों को आवेदन शुल्क के रूप में 10 हजार का भुगतान केवल यूपीआई या नेट बैंकिंग के माध्यम से करना होगा। मंत्री ने कहा कि यदि मकान आवंटित नहीं किया जाता है, तो राशि उसी बैंक खाते में वापस कर दी जाएगी जिससे भुगतान किया गया था। मंत्री ने आवेदकों को सलाह दी कि वे अपनी मीसेवा रसीद, भुगतान रसीद, आवेदन संख्या को सुरक्षित रूप से संभाल कर रखें और सत्यापन, आवंटन और धनवापसी सहित पूरी प्रक्रिया पूरी होने तक अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर सक्रिय रखें। इस योजना के तहत प्रस्तावित फ्लैटों में एक शयनकक्ष, एक हॉल और एक रसोईघर होगा, जिसका निर्मित क्षेत्रफल लगभग 525 वर्ग फुट होगा। प्रत्येक फ्लैट का बाजार मूल्य 40 लाख से 60 लाख के बीच अनुमानित है। सरकार 5 लाख की सब्सिडी प्रदान करेगी और लाभार्थी के नाम पर 20 से 25 वर्ग गज अविभाजित भूमि का हिस्सा भी पंजीकृत करेगी। मंत्री ने बताया कि लाभार्थी को फ्लैट की लागत में केवल 6 लाख का योगदान देना होगा।

सार्वजनिक परीक्षाओं की विश्वसनीयता और मजबूत करेगी केंद्र सरकार : एन. रामचंद्र राव

प्रश्नपत्र लीक करने वालों को न्यूनतम 10 वर्ष की सजा और 15 करोड़ तक जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं की विश्वसनीयता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रश्नपत्र लीक तथा परीक्षा में अनियमितताओं में शामिल लोगों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य की रक्षा करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में संत रविदास महाराज की जयंती समारोह के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में देशभर में अनेक प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन उस समय ऐसी कठोर व्यवस्था लागू नहीं की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 लागू कर प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कानूनी ढांचा तैयार किया।

अब विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस कानून को और अधिक कठोर बनाने के लिए संसद में संशोधन लाने का निर्णय लिया गया है। रामचंद्र राव ने बताया कि प्रस्तावित संशोधनों के तहत प्रश्नपत्र लीक या परीक्षा संबंधी अन्य अनियमितताओं में दोषी पाए जाने वालों के लिए न्यूनतम 10 वर्ष के कारावास का प्रावधान किया जा रहा है। साथ ही वर्तमान 1 करोड़ के अधिकतम जुर्माने को बढ़ाकर 15 करोड़ तक करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी तथा केंद्र सरकार द्वारा आयोजित अन्य सभी सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए केंद्र सरकार ने राधाकृष्णन विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में कई सुधार लागू किए हैं।

साथ ही प्रश्नपत्र लीक से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए त्वरित न्यायालयों की स्थापना भी की जा रही है। रामचंद्र राव ने कहा कि तेलंगाना की जनता की ओर से वह विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा तथा सार्वजनिक परीक्षाओं की विश्वसनीयता को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हैं।

तेलंगाना में 92 लाख से ज़्यादा वोटर ने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किए हैं

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की समय-सीमा (3 अगस्त) खत्म होने में एक हफ़्ता बचा है। शनिवार तक, तेलंगाना के 33 ज़िलों में 92 लाख से ज़्यादा वोटर ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के लिए अपने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किए थे।

एसआईआर की स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, 3,38,26,448 वोटरों को एन्यूमरेशन फॉर्म बांटे गए थे, और उनमें से 2,46,01,237 फॉर्म जमा किए गए। फिर भी, राज्य में 92,25,211 वोटरों ने अपने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किए। तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी और हैदराबाद ज़िला चुनाव अधिकारी आर.वी. कर्णन ने वोटरों से अपील की कि वे अपने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करें और उन्हें पेंडिंग न रखें।

युवक की हत्या के मामले में सुपारी गैंग गिरफ़्तार

निर्मल, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने एक महिला और अंतर-राज्यीय सुपारी गैंग के छह सदस्यों को गिरफ़्तार करके 28 साल के ऑटो-रिक्शा ड्राइवर की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने इन सात लोगों के पास से दो मोटरसाइकिल, दो चाकू और पांच मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किए हैं।

मीडिया को गिरफ़्तारी की जानकारी देते हुए एसपी डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि अनवरी बेगम और अंतर-राज्यीय गैंग के सदस्यों (मुखीद, अफ़रोज़, शाहिद, साईनाथ पवार और शेख़ मोहम्मद) को 15 जुलाई को ऑटो-रिक्शा ड्राइवर असलम खान (28) की हत्या में शामिल होने के आरोप में पकड़ा गया। आरोपियों को सीसीटीवी फुटेज, कॉल डेटा रिकॉर्ड और मिली गुप्त सूचना की मदद से पकड़ा गया।

41 वर्षीय अनवरी ने महाराष्ट्र के मुखीद की मदद से गैंग को 6 लाख रुपये में हायर करके अपराध करने की बात कबूल की। उसने माना कि उसके अपने सौतेले बेटे असलम के साथ शारीरिक संबंध थे। असलम द्वारा उसे नज़रअंदाज़ करने पर उसने उसे रास्ते से हटाने की साज़िश रची। बताया जाता है कि उसने गैंग को एडवांस के तौर पर 50,000 रुपये दिए थे। महिला के निर्देश पर, गैंग के सदस्यों ने असलम को तब रोका और कई बार चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी, जब वह अपने ऑटो-रिक्शा से जा रहा था। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई को शहर में एक जगह पर बहुत सारे लोगों को देखकर उन्होंने अपना प्लान बदल दिया था और असलम की हत्या की कोशिश नाकाम रही थी।

विजन प्राइड इंफ्रा सर्विसेज के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की

घोटाले के पीड़ितों का करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कथित रियल एस्टेट घोटाले के पीड़ितों ने 'विजन प्राइड इंफ्रा सर्विसेज' पर फर्जी और काल्पनिक रियल एस्टेट परियोजनाओं में फर्जी फ्लैट बेचकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने राज्य सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और जनता को ठगने के आरोप में कंपनी के संचालक थुम्मलुरी संतोष को गिरफ्तार करने की अपील की है। शनिवार को हैदरगुडा स्थित एनएसएस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पीड़ितों ने आरोप लगाया कि कंपनी ने फर्जी संपत्तियों के लिए सदस्यता शुल्क और भुगतान वसूलने से पहले ग्राहकों को उपहार कूपन और किस्त योजनाओं का लालच दिया। उन्होंने दावा किया कि कंपनी के संचालक संतोष के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया है, लेकिन जांच की धीमी गति पर निराशा व्यक्त की। राज्य सरकार से न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए, उन्होंने जनता को कंपनी की कथित धोखाधड़ी योजनाओं के झांसे में न आने की चेतावनी भी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बलराज, वेंकटेश, श्रीधर, मिनी साजी, स्वाति, सतीश गौड़, शेख वाजिद अली और आलिया बेगम सहित प्रभावित व्यक्ति उपस्थित थे।

कुत्तों की मदद से एजुकेशनल इंस्टिट्यूट अब ड्रग्स मुक्त होगा

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एजुकेशनल इंस्टिट्यूट के कैंपस को ड्रग-फ्री रखने की कोशिशें तेज होने के साथ ही, ट्रेंड नारकोटिक्स डिटेक्शन डॉग्स की मांग काफ़ी बढ़ गई है। रेसिडेंशियल कॉलेज, प्राइवेट यूनिवर्सिटी और दूसरे एजुकेशनल इंस्टिट्यूट अचानक चेकिंग करने के लिए प्राइवेट केनेल और डॉग सिक्योरिटी सर्विस प्रोवाइडर्स से डॉग डिटेक्शन टीमों को हायर कर रहे हैं।

ट्रेंड कुत्ते डॉर्मिटरी, क्लासरूम, लैब, पार्किंग एरिया और कैंपस के दूसरे हिस्सों में छिपे हुए नशीले पदार्थों की तलाश करते हैं। इस पहल का मकसद स्टूडेंट्स के बीच ड्रग्स के इस्तेमाल को रोकना और कैंपस में ड्रग्स मिलने पर इंस्टिट्यट की बदनामी से बचाना है। ज़्यादातर नारकोटिक्स डिटेक्शन डॉग्स को एक्सपर्ट्स (जिनमें सेना और पुलिस के रिटायर्ड जवान शामिल हैं) द्वारा ट्रेन किया जाता है ताकि वे बैग, लॉकर, गाड़ियों और कमरों में छिपे गांजे, कोकीन और दूसरे नशीले पदार्थों की गंध पहचान सकें। सर्विस प्रोवाइडर्स के अनुसार, हालांकि कुत्ते कई तरह के ड्रग्स का पता लगा सकते हैं, लेकिन एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में ज़्यादातर मामलों में गांजा और सिगरेट ही मिलते हैं महंगे सिंथेटिक ड्रग्स शायद ही कभी मिलते हैं।

एक डिटेक्शन और प्रोटेक्शन ट्रेनर के अनुसार नारकोटिक्स डिटेक्शन डॉग्स की मांग काफ़ी बढ़ गई है। कई रेसिडेंशियल कॉलेज, प्राइवेट यूनिवर्सिटी और एजुकेशनल इंस्टिट्यट अचानक चेकिंग के लिए हमारी सर्विस लेते हैं। इंस्टिट्यट यह पक्का करना चाहते हैं कि उनके कैंपस ड्रग-फ्री रहें।

डॉग टीमों को महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर हायर किया जाता है, आमतौर पर 8 घंटे या 12 घंटे की शिफ्ट के लिए। तैनात कुत्तों की संख्या के आधार पर, सर्विस प्रोवाइडर्स हर ट्रेंड कुत्ते और उसके हैंडलर के लिए महीने का 40,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं। जर्मन शेफर्ड, बेल्जियन मैलिनोइस और लैब्राडोर रिट्रीवर का इस्तेमाल सबसे ज़्यादा नशीले पदार्थों और विस्फोटकों का पता लगाने और गश्त (पेट्रोलिंग) के कामों में किया जाता है, क्योंकि इनकी सूंघने की क्षमता बहुत तेज़ होती है, ये बहुत समझदार होते हैं और इन्हें आसानी से ट्रेनिंग दी जा सकती है।

इनकी मांग सिर्फ़ शिक्षण संस्थानों तक ही सीमित नहीं है। कई यूनिवर्सिटीज नियमित रूप से नशीले पदार्थों का पता लगाने वाले कुत्तों की सेवाएं लेती हैं। इनके अलावा, लग्ज़री होटल, हाई-प्रोफ़ाइल लोग, रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनियां और दूसरी प्राइवेट कंपनियां भी विस्फोटक खोजने वाले कुत्तों को काम पर रखती हैं। फार्महाउस, प्राइवेट एस्टेट और इंडस्ट्रियल इलाकों में भी गश्त करने वाले कुत्ते तैनात किए जाते हैं। सर्विस देने वालों का कहना है कि जो संस्थान अपने कैंपस को सुरक्षित और ड्रग-फ्री रखना चाहते हैं, उनके लिए कुत्तों की मदद से की जाने वाली जांच एक असरदार बचाव का तरीका बन गई है।

हॉलिडे पैकेज स्कैम में 15 लोग गिरफ्तार

ग्राहकों से कथित तौर पर 22 लाख रुपये की धोखाधड़ी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली पुलिस ने हॉलिडे मेंबरशिप से जुड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है और ग्राहकों को धोखे वाले मार्केटिंग कैंपेन के जरिए ठगने के आरोप में 15 हॉलिडे कंसल्टेंट्स को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 'द पैसिफिक हॉलिडे वर्ल्ड' नाम की कंपनी ने शॉपिंग मॉल और कमर्शियल जगहों पर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव तैनात किए थे, ताकि वे गिफ्ट कूपन बांट सकें और आने वाले लोगों की कॉन्टैक्ट डिटेल्स इकट्ठा कर सकें। पुलिस ने बताया, इसके बाद संभावित ग्राहकों को स्टार होटलों में प्रमोशनल मीटिंग्स के लिए बुलाया जाता था, जहां उन्हें भारत और विदेश में फाइव-स्टार डेस्टिनेशन्स पर शानदार ठहरने का वादा करके महंगी हॉलिडे मेंबरशिप खरीदने के लिए मनाया जाता था।

धोखाधड़ी का मामला तब सामने आया जब वुत्तरी स्वराज नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत की कि उन्हें 16 जुलाई को अपने एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड से 3.40 लाख रुपये का भुगतान करके हॉलिडे पैकेज खरीदने के लिए मनाया गया था। भुगतान मिलने के बाद, कंपनी कथित तौर पर वादा की गई सेवाएं देने में नाकाम रही और उनके कॉल्स का जवाब देना बंद कर दिया। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच-पड़ताल की और कोंडापुर में किराए के फ्लैटों में रह रहे आयोजकों का पता लगाया। अलग-अलग राज्यों के 15 कंसल्टेंट्स को पकड़ा गया। शुरूआती जांच के दौरान, पुलिस ने 19 ऐसे पीड़ितों की पहचान की, जिनके साथ कथित तौर पर लगभग 22 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई थी। और पीड़ितों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

मुन्नेरू चेक डैम को तोड़ने के बाद पानी का संकट

खम्मम, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर के III टाउन के प्रकाश नगर में मुन्नेरू चेक डैम को तोड़ने के कारण भूजल के स्तर में गिरावट और पानी की कमी की शिकायत कर रहे हैं।

याद दिला दें कि यह चेक डैम बीआरएस सरकार के समय 7.45 करोड़ रुपये की लागत से मुन्नेरू नदी पर बनाया गया था। इसे लगभग छह मिलियन क्यूबिक फीट पानी जमा करने और पांच किलोमीटर के दायरे में भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया था।

पूर्व मंत्री पुववाड़ा अजय कुमार ने जून 2021 में चेक डैम का उद्घाटन किया था। ज़मीन के स्तर से सात फीट की ऊंचाई पर बने इस ढांचे का मकसद स्थानीय लोगों को गर्मियों के मौसम में भूजल की कमी के कारण होने वाली पानी की किल्लत से निपटने में मदद करना था।

हालांकि, कांग्रेस सरकार ने एक साल पहले इस आधार पर चेक डैम को तोड़ दिया कि यह उन कारणों में से एक था जिसकी वजह से 2023 के मॉनसून में नदी के किनारे के इलाकों में भारी बाढ़ आई थी, जब खम्मम में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई थी। स्तंभद्रि शहरी विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष बाचू विजय कुमार ने कहा कि III टाउन इलाके की कई रिहायशी कॉलोनियों में इस समय पीने के पानी की भारी कमी है। चेक डैम बनने के बाद, खम्मम में नदी के दोनों ओर की कॉलोनियों और मुन्नेरू जलग्रहण क्षेत्र में भूजल स्तर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई थी।

विजय कुमार ने शिकायत की कि खम्मम नगर निगम द्वारा अनियमित जलापूर्ति, बारिश की कमी के कारण भूजल स्तर में गिरावट और चेक डैम को तोड़ने के गलत और अदूरदर्शी फैसले ने निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुरू में चेक डैम की ऊंचाई दो से तीन फ़ीट कम करने की योजना थी। लेकिन अजय कुमार के प्रति राजनीतिक बदले की भावना और जनहित की पूरी तरह अनदेखी करते हुए, बिना किसी वैकल्पिक योजना के मुन्नेरू चेक डैम को तोड़ दिया गया।

नंदियाल ने 'कैच द रेन' अभियान के तहत 3.3 टीएमसी अतिरिक्त जल भंडारण किया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार के 'बारिश का पानी इकट्ठा करो' अभियान के तहत आंध्र प्रदेश के नंदियाल जिले ने अपने जल संरक्षण बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार किया है। इस अभियान के अंतर्गत 2,691 किलोमीटर लंबी सहायक और आपूर्ति नहरों की गाद निकालकर उन्हें पुनर्स्थापित किया गया है, जिससे जलाशयों और टैंकों में वर्षा जल का प्रवाह बेहतर हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि जिले की सभी 489 ग्राम पंचायतों में 2,103 जल संरक्षण परियोजनाएं शुरू की जा चुकी हैं, जबकि 2,691 किलोमीटर फीडर नहरों का जीर्णोद्धार किया गया है और 251 लघु सिंचाई टैंकों का पुनरुद्धार किया गया है। जिले ने जीर्णोद्धार और नई संरक्षण संरचनाओं के माध्यम से 3.3 टीएमसी अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता का निर्माण किया है, जिससे भूजल पुनर्भरण, सिंचाई और वैज्ञानिक योजना एवं सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से दीर्घकालिक जल सुरक्षा को मजबूती मिली है। जिले ने अपने 22,221 कृषि तालाबों, 2,221 चेक डैमों और 202 परकोलेशन टैंकों के नेटवर्क को भी मजबूत किया है, जिससे वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पूरे जिले में पानी की उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

फिटनेस और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वॉकथॉन का आयोजन

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के आयकर विभाग ने स्वास्थ्य जागरूकता, फिटनेस और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को यहां संजीवैया पार्क में एक वॉकथॉन का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन स्टार किदाम्बी श्रीकांत (जो मुख्य अतिथि थे) ने प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सुरेश बत्तिनी के साथ कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्रीकांत ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए शारीरिक फिटनेस के महत्व पर जोर दिया, जबकि बत्तिनी ने जीवनशैली से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए नियमित व्यायाम को प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की नई पहल 'जल शक्ति - कैच द रेन' का प्रचार भी किया गया, जिसका विषय था, कर का योगदान- राष्ट्र निर्माण, जल का संरक्षण- भविष्य निर्माण। इस अभियान में वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जन स्वास्थ्य जागरूकता पर भी जोर दिया गया।

बार-बार फ़ूड पॉइजनिंग से माता-पिता परेशान

मंचेरियल, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासन भले ही साफ-सुथरा खाना देने के उपाय करने का दावा कर रहा हो, लेकिन मंचेरियल जिले के कई सरकारी हॉस्टलों में समय-समय पर फ़ूड पॉइजनिंग की घटनाएं हो रही हैं। ताजा घटना में, बुधवार रात बेल्लमपल्ली के महात्मा ज्योतिबा फुले रेजिडेंशियल स्कूल (लड़कियों के लिए) में रात का खाना खाने के बाद 21 छात्राओं को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इससे पहले, फ़रवरी में इसी शहर के तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल स्कूल में खाना खाने के बाद 16 छात्राएं बीमार पड़ गई थीं। फ़ूड पॉइजनिंग की बार-बार हो रही घटनाओं से छात्र और माता-पिता दोनों ही चिंतित हैं। नाम न बताने की शर्त पर छात्रों ने आरोप लगाया कि वॉर्डन हॉस्टल चलाने में लापरवाही बरत रहे हैं, जिसके कारण फ़ूड पॉइजनिंग हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जैसे चावल, दाल, सब्ज़ियां आदि की ठीक से जांच नहीं की जाती, जिससे फ़ूड पॉइजनिंग होती है।

माता-पिता ने जिले में बार-बार हो रही फ़ूड पॉइजनिंग की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार पर भरोसा करके अपने बच्चों को शिक्षण संस्थानों में भर्ती कराया था, लेकिन हॉस्टल उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। उनका मानना है कि फ़ूड पॉइजनिंग की बार-बार होने वाली घटनाओं से उनके बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ेगा।

सूत्रों का कहना है कि वॉर्डन छात्रों को अच्छा खाना तभी देते हैं जब अधिकारी शिक्षण संस्थानों का निरीक्षण करते हैं। जब भी ये घटनाएं मीडिया की नजर में आती हैं, तो अधिकारी रसोई में साफ-सफाई और राशन की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं।

अधिकारियों ने कहा कि छात्रों को अच्छा खाना उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा चलाए जा रहे हॉस्टल से जुड़े 102 स्कूलों और कॉलेजों में लगभग 23,000 छात्र पढ़ते हैं। पच्चीस हॉस्टल एससी छात्रों के लिए थे, जबकि 18 बीसी छात्रों के लिए आवंटित किए गए थे। जिले में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित 18 आश्रम स्कूल और 18 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हैं।

चावल का स्टॉक जमा करने से कीमतें बढ़ीं

खम्मम, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुपर अल नीनो की वजह से दुनिया भर में मौसम में गड़बड़ी हो रही है और भारत के मॉनसून और खेती पर बुरा असर पड़ रहा है, ऐसे में पुराने खम्मम जिले में चावल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ध्यान देने वाली बात है कि राज्य सरकार किसानों को धान की खेती न करने के लिए कह रही है, क्योंकि बारिश कम हुई है, राज्य में सूखे जैसे हालात हैं और जलाशयों में पानी कम है।

अधिकारियों के मुताबिक, खम्मम और कोत्तागुडेम जिलों में धान की खेती के लिए संभावित 4.67 लाख एकड़ ज़मीन में से अब तक एक लाख एकड़ से भी कम ज़मीन पर धान बोया गया है। सरकार द्वारा जलाशयों से पानी देने से साफ इनकार करने और भूजल के इस्तेमाल पर पाबंदियों के कारण, धान की खेती की उम्मीदें कम हैं और चावल के उत्पादन में गिरावट आ सकती है।

मिल मालिक और थोक व्यापारी हालात का फायदा उठाते हुए एहतियात के तौर पर चावल का स्टॉक जमा कर रहे हैं। इसका असर चावल की कीमतों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ महीनों में चावल की सभी अच्छी किस्मों की कीमतों में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

थोक व्यापारी वेंकटा साई के मुताबिक, जयश्रीराम, एचएमटी और सांबा मसूरी जैसी पुरानी अच्छी किस्मों के चावल की कीमतें दो महीने पहले 5,000 रुपये प्रति क्विंटल थीं, जो अब बढ़कर 6,000 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। नए जयश्रीराम और एचएमटी चावल अब 5,400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहे हैं, जबकि दो महीने पहले इनकी कीमत 4,400 से 4,500 रुपये प्रति क्विंटल थी। साई ने बताया कि नई सांबा मसूरी चावल (जो दो महीने पहले 4,000 में बिक रही थी) अब 5,200 प्रति क्विंटल बिक रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.